THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 313 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.5 2080 बुधवार, 31 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

सीएम आवास पर हेमंत सोरेन ने डेढ़ घंटे मीटिंग की

जेएमएम के 7 विधायक नहीं आए, कल्पना सोरेन को सीएम बनाने की चर्चा से नाराज

रांची, 30 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में सियासी हलचल के बीच सीएम हाउस में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महागठबंधन के विधायक दल की बैठक ली। मीटिंग में चर्चा हुआ कि यदि ईडी जमीन घोटाले में हेमंत को गिरफ्तार करती है तो प्लान क्या होगा?

बताया जाता है कि हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन का नाम सीएम पद के लिए आगे किया है। कल्पना के नाम पर जेएमएम के 7 विधायक नाराज हैं। इसी कारण वे बैठक में नहीं आए। इनमें हेमंत सोरेने के भाई बसंत सोरेन और भाभी सीता सोरेन भी शामिल हैं।

इधर, डेढ़ घंटे की मीटिंग से निकले मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि प्लान बी की कोई बात नहीं हुई है। प्लान बी तब होगा जब प्लान ए में गड़बड़ होगी। अगर कल हेमंत सोरेन से जब ईडी पूछताछ करेगी, तब सभी विधायक सीएम आवास पर मौजूद होंगे।

इसके पहले जमीन घोटाले में घिरे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार 30 जनवरी की दोपहर रांची पहुंचे थे। वे सोमवार 29 जनवरी से लापता थे। रांची पहुंचकर उन्होंने सीएम हाउस में सत्ता पक्ष (जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी) के विधायकों के साथ दिन में मीटिंग की। पत्नी कल्पना भी मौजूद थीं।

छत्तीसगढ़ में नक्सली हमला, 3 जवान शहीद

बस्तर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के टेकलगुड़ेम में मंगलवार को हुए नक्सली हमले में 3 जवान शहीद हो गए। जबकि 14 जवान घायल हुए। घायलों को चॉपर से पहले जगदलपुर लाया गया। यहां से उन्हें रायपुर ले जाया जा रहा है। टेकलगुड़ेम में ही साल 2021 में हुए नक्सली हमले में 23 जवान शहीद हुए थे।

मंगलवार को जोनागुड़ा-अलीगुड़ा क्षेत्र में कोबरा-एसटीएफ-डीआरजी की टीम सर्चिंग कर रही थी। दोपहर 3 से 4 बजे के बीच घात लगाए नक्सलियों ने टीम पर फायरिंग कर दी। इस दौरान सुरक्षाबलों ने भी नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। फोर्स को भारी पड़ता देख माओवादी जंगल की आड़ लेकर भागने में कामयाब हो गए।

तेजस्वी को ईडी ने 8 घंटे पूछताछ के बाद छोड़ा

पटना ईडी दफ्तर से निकलकर विक्ट्री साइन दिखाया, 12 अफसरों ने पूछे 60 सवाल

पटना, 30 जनवरी (एजेंसियां)। लैंड फॉर जॉब्स मामले में ईडी ने पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से करीब 8 घंटे पूछताछ किया। पटना ईडी दफ्तर से रात आठ बजे बाहर निकलकर उन्होंने विक्ट्री साइन दिखाया। इस दौरान समर्थकों ने नारेबाजी की। ईडी के 12 अफसरों की टीम ने उनसे 60 सवाल किए।

तेजस्वी सुबह साढ़े 11 बजे से पटना के बैंक रोड स्थित ईडी दफ्तर पहुंचे थे। बहन मीसा भारती ने कहा कि उम्मीद है न्याय मिलेगी। तेजस्वी के खेला होने के सवाल पर कहा कि इंतजार करिए।

तेजस्वी से ये सवाल पूछे गए :

जिस कंपनी के आप मालिक हैं, वो कंपनी कैसे बनी और कब बनी?

जब आप नाबालिग थे तो कंपनी बनाने का आइडिया कैसे आया?

कंपनी 4 करोड़ की थी, कंपनी के बनने के कुछ साल में करोड़ों का ट्रांजैक्शन कैसे?

कमाई का स्रोत क्या रहा :

नाबालिग से बालिग होते ही 21-22 साल की उम्र में आपकी कंपनी का मुनाफा कई करोड़ कैसे बढ़ा?

160 करोड़ का आलीशान घर आपने अपनी कंपनी के नाम पर महज कुछ लाख में कैसे लिया?

आपने करोड़ों रुपये कहां से कमाए :

ईडी ऑफिस के बाहर तेजस्वी के समर्थक नारेबाजी करते दिखें। पार्टी के विधायक और पास के ही मंदिर में बैठे रहे थे। इससे पहले सोमवार को ईडी ने राजद सुप्रीमो लालू यादव से 10 घंटे पूछताछ की।

इंडियन नेवी ने किया कमाल : 24 घंटे में दूसरा सफल अभियान

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने 24 घंटे में दूसरे सफल ऑपरेशन को अंजाम दिया है। अब इंडियन नेवी ने सोमालिया के 11 लुटेरों के चंगुल से पाकिस्तान के 19 नागरिकों को बचाया है। मंगलवार को इंडियन नेवी ने जानकारी दी कि उसके जहाज सुमित्रा ने एफवी अल नईमी (मछली पकड़ने वाले जहाज) पर डकैती के प्रयास को विफल कर दिया है। इंडियन नेवी के जाबाजों ने यह एंटी पाइरेसी ऑपरेशन ईस्ट कोस्ट ऑफ सोमालिया में अंजाम दिया। इससे पहले इंडियन नेवी ने एफवी इमान पर समुद्री डकैती के प्रयास को विफल किया था। इंडियन नेवी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा ने एफवी अल नईमी को इंटरसेप्ट किया गया और इसके बाद एक्शन किया। इस दौरान पता चला कि जहाज पर पाइरेट्स ने 19 पाकिस्तानियों को बंधक बनाया हुआ है। इसके बाद आईएनएस सुमित्रा पर तैनात कमांडो दस्ते ने एसओपी के अनुसार समुद्री डाकुओं को नाव चालक दल सहित सभी सवारों को रिहा करने के लिए मजबूर किया। आईएनएस सुमित्रा अदन की खाड़ी और सोमालिया के पूर्व में समुद्री डाकुओं को विफल करने और समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए तैनात किया गया है।

सोमालियाई लुटेरों से 19 पाकिस्तानियों को बचाया था

सोमवार को इसने एफवी ईमान को समुद्री डाकुओं से मुक्त करवाया था। इंडियन नेवी के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने कहा कि इंडियन नेवी समुद्र में सभी नाविकों और जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वास्ते सभी समुद्री खतरों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए क्षेत्र में एक बार फिर अपनी प्रतिबद्धता साबित की है।

पूर्व विदेश मंत्री जसवंत सिंह की बहू की एक्सीडेंट में मौत

अलवर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर से पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह की पत्नी चित्रा सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे में मानवेंद्र सिंह, उनका बेटा हमीर सिंह और ड्राइवर घायल हो गए हैं। हादसा मंगलवार शाम 5 बजे अलवर के नौगांवा के पास खुसपुरी (हरियाणा बॉर्डर) में हुआ। घायलों को अलवर के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मानवेंद्र सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में विदेश मंत्री रहे जसवंत सिंह के बेटे हैं। मानवेंद्र सिंह के बेटे हमीर सिंह के हाथ और नाक में फ्रैक्चर हुआ है। पूर्व सांसद के सीने की पसली टूटी है। फेफड़े में भी गंभीर चोटें आई हैं। सभी का इलाज शुरू कर दिया गया है। मानवेंद्र भाजपा से सांसद बने थे, अब वे कांग्रेस में हैं। अलवर के एडिशनल एसपी तेजपाल सिंह ने बताया कि हादसा करीब 5 बजे हुआ। कार (जीप कम्पास) में ड्राइवर समेत चार लोग सवार थे, सभी दिल्ली से जयपुर आ रहे थे। कंट्रोल रूम पर फोन से हादसे की सूचना मिली थी कि रसगन से खुसपुरी के बीच कार का एक्सीडेंट हो गया है।

'माल्या-अडानी का कर्ज माफ हो रहा... किसानों का नहीं'

पूर्णिया, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का बिहार में आज दूसरा दिन है। राहुल गांधी मंगलवार की सुबह पूर्णिया पहुंच गए हैं। वहां उन्होंने गढबनैली नवोदय विद्यालय के बच्चों से मुलाकात की है। उसके बाद राहुल गांधी ने सीसाबाड़ी में किसान चौपाल के दौरान किसानों से मुलाकात की।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि जो भी राजनेता किसानों की जमीन की रक्षा करने की बात करेगा उस पर 24 घंटे आक्रमण होगा। हिंदुस्तान की सरकार जमीन अधिग्रहण के कानून को तोड़ रही है। किसानों को चारों ओर से घेरा जा रहा है। आपसे

जमीन ली जाती है और अडानी जैसे बड़े-बड़े उद्योगपतियों को मुफ्त में दी जाती है। प्रधानमंत्री मोदी 3 काले कानून ले आए और जो आपका था आपकी नाक के सामने से छीनने की कोशिश की। माल्या और अडानी का कर्जा माफ हो सकता है, लेकिन किसानों का कर्जा माफ नहीं हो सकता है। राहुल गांधी इस दौरान सिर पर गमछा बांधकर खटिया पर बैठे नजर आए। राहुल गांधी ने किसान के हाथ से कुल्हड़ में चाय पी। इसके बाद वो होटल में आराम करने के लिए रवाना हो गए।

होटल में आराम करने का बाद एक बार फिर से राहुल गांधी की यात्रा पूर्णिया के रंगभूमि मैदान की ओर निकल गई है। 9 किलोमीटर की दूरी तय कर कांग्रेस सांसद रंगभूमि मैदान पहुंचें। यहां वो एक तक सभा को संबोधित किया। सोमवार (29 जनवरी) को उन्होंने आरएसएस और बीजेपी पर तो हमला बोला, लेकिन सीएम नीतीश कुमार को लेकर कुछ नहीं कहा।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर पीएम ने श्रद्धांजलि दी

कांग्रेस बोली-गोडसे को मानने वालों को भारत को परिभाषित करने नहीं दे सकते

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आज 76वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी समेत सभी बड़े नेताओं ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। पीएम ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पूज्य बापू को उनकी 76वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देता हूं। मैं देश के लिए बलिदान देने वाले सभी वीरों को नमन करता हूं। उनका बलिदान हमें जनसेवा करने और देश के लिए हमारे सपनों को पूरा करने की प्रेरणा देता है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार के अररिया में न्याय यात्रा कैंप में बापू के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा कि न्याय की यह महायात्रा गांधी जी के विचारों से ही प्रेरित है और जो भी उनकी विचारधारा को कुचलने की कोशिश करेंगे, वहां हम खड़े मिलेंगे। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 76 साल पहले आज ही के दिन नफरत फैलाने वाली शक्तियों ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी थी।

उस विचारधारा और उसे मानने वालों के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी, जिन्होंने महात्मा के जीवनकाल में तो उनका विरोध किया, उन्हें नकारा और अंत में उनकी हत्या की, लेकिन अब उनकी विरासत को हथियाने का प्रयास कर रहे हैं। जयराम ने कहा कि जो लोग गोडसे का महिमामंडन करते हैं, उन्हें 'आइडिया ऑफ इंडिया' को परिभाषित करने की इजाजत न तो दी जानी चाहिए और न ही दी जाएगी।

पीएम मोदी ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

भाजपा कार्यकर्ता मर्डर केस में 15 पीएफआई मेंबर्स को सजा-ए-मौत

तिरुवनंतपुरम, 30 जनवरी (एजेंसियां)। केरल की एक कोर्ट ने प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के 15 कार्यकर्ताओं को भाजपा नेता की हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई है। भाजपा के ओबीसी विंग के नेता रंजीत श्रीनिवासन की 19 दिसंबर 2021 को हत्या कर दी गई थी। पिछले हफ्ते कोर्ट ने 15 लोगों को दोषी माना था। कोर्ट ने कहा था कि आठ दोषी, जिनकी पहचान निजाम, अजमल, अनूप, मोहम्मद असलम, अब्दुल सलाम उर्फ सलाम पोन्नद, अब्दुल कलाम, सफरुद्दीन और मनशद के तौर पर हुई है, वे रंजीत श्रीनिवास के मर्डर में सीधे तौर पर शामिल थे।

अन्य दोषियों की पहचान जसीब राजा, नवास, शमीर, नसीर, जाकिर हुसैन, शाजी पूवाथुंगल और शमनास अशरफ के तौर पर हुई है। कोर्ट ने इनमें से चार को इसलिए दोषी करार किया था क्योंकि वे हथियार लेकर क्राइम सीन पर आए थे, ताकि श्रीनिवास भाग न पाए और कोई उसकी मदद भी न कर पाए। बाकी तीन ने मर्डर की साजिश रची थी।

मवेलीक्कारा एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज वीजी श्रीदेवी ने फैसला सुनाया। विक्टिम के वकील ने बताया कि सजा पाने वाले सभी आरोपी ट्रेंड किलर स्क्वॉड का हिस्सा थे। जिस क्रूर और निर्मम तरीके से विक्टिम को उनकी मां, पत्नी और बच्चे के सामने मारा गया था, ये रेयरेस्ट ऑफ रेयर क्राइम की श्रेणी में आता है। घटना को लेकर पुलिस ने बताया था कि 19 दिसंबर 2021 को जब रंजीत श्रीनिवास अलाप्पुझा सिटी के अपने घर पर मॉर्निंग वॉक के लिए तैयार हो रहे थे, तभी हमलावर उनके घर में घुस गए। इस दौरान उनकी मां, पत्नी और बच्चा भी घर में मौजूद थे।

शरजील इमाम की जमानत पर अगले महीने फैसला लें

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रद्रोह के आरोप में जेल में बंद स्टूडेंट एक्टिविस्ट शरजील इमाम की जमानत याचिका पर मंगलवार (30) जनवरी को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया है कि फरवरी महीना खत्म होने से पहले शरजील की जमानत याचिका पर फैसला लें। शरजील को जनवरी 2020 के दिल्ली सांप्रदायिक दंगा केस में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मंगलवार को जस्टिस सुरेश कुमार कैत और मनोज जैन की बेंच को शरजील के वकील ने बताया था कि शरजील की याचिका पर 7 फरवरी को सुनवाई होनी है। इस पर बेंच ने कहा कि हम ट्रायल कोर्ट को आदेश देते हैं कि सुनवाई के 10 दिन के अंदर इस याचिका पर फैसला सुनाएं। वकील के मुताबिक, शरजील ने सीआरपीसी के सेक्शन 436ए के तहत जमानत की याचिका दाखिल की है।

'हम एक बड़ी ताकत, मुश्किलों में हमें दूसरों की मदद करनी ही होगी'

विदेश मंत्री का बड़ा बयान

मुंबई, 30 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत एक ताकतवर मुल्क है और इसकी दुनिया में प्रतिष्ठा है। ऐसे में मुश्किल हालात में हमें दूसरों की मदद करनी ही होगी। विदेश मंत्री का बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में लाल सागर में ईरान के व्यापारिक जहाज को भारतीय नौसेना ने समुद्री लुटेरों से बचाया है। मुंबई में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में छात्रों से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री ने ये बात कही।

डॉ.एस जयशंकर ने कहा कि भारत की बढ़ती क्षमता, हमारे अपने हित और हमारी प्रतिष्ठा की वजह से हमें मुश्किल परिस्थितियों में दूसरों की मदद करनी ही होगी। विदेश मंत्री ने कहा कि अगर हमारे पड़ोस में बुरी चीजें हो रही हैं और हम कहें कि हम इसमें कुछ नहीं कर सकते, तो ऐसे में हमें जिम्मेदार देश नहीं समझा जाएगा। हाल के समय में भारतीय नौसेना ने व्यापारिक जहाज का अपहरण करने के समुद्री लुटेरों के प्रयासों को कई बार नाकाम किया है। हाल ही में ईरान का झंडा लगे एक जहाज को भी भारतीय नौसेना ने सोमालिया के तट पर समुद्री लुटेरों से बचाया है। इस जहाज के क्रू सदस्यों में 19 पाकिस्तानी शामिल थे।

नौसेना ने तैनात किए 10 युद्धक जहाज :

अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग रूट पर इस्राइल हमास युद्ध के बाद से हमले बढ़े हैं। यही वजह है कि नौसेना ने लाल सागर और अरब सागर के इलाके में अपने 10 युद्धक जहाज तैनात कर रखे हैं। बीते दिनों ब्रिटेन का झंडा लगे एक व्यापारिक जहाज की भी नौसेना ने मदद की थी, जब जहाज पर हूती विद्रोहियों ने मिसाइल से हमला किया था।

साइफर मामले में इमरान खान को 10 साल की सजा

इस्लामाबाद, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान और नेता शाह महमूद कुरैशी को साइफर मामले में 10 साल जेल की सजा सुनाई गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, विशेष अदालत के जज अबुल हसनत जुल्करनैन ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में सुनवाई के दौरान सजा की घोषणा की। इससे पहले, मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, खान ने कहा कि मुकदमे की गति से पता चलता है कि मैच पहले से ही तय है। रिपोर्ट के अनुसार, खान ने आरोप लगाया कि अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू को बचाने के लिए यह सब किया जा रहा है। उन्होंने सत्ता प्रतिष्ठान से बातचीत करने की इच्छा जताते हुए कहा कि हाल की घटनाओं ने आमचुनाव को बदनाम कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीटीआई कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के लिए पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों के खिलाफ जांच कराने को कहेंगे जो चुनाव प्रचार के लिए नहीं निकले हैं।

काशी के ज्ञानवापी मस्जिद से एएसआई को तेलुगु भाषा में शिलालेख मिले

मंदिर को लेकर विशेषज्ञों ने दी नई जानकारी

वाराणसी, 30 जनवरी (एजेंसियां)। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद में एएसआई को कुछ नई चीजें मिली हैं। कर्नाटक के मैसूर में एएसआई के पुरालेख विभाग के निदेशक मुनिरत्नम रेड्डी के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक टीम को 34 शिलालेख मिले हैं। इनमें से तीन शिलालेख तेलुगु भाषा में हैं। कुछ शिलालेख कन्नड़, देवनागरी और तमिल भाषाओं में हैं। एएसआई की पुरालेख शाखा को इससे पहले अयोध्या से एक संस्कृत शिलालेख भी मिला था। एएसआई के मुताबिक इससे वहां पहले भव्य मंदिर होने के संकेत मिलते हैं।

मुनिरत्नम रेड्डी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इन शिलालेखों से कई नई जानकारियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि यह शिलालेख 17वीं शताब्दी के हैं। शिलालेख मस्जिद की दीवारों पर उकेरे गये हैं। इन शिलालेखों में से एक में नारायण भटलू के पुत्र मल्लाना भटलू जैसे लोगों के नाम साफ तौर पर लिखा है। मुनिरत्नम के मुताबिक, यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि नारायण भटलू एक तेलुगु ब्राह्मण हैं जिन्होंने 1585 में काशी विश्वनाथ मंदिर के निर्माण की देखरेख की थी।

ऐसा कहा जाता है कि जौनपुर के हुसैन शर्की सुल्तान (1458-1505) ने 15वीं शताब्दी में काशी विश्वनाथ मंदिर को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। मंदिर का पुनर्निर्माण 1585 में किया गया था। माना जाता है कि राजा टोडरमल ने दक्षिण भारत के एक विशेषज्ञ नारायण भटलू को मंदिर के निर्माण की निगरानी करने के लिए कहा था।

व्यास जी के तहखाना मामले में दोनों पक्षों की बहस पूरी पूजा-पाठ की अनुमति पर आज आएगा आदेश

वाराणसी, 30 जनवरी (एजेंसियां)। ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यासजी के तहखाना में पूजा-पाठ किये जाने संबंधी आवेदन पर जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में दोनों पक्ष की तरफ से मंगलवार को बहस पूरी कर ली गई। अदालत इस मुद्दे पर आदेश बुधवार को करेगी।

इस मामले में वादी शैलेन्द्र पाठक के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन, सुधीर त्रिपाठी, सुभाष नंदन चतुर्वेदी व दीपक सिंह ने कोर्ट में दलील दी कि उनकी तरफ से दिए गए आवेदन के एक पार्ट को अदालत ने स्वीकार कर लिया। जिसमें व्यास जी के तहखाने को डीएम कि सुपुर्दगी में दिए जाने का अनुरोध किया गया था। दूसरा अनुरोध किया गया था कि जो बैरिकेडिंग नंदी जी के सामने की गई है उसे खोल दिया जाए और व्यास जी के तहखाने में पूजा पाठ के लिए आने जाने दिया जाए। इस पर आदेश किए जाने का अनुरोध किया गया।

बीजेपी ने जीता मेयर चुनाव

दिन दहाड़े बेईमानी हुई, भावुक हो गए आप उम्मीदवार : केजरीवाल

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव जीत लिया है। बीजेपी प्रत्याशी मनोज सोनकर को चंडीगढ़ मेयर चुनाव में 16 वोट मिले जबकि उनके सामने चुनाव लड़ रहे आप उम्मीदवार कुलदीप कुमार महज 12 वोट ही हासिल कर सके। इस चुनाव में 8 वोटों को अमान्य घोषित कर दिया गया।

मेयर चुनाव के नतीजे आने के बाद आप पार्टी ने निगम बिल्डिंग में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आप की तरफ से मेयर पद उम्मीदवार कुलदीप कुमार भावुक हो गए। मेयर चुनाव के बाद हुए डिप्टी मेयर चुनाव और सीनियर डिप्टी मेयर चुनाव का आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के पार्षदों ने बहिष्कार किया। दोनों पार्टी के पार्षदों ने विरोध में इस चुनाव में वोट डालने से इनकार कर दिया। इसके बाद बीजेपी के प्रत्याशी राजिंदर कुमार को चंडीगढ़ नगर निगम का डिप्टी मेयर चुन लिया गया।

बम का मजाक उड़ाने पर हवाई यात्री गिरफ्तार

बेंगलुरु, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु में एक हवाई यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसने विमान में सुरक्षा जांच के दौरान मजाक में कहा था कि उसके बैग में बम है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 48 वर्षीय साजु के कुमारन के रूप में की गई है, जो एक निजी कंपनी का कर्मचारी है। यह घटना रविवार शाम को हुई, जब कुमारन को एयर इंडिया की फ्लाइट से बेंगलुरु से केरल के कोच्चि के लिए रवाना होना था। कथित तौर पर विमान में सवार आरोपी ने कर्मचारियों को यह कहते हुए अपना बैग जांचने की अनुमति नहीं दी कि वह इसमें बम ले जा रहा है, इसके बाद उसे विमान से उतार दिया गया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अधिकारियों ने गहन जांच की और कुमारन को बेंगलुरु हवाईअड्डा पुलिस स्टेशन ले गए।

कर्नाटक में 'हनुमान ध्वज' हटाने को लेकर बवाल जारी

पीडीओ सस्पेंड; बीजेपी बोली- फिर से लगाओ

मांड्या, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मांड्या में 108 फुट ऊंचे ध्वजस्तंभ से 'हनुमान ध्वज' हटाने को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच ध्वज फहराने का मौका देने की वजह से मांड्या जिले के केरागोडु गांव के ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) को निलंबित कर दिया गया है। मांड्या जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेख तनवीर आसिफ ने सोमवार को जारी आदेश में कहा है कि केरागोडु गांव में केवल भारतीय ध्वज तिरंगा फहराने की इजाजत दी गई थी। आदेश में कहा गया है कि पीडीओ ने न केवल लोगों को हनुमान ध्वज फहराने का मौका दिया बल्कि इसे हटाने के लिए भी कदम नहीं उठाया।

बीजेपी और जेडीएस ने किया प्रदर्शन

पंचायत उपमंडल अधिकारी ने 28 जनवरी को तहसीलदार और पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर ध्वज हटा दिया जिससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो गई और इसके लिए पीडीओ को जिम्मेदार ठहराया गया। विपक्षी दल बीजेपी और उसके सहयोगी जेडीएस ने मांड्या में हनुमान ध्वज को हटाए जाने के विरोध में और उसे फिर से लगाए जाने की मांग करते हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया जिसके कारण सोमवार को सुरक्षा बढ़ा दी गई। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने विपक्षी बीजेपी और जेडीएस पर आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इस मुद्दे पर लोगों को भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

भीड़ पर किया गया था लाठीचार्ज

पुलिस ने रविवार को केरागोडु गांव में भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया था। बाद में प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में हनुमान ध्वज की जगह राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को भगवा झंडे थामे 'जय श्री राम' के नारों के बीच केरागोडु से मांड्या के जिला मुख्यालय में उपायुक्त कार्यालय तक लगभग 14 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए मार्च किया। उन्होंने कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे भी लगाये। प्रदर्शनकारियों में बीजेपी नेता सी। टी। रवि और प्रीतम गौड़ा तथा जेडीएस नेता सुरेश गौड़ा और के। अन्नदानी शामिल थे।

डिप्टी कमिश्नर के दफ्तर के पास इकट्ठा हुए लोग

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, जैसे ही मार्च मांड्या शहर पहुंचा, पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्के लाठीचार्ज का सहारा लिया क्योंकि कुछ कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर सीएम सिद्धरमैया और अन्य कांग्रेसी नेताओं की तस्वीर वाले एक फ्लेक्स बोर्ड को गिराने की कोशिश की। बाद में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी डिप्टी कमिश्नर के दफ्तर के पास इकट्ठा हुए जहां बड़ी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई थी और बैरिकेड लगाए गए थे। पूर्व मुख्यमंत्री एच। डी। कुमारस्वामी सहित रवि और जेडीएस नेताओं ने भीड़ को संबोधित किया।

राधा रतूड़ी के रूप में मिल सकती है प्रदेश को पहली महिला मुख्य सचिव, सीएम धामी ने दिए संकेत

देहरादून, 30 जनवरी (एजेंसियां)। राधा रतूड़ी के रूप में उत्तराखंड को पहली मुख्य सचिव मिल सकती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके संकेत दिए हैं। वह 1988 बैच की आइएएस अधिकारी और अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी हैं। मुख्य सचिव डॉ। एसएस संधु का कार्यकाल बुधवार 31 जनवरी को समाप्त हो रहा है। ऐसे में अब उनकी जगह राधा रतूड़ी ले सकती हैं। इससे पहले 1988 बैच के आईएएस अधिकारी संधु को सेवानिवृत्ति के बाद छह महीने का एक्सटेंशन दिया गया था, जो 31 जनवरी को पूरा हो रहा है। सचिवालय के गलियारों में मुख्य सचिव की कुर्सी को लेकर दो नामों की खूब चर्चा हो रही थी। इनमें पहला नाम डॉ। संधु का ही था। 1988 बैच के आईएएस अधिकारी संधु को सेवानिवृत्ति के बाद छह महीने का एक्सटेंशन दिया गया। उन्हें सेवा विस्तार देने की एक प्रमुख वजह बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में पुनर्निर्माण की परियोजनाएं हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में माना जाता है। जानकारों का मानना है कि किसी कारणवश डॉ। संधु को सेवा विस्तार नहीं मिला तो अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को मुख्य सचिव बनाया जा सकता है। संधु के बाद रतूड़ी ही सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। 1988 बैच की आईएएस रतूड़ी मुख्यमंत्री धामी की पसंदीदा अफसरों में से हैं।

बीजेपी के पास बेरोजगारी का समाधान नहीं

मोदी की गारंटी एक जुमला है :प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास देश के सबसे बड़े मुद्दे बेरोजगारी का कोई समाधान नहीं है और 'मोदी की गारंटी' जैसी बातें "सिर्फ जुमला" हैं। वाद्रा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो भी साझा किया जिसमें बड़ी संख्या में लोग इजराइल में नौकरी पाने के मकसद से कतारबद्ध नजर आ रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा, अगर कहीं पर युद्ध के हालात हैं तो सबसे पहले हम अपने नागरिकों को वहां से बचाकर, वापस अपने वतन लाते हैं लेकिन बेरोजगारी ने आज ये हाल कर दिया है कि देश की सरकार हजारों असहाय और मजबूर युवाओं को युद्धग्रस्त इजराइल जाकर ये खतरा उठाने से भी बचा नहीं रही। उन्होंने दावा किया कि इसी से पता चलता है कि चुनावों में '5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था , सालाना दो करोड़ रोजगार और मोदी की गारंटी जैसी बातें "सिर्फ जुमला" हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा, यहां, अपने देश में इन्हें रोजगार क्यों नहीं मिल रहा? लंबी-लंबी कतारों में दो-दो दिनों से खड़े युवा क्या हमारे देश के बच्चे नहीं हैं कि हम इन्हें ख़ुशी से इतने भयानक युद्ध के बीच भेजने को तैयार हैं? उन्होंने कहा, गौर कीजिए,

कितनी चालाकी से सरकार इसे देश के युवाओं का व्यक्तिगत मसला बना रही है ! प्रियंका गांधी ने सवाल किया कि सरकार की इसमें क्या भूमिका है? उन्होंने सवाल किया कि भारत सरकार ने युद्धग्रस्त इजराइल को भारतीय युवाओं की बलि लेने की स्वीकृति किस आधार पर दी है? उन्होंने कहा, "हमारे इन युवकों के जान-माल की रक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? भगवान न करे अगर किसी के साथ कोई दुर्घटना हो गई तो किसकी जिम्मेदारी होगी?" उन्होंने कहा, आज भारत का असली मुद्दा बेरोजगारी और महंगाई है। भाजपा सरकार के पास इसका कोई हल नहीं है। देश के युवा अब यह बात समझ रहे हैं।

सड़क हादसे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की मौत; बारात से लौटते समय ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर

मंदसौर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। मंदसौर सीतामऊ रोड पर नई आबादी थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, एक युवक घायल हो गया है। नईआबादी पुलिस ने बताया कि सीतामऊ रोड ग्राम चांगली फंटा के समीप बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार रामटेकरी निवासी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता राधा पिता भेरूलाल माली 30 वर्ष की मौत हो गई। बाइक चालक आयुष पिता मुकेश माली 20 वर्ष निवासी ग्राम करजू को गंभीर चोंट आई है। उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। वहीं राधा के शव का पीएम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मृतका राधा गरोठ से अपनी बहन के लड़के आयुष के साथ शादी समारोह में भाग लेकर लौट रही थी। तभी हादसे में वो काल के गाल में समा गईं। मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

'ममता बनर्जी को थप्पड़ मारो'

बंगाल भाजपा अध्यक्ष के बयान पर आगबबूला हुई टीएमसी

कोलकाता, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने उस समय विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने राज्य की शिक्षा नीति को लेकर मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। एक वायरल वीडियो में, मजूमदार को दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर में एक रैली में लोगों से सीएम बनर्जी को थप्पड़ मारने के लिए कहते हुए सुना गया है। बनर्जी पर हमला करते हुए मजूमदार ने कहा कि 'यह बच्चों की गलती नहीं है कि वे अपनी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं और लोगों को अपने बच्चों को मारने के बजाय बनर्जी को थप्पड़ मारना चाहिए।' मजूमदार ने कहा कि, जब आपके बच्चे स्कूल से वापस आ रहे हैं, तो वे कुछ भी जवाब नहीं दे सकते हैं। आप उन्हें थप्पड़ मार रहे हैं और उनसे सवाल कर रहे हैं कि आपने स्कूल में क्या पढ़ा है। अपने बच्चों को थप्पड़ मारने के बजाय, ममता बनर्जी को थप्पड़ मारें क्योंकि उन्होंने शिक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया है। टीएमसी ने मजूमदार की टिप्पणी पर उन पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह बनर्जी के खिलाफ शारीरिक हिंसा भड़का रहे हैं। पार्टी ने इसे स्त्रीद्वेषपूर्ण बयान मानते हुए माफी की मांग की। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने कहा कि पश्चिम बंगाल भाजपा प्रमुख की टिप्पणियां शर्मनाक थीं। मोइत्रा ने कहा कि, पश्चिम बंगाल भाजपा प्रमुख, जो एक सांसद भी हैं, ने सार्वजनिक रूप से एक भाषण दिया है जिसमें उन्होंने हमारे मुख्यमंत्री के खिलाफ शारीरिक हिंसा का आह्वान किया है। यह शर्मनाक है और दिखाता है कि भाजपा भ्रष्टाचार की कितनी गहराई तक गिर सकती है।

उन्होंने कहा, हम पश्चिम बंगाल भाजपा के स्त्री-द्वेषी, पितृसत्तात्मक प्रमुख से माफी की उम्मीद करते हैं और पार्टी सदस्यों को उनकी टिप्पणियों की निंदा करनी चाहिए। उनकी पार्टी के सहयोगी और राज्य मंत्री शशि पांजा ने आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं के प्रति घृणा और अनादर दिखा रही है। उन्होंने कहा कि, पश्चिम बंगाल में भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार जहर उगल रहे हैं। अपमानजनक शब्द, भड़काऊ भाषण और वह जनता को ममता बनर्जी को थप्पड़ मारने के लिए उकसा रहे हैं। यह एक ऐसी पार्टी है जो महिलाओं के प्रति नफरत रखती है और हर दिन महिलाओं के प्रति असम्मान दिखाती है।

मंगल की कामना के लिए मंगलनाथ पहुंचे पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, भात पूजन कर की महाआरती

उज्जैन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। श्री मंगलनाथ मंदिर के महंत राजेंद्र भारती और महंत अक्षय भारती ने बताया कि आज सुबह पूर्व कैबिनेट मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मंगलनाथ पहुंचकर भगवान का जलाभिषेक कर भात पूजन कर महाआरती की। उन्होंने बताया कि लगभग एक से डेढ़ घंटे तक चले इस विशेष पूजन में नरोत्तम मिश्रा भगवान की भक्ति मे लीन नजर आए। श्री मंगलनाथ से मांगे गए आशीर्वाद के बारे में बताया कि प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना करने के लिए मैंने यह पूजन किया है। नरोत्तम मिश्रा के मंगलनाथ मंदिर में पूजन अर्चन और दर्शन करने पहुंचने की जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में उनके समर्थक और भाजपा नेता मंदिर पहुंच गए थे। जिन्होंने पूजन अर्चन के बाद पूर्व गृहमंत्री का स्वागत किया।

कठुआ में पॉलिथीन बैग से विस्फोटक बरामद

कठुआ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के हीरानगर के शेरपुर इलाके में बई नाला के पास पुलिस ने एक संदिग्ध पॉलिथीन बैग बरामद किया है। इस बैग से विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। पुलिस ने बताया हीरानगर थाने के अंतर्गत इस इलाके में मंगलवार को रोजाना की तरह तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। तलाशी अभियान के दौरान शेरपुर की ओर जाने वाली सड़क पर बई नाला के पास एक संदिग्ध पॉलिथीन बैग मिला। पुलिस ने इसके बाद मौके पर बम निरोधक दस्ते को बुलाया। बैग की जांच में विस्फोटक सामग्री पाई गई। पुलिस आसपास के इलाके को घेर कर तलाशी अभियान चला रही है।

पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को बड़ी राहत

सीबीआई ने उगाही मामले में दाखिल की क्लोजर रिपोर्ट

मुंबई, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह को बड़ी राहत मिली है। दरअसल सीबीआई ने परमबीर सिंह के खिलाफ कथित जबरन उगाही मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर मामले को बंद करने की अपील की है। परमबीर सिंह पर थाणे के एक बिजनेसमैन से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये की जबरन उगाही करने के आरोप लगे थे। सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट में कहा गया है कि 'शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि के लिए सबूत नहीं हैं।

साथ घटना के पांच साल बाद शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायतकर्ता कथित उगाही के रुपयों की डिलीवरी के लिए हुई बैठकों की कोई सटीक तारीख, समय या स्थान नहीं बता सका। आरोपी के खिलाफ अभियोजन शुरू करने के लिए कोई पुख्ता सबूत भी नहीं हैं।' थाणे के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में यह क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की गई है।

परमबीर सिंह पर लगे थे ये आरोप

परमबीर सिंह और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर में कहा गया था कि नवंबर 2016 से लेकर मई 2018 के बीच दो करोड़ रुपये की उगाही की गई। क्लोजर रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले में जो संपत्ति बेची गई, उसके भी पूरे वैध दस्तावेज हैं। शिकायतकर्ता ने एफआईआर में बताया था कि संजय पुनमिया, सुनील जैन, मनोज घोटकर और परमबीर सिंह ने एक दूसरे को फायदा पहुंचाने के लिए दो करोड़ रुपये की उगाही की थी।

दिग्विजय सिंह बोले- बीजेपी का काम धर्म शास्त्रों के विरुद्ध, निर्माणाधीन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा गलत

रतलाम, 30 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में फायदा लेने के लिए भाजपा ने निर्माणाधीन मंदिर में ही प्राण प्रतिष्ठा कर दी। ये धर्म शास्त्रों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश में लोकसभा चुनाव में 10 से 15 सीटें जीत सकती है, अगर मशीन न हो तो, आप समझ सकते हैं। दरअसल दिग्विजय सिंह रतलाम के डेलनपुर में एक विवाह समारोह में शामिल होने आए थे। दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा पूरे देश के सरकार गिराने और सरकार बनाने का काम कर रही है। खेला केवल बिहार में ही नहीं पूरे देश में हो रहा है। आपने देखा होगा कि अजित पवार जी के खिलाफ तीन दिन पहले कह रहे थे कि सात हजार करोड़ घोटाले वाले को जेल भेजेंगे और महाराष्ट्र में तीन दिन बाद मुख्यमंत्री बना दिया गया। पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसी प्रकार आसाम के मुख्यमंत्री जिनके बारे में पूरी भारतीय जनता पार्टी ने सबसे भ्रस्ट मुख्यमंत्री उपाधि दी थी। वही आज भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री बने हुए हैं। अभी आपने वीडियो देखे होंगे। आज से दो साल पहले नीतीश जी कह रहे थे कि मैं अपने जीवन के आखिरी सांस तक कभी बीजेपी से समझौता नहीं करूंगा। वहीं अमित शाह जी कह रहे हैं कि बता दीजिए नीतीश कुमार और लल्लन जी को कि आपके लिए भाजपा के दरवाजे सदैव के लिए बंद कर दिए गए हैं। अवसरवादिता जो हे उसमें भारतीय जनता पार्टी माहिर है। नीतीश भारतीय जनता पार्टी के साथ चले गए ठीक है, लेकिन वे कब तक रहेंगे, ये न तो नीतीश कुमार को मालूम है न मोदी जी को और न ही अमित शाह जी को मालूम है। कांग्रेस नेता पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा भगवान राम को अपमानित कर रही है। धर्म का उपयोग राजनीति में करना भी अपराध है। सभी धर्म एक ही रास्ता बताते हैं वो रास्ता है इंसानियत का, भलमनसाहत का। हमारे धर्म के नारे भी वही है प्राणियों में सद्भावना हो। क्या भाजपा आरएसएस और विहिप जिस रास्ते पर जा रही है क्या यह सद्भावना का रास्ता है? राम मंदिर कभी इन का विषय नहीं रहा।

वंदे भारत एक्सप्रेस आज से चार दिन दोनों दिशाओं में निरस्त

भोपाल, 30 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल से दिल्ली की तरफ आने-जाने वाली गाड़ियां पिछले कुछ दिनों से देरी से आ जा रही है। अब भोपाल और दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस मंगलवार से चार-चार ट्रिप निरस्त कर दी गई है। रेलवे की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार उत्तर मध्य रेलवे, आगरा मंडल के मथुरा स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग के तहत नॉन-इंटरलॉकिंग का कार्य किया जा रहा है। जिसके चलते गाड़ी संख्या 20171/20172 रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन-रानी कमलापति वन्दे भारत एक्सप्रेस 30 जनवरी, 31 जनवरी एवं 1 फरवरी और 2 फरवरी 2024 को दोनों दिशाओं में प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी। रेलवे की तरफ से यात्रियों को अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके रेलवे स्टेशन पर पहुंचने की सलाह दी गई है।

गाजियाबाद में सनसनीखेज वारदात

पहले पत्नी को उतारा मौत के घाट, फिर खुद को मारी गोली; भेजा आ गया बाहर

गाजियाबाद, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कमला नेहरू नगर में एम्स के नशा मुक्ति केंद्र के बाउंड्री के बाहर आज सुबह एक महिला और पुरुष का शव मिला। दोनों के सिर में नजदीक से गोली मारी गई है। मृतक महिंद्रा एंक्लेव के रहने वाले विनोद और दीपा हैं। पुलिस का कहना है कि पति ने पहले पत्नी की हत्या की उसके बाद खुद के सिर में गोली मारकर खुदकुशी कर ली। आज सुबह करीब 7:15 बजे पुलिस को कमला नेहरू नगर में दो शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को 100 मीटर की दूरी पर दोनों के शव मिले। मृतक विनोद मुजफ्फरनगर के भुखारेडी गांव का रहने वाला था। विनोद की एस क्रॉस कार भी मौके पर मिली। कार के शीशे पर सामने और चालक के बगल वाली सीट के शीशे पर भी गोली मारी गई है। कार के एक तरफ दीपा का शव मिला जबकि दूसरी तरफ विनोद का शव 100 मीटर की दूरी पर मिला। मौके पर महिला का शव कार के नजदीक मिला है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि विनोद ने पहले दीपा के सिर में गोली मारकर उसकी हत्या की, फिर खुद के सिर में गोली मार ली। गोली लगने से विनोद का भेजा बाहर निकल आया। पुलिस का अनुमान है कि मौके पर चार फायर किए गए हैं एक गोली तमंचे में फंसी हुई मिली।

इंडी अलायंस को बचाने की ज़िम्मेदारी सिर्फ़ कांग्रेस की नहीं

लोकसभा सीटों के बंटवारे पर बोले संजय निरुपम

मुंबई, 30 जनवरी (एजेंसियां)। नीतीश के इंडी अलायंस के अलग होने के बाद आज सीट बंटवारे को लेकर महाविकास अघाडी यानी एमवीए की बैठक हो रही है। इसे लेकर तीनों पार्टियां बैठक में मौजूद हैं। इसी दरमियान कांग्रेस नेता ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है, इंडी अलायंस को बचाने की ज़िम्मेदारी सिर्फ़ कांग्रेस की नहीं है। जानकारी दे दें कि इस बैठक में तीनों पार्टी यानी शिवसेना यूबीटी, एनसीवी (शरद पवार),कांग्रेस के बड़े नेता शामिल हुए हैं, इसके अलावा सीपीआई के साथ भी सीट शेयरिंग की चर्चा पूरी हो गई है। जानकारी के मुताबिक, इतना ही नहीं आज की बैठक में प्रकाश अंबेडकर को भी न्योता दिया गया है, उनके साथ भी चर्चा आज होगी। महाराष्ट्र में 4-5 सीटों के बटवारे को लेकर खींचतान है। महाराष्ट्र में कुल 48 लोकसभा सीटें हैं। इसी बीच कांग्रेस नेता सजंय निरुपम ने एक्स पर ट्वीट कर कहा है, लोकसभा सीटों का बंटवारा करने के लिए आज फिर एमवीए की बैठक हो रही है। प्रक्रिया यही है। बुनियादी चर्चा मुंबई में ही होनी थी। जो बिहार और बंगाल में हुआ,उससे निश्चित तौर पर हमें सीखना चाहिए और एक-दूसरे का मान-सम्मान करते हुए सीटों के बारे में फ़ैसला करना चाहिए। निरुपम ने आगे लिखा, ऐसा फ़ैसला जो सबको मान्य हो और हाँ, महज़ सीटें तय करें, दूसरी पार्टियों के उम्मीदवार नहीं। इससे गठबंधन में असंतोष की दरारें पैदा होने लगेंगी। इंडिया को बचाने की ज़िम्मेदारी सिर्फ़ कांग्रेस की नहीं,सबकी है।

भूकंप से कांपी लेह-लद्दाख की धरती रिक्टर स्केल पर 3.4 मापी गई तीव्रता

लद्दाख, 30 जनवरी (एजेंसियां)। लद्दाख में मंगलवार को सुबह साढ़े पांच बजे के करीब भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह के समय आए भूकंप ने लोगों की नींद उड़ा दी। लोग डरकर घरों से बाहर निकल गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि लद्दाख के लेह में 3.4 की तीव्रता के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने जानकारी देते हुए बताया कि लद्दाख के लेह में मंगलवार सुबह रिक्टर पैमाने पर 3 ।4 तीव्रता का भूकंप दर्ज हुआ। भूकंप के झटके सुबह पांच बजकर 39 मिनट पर आया। जिसकी गहराई पांच किलोमीटर दर्ज हुई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 31 जनवरी, 2024

सुविचार: जीवन में चाहे कितने भी विपरीत हालात क्यों न आयें याद रखिये कि उसमें भी कुछ न कुछ पॉजिटिव जरूर होता है। इसलिए कभी भी हिम्मत ना हारे!

गांवों में पेयजल आपूर्ति के प्रबंधन के लिए ग्राम पंचायतों को अधिकार दिए गए : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य में आगामी गर्मियों में पीने के पानी की कमी को दूर करने के लिए कार्य योजना तैयार करने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को पेयजल जरूरतों के लिए कृष्णा और गोदावरी नदी के अलावा नवनिर्मित जलाशयों के पानी का उपयोग करने और इस दिशा में योजना तैयार करने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को यहां सचिवालय में पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक की और विभाग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर बोलते हुए, रेवंत रेड्डी कहा कि जलाशयों से आसपास के गांवों को कम लागत पर पेयजल आपूर्ति करना आसान होगा। नवनिर्मित मल्लानसागर, कोंडापोचम्मा सागर और रंगनायक सागर जलाशयों का उपयोग पीने के पानी की जरूरतों के लिए किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव के सरपंचों को गांवों में पेयजल आपूर्ति के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर घर को नियमित रूप से पीने का पानी मिले। अधिकारियों को सरपंचों को अधिकार देने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देने का भी निर्देश दिया गया। मिशन भगीरथ विंग को गांवों में सुरक्षित पेयजल आपूर्ति की जिम्मेदारी लेने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा, गांवों में पेयजल आपूर्ति, नल और पाइपलाइनों का रखरखाव अलग से सरपंचों को सौंपा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन भगीरथ योजना के तहत किये गये गांव-गांव के कार्यों और घर-घर नल जल आपूर्ति पर किसी का ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के हर घर में सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के दावे से राज्य को व्यावहारिक रूप से मदद नहीं मिली। इसके कारण राज्य को केंद्र सरकार से जल जीवन मिशन के तहत धनराशि नहीं मिल सकी। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि वे तथ्यों को छिपाकर राज्य को समृद्ध बताना बंद करें। राज्य के कई हिस्सों, टांडास, गुडेम्स और एजेंसी क्षेत्रों में अभी भी लोगों को पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने याद दिलाया कि खानापुर गांव के लोगों ने चुनाव के दौरान पीने के पानी की कमी का मामला उनके संज्ञान में लाया था। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को व्यापक सर्वेक्षण करने और उन गांवों और बस्तियों का पता लगाने का आदेश दिया जो पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। चूंकि इस महीने के अंत में सरपंचों का कार्यकाल पूरा हो जाएगा, इसलिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से गांवों में पेयजल आपूर्ति की जिम्मेदारी लेने को कहा। संबंधित इंजीनियरों को सलाह दी जाती है कि वे सभी गांवों का दौरा करें और उचित पेयजल आपूर्ति सुविधा के बिना बस्तियों की सूची तैयार करें। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत धनराशि मांगने के लिए नए प्रस्ताव बनाकर केंद्र को भेजे जाएंगे।

रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को गर्मियों में पेयजल संकट से निपटने के लिए सभी उपाय करने का निर्देश दिया और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को विशेष रूप से पीने के पानी की जरूरतों के लिए 10 करोड़ रुपये के विशेष विकास कोष में से एक करोड़ रुपये खर्च करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य की सभी परियोजनाओं एवं जलाशयों में उपलब्ध जल का उपयोग प्राथमिकता से पेयजल आवश्यकताओं हेतु किया जाये। उन्होंने कहा कि सरकार स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता देकर मजबूत करने पर भी विशेष ध्यान देगी। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि महिला समूहों को सरकारी स्कूलों, गुरुकुल, छात्रावासों और पुलिस के विद्यार्थियों की वर्दी सिलने का काम दिया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर महिला समूहों को आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया जायेगा और उसके लिये आवश्यक व्यवस्था भी की जायेगी। अधिकारियों को गांवों में सड़क नेटवर्क विकसित करने और सभी बस्तियों को जोड़ने का भी निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने सीएम को बताया कि 422 ग्राम पंचायतों और 3177 बस्तियों में अभी भी सड़क संपर्क नहीं है। उन्होंने गांवों में ब्लैक टैप सड़कें बनाने का आदेश दिया और यदि आवश्यक हुआ तो सड़क विकास कार्यों के लिए रोजगार गारंटी योजना की धनराशि को जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से नए बजट परिव्यय में धन की आवश्यकता के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा। राज्य के पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्री सीथक्का, सड़क और भवन मंत्री कोमट रेड्डी वेंकट रेड्डी उपस्थित थे।

रडार केंद्र की स्थापना से लोगों को कोई नुकसान नहीं : वन मंत्री

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि वर्ष 2017 में बीआरएस सरकार के दौरान रडार केंद्र को जीआईओ नंबर 44 के माध्यम से अंतिम अनुमति दी गई है। मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस सरकार ने अंतिम अनुमति तभी दी जब यह पूरी तरह से निष्कर्ष निकाला गया कि रडार केंद्र की स्थापना से पर्यावरण और लोगों को कोई नुकसान नहीं होगा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारतीय नौसेना ने 2010 में रडार केंद्र के लिए संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार के साथ परामर्श शुरू किया था और यह प्रक्रिया 14 वर्षों से चल रही है। मंत्री ने कहा कि अगस्त 2014 में, बीआरएस सरकार के दौरान, भूमि हस्तांतरण के संबंध में नौसेना को एक मांग पत्र भेजा गया था, और फरवरी 2017 में, नौसेना को एक और पत्र लिखा गया था जिसमें बढ़ी हुई मजदूरी के अनुरूप वेतन में वृद्धि का संकेत दिया गया था। मंत्री ने मीडिया को बताया कि कीमतों में बढ़ोतरी और स्थान परिवर्तन हुआ है। कई परामर्शों के बाद, मंत्रा ने स्पष्ट किया कि बीआरएस सरकार ने 19 दिसंबर, 2017 को जीआईओ नंबर 44 के माध्यम से वन भूमि नौसेना को हस्तांतरित कर दी है। उन्होंने कहा कि रडार सेंटर का कांग्रेस सरकार से कोई लेना-देना नहीं है और यह देश के हितों से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस परियोजना से लोगों को कोई नुकसान नहीं होगा और जांच के बाद अंतिम जीवनी जारी कर दी गई है। उन्होंने एक बार फिर स्पष्ट किया कि रडार सेंटर की स्थापना से जानवरों और लोगों की जान को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि इन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है कि विकिरण से कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि राडार परियोजना से प्रकृति को कोई नुकसान नहीं होगा और गाँवों को खाली करने की कोई आवश्यकता नहीं है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस परियोजना की स्थापना में कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि उच्च न्यायालय ने इस परियोजना पर दर्ज याचिका पर लगी रोक हटा दी है।

आईपीएस ब्रजेश कुमार मिश्र का 3 फरवरी को व्याख्यान

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय पुलिस सेवा में कार्यरत वर्तमान में सुलतानपुर पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय के पुलिस अधीक्षक आईपीएस ब्रजेश कुमार मिश्र सेंट्रल रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर ड्राई लैंड एग्रीकल्चर हैदराबाद के कृषि वैज्ञानिकों, रिसर्च स्कॉलर्स तथा प्रोफ़ेसरों को मोटिवेशनल स्पीच देंगे। संस्थान के निदेशक के आमंत्रण पर वह आगामी 3 फरवरी को प्रातः 11.00 बजे "सुखी और खुशहाल जीवन कैसे जियें" विषय पर हैदराबाद में अपना व्याख्यान देंगे। सेंट्रल रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर ड्राईलैंड एग्रीकल्चर भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अधीन 1985 में स्थापित एक स्वायत्तशासी संस्था है जो कृषि के क्षेत्र में अनुसन्धान का कार्य करती है। आईपीएस ब्रजेश कुमार मिश्रा वर्तमान में सरदार वल्लभ भाई पटेल नेशनल पुलिस अकादमी में आईपीएस इंडक्शन कोर्स के लिए हैदराबाद में ही हैं।

बीआरएस नेताओं ने डीजीपी रवि गुप्ता से मुलाकात की

उनसे कांग्रेस पार्टी के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्षी बीआरएस पार्टी के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज पुलिस महानिदेशक रवि गुप्ता से मुलाकात की और राज्य भर में कांग्रेस नेताओं द्वारा बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमलों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। बीआरएस नेताओं ने हुजूरनगर, मानकोंदूर, भूपालपल्ली और कोल्लापुर विधानसभा क्षेत्रों में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हुए हमलों और हत्याओं को डीजीपी के संज्ञान में लाया। बीआरएस नेताओं ने सोमवार को राज्य मंत्री कोमट रेड्डी वेंकट रेड्डी की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा भुवनगिरी जिला परिषद अध्यक्ष संदीप रेड्डी पर कथित पुलिस हमले के बारे में डीजीपी को समझाया। नेताओं ने डीजीपी से अपील की कि पुलिस को पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने और बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ अवैध मामले दर्ज करने से तुरंत रोका जाए। बीआरएस पार्टी के नेताओं ने डीजीपी से कांग्रेस पार्टी के नेताओं का समर्थन करने के बजाय पुलिस को निष्पक्ष रूप से कार्य करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी करने का आग्रह किया। डीजीपी से मिलने वालों में सांसद बदुगुला लिंगैया यादव, एमएलसी एल रमना, पूर्व विधायक सईदी रेड्डी, भास्कर राव, कोरुकांति चंदर, भुवनागिरी जिला परिषद अध्यक्ष संदीप रेड्डी, सूर्यापेट जिला परिषद अध्यक्ष दीपिका, बीआरएसवी अध्यक्ष गेलु श्रीनिवास यादव, निगमों के पूर्व अध्यक्ष रावुला श्रीधर शामिल थे। रेड्डी, राकेश कुमार शामिल थे।

कुख्यात फिरौती अपहरण गिरोह पकडा गया

4 कारें, 16 सेल फोन और 35 हजार रुपये जब्त

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रायदुर्गम पुलिस ने एक कुख्यात फिरौती अपहरण गिरोह को पकडा है, जो कंपनी के पूर्व प्रबंधक के साथ साजिश रचता था और कंपनी के निदेशकों से बडी रकम की मांग करता था। गिरफ्तार गिरोह खूद को सीआईडी बताता था। इसमें हैदराबाद, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लोग शामिल है। पुलिस ने 4 चार पहिया वाहन जिसमें स्कोडा, टाटा नेक्सन, ऑडी क्यू 5 और ह्युंडई वर्ना शामिल है, साथही पुलिस ने 16 सेल फोन, 35 हजार रूपये की नकद जब्त की।

आरोपियों में वकिल महेंद्र कुमार (38 वर्ष, प्रोद्दुतुर, जिला कडप्पा), शेख मोहम्मद अब्दुल कादिर (33वर्ष, कडप्पा जिला, आंध्र प्रदेश) जो साइबर विशेषज्ञ है। विजय शेखर (32 वर्ष, मेरठ, उत्तर प्रदेश), अक्केरा रंजीत कुमार (47वर्ष, शैकपेट, हैदराबाद), बालिगा राहुल(33 वर्ष, माधापुर, हैदराबाद), दादिबोइना सुब्बा कृष्णा (40वर्ष, माधापुर, हैदराबाद), छद्म पुलिस निरीक्षक, सीबी सीआईडी पोन्नोलू संदीप कुमार(31 वर्ष, कुरनूल), छद्म पुलिस कांस्टेबल भूपतिराजू रघु राजू(33वर्ष, माधापुर), फरार छद्म पुलिस कांस्टेबल राजा और कुरनूल डीआइजी कार्यालय में पुलिस उपनिरिक्षक (2012 बॅच) सुजान जो फिलहाल फरार है। ये सब सामिल है।

पुलिस ने 27 जनवरी को कहा, शिकायतकर्ता दर्शन सुगुणाकर शेट्टी जो एजेए एडीएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक है। जो कंपनी में काम करने वाले 40 से अधिक कर्मचारियों के लिए यूएस आईटी भर्ती और आईटी सहायता संचालित करता है। आरोपि महेंद्र ने एक पूर्व कर्मचारी रंजीत के साथ साजिश रची और कंपनी के निदेशकों को फिरौती मांगेने की योजना बनाई।

महेंद्र ने अपने एक परिचित पुलिस अधिकारी सुजान से इस मुद्दे पर चर्चा की। सुजान ने साइबर विशेषज्ञ कादिर से उसका परिचय कराया और उसने फर्जी पुलिस आईडी कार्ड बनाया। कादीर को 15 लाख रुपए की फीस देने के बारे में भी एसआई सुजान ने महेंद्र से बात की। बाद में महेंद्र ने एक गिरोह के साथ कंपनी के दफ्तर पर छापा मारने की योजना बनाई।

गिरोहने 26 जनवरी 2024 को रात 1.30 बजे अपनी योजना को अंजाम दिया। वे खुद को सीबीसीआईडी की पुलिस बताकर शिकायतकर्मा के कार्यालय में घुस गए और कर्मवारियों को काम बंद करने के लिए कहा। उनकी तस्वीरें और वीडियो लेना शुरू कर दिया और सर्वर रूम में जाकर सिस्टम की बिजली आपूर्ति बंद कर दी। साथही सीसीटीवी के डीवीआर को हटा दिया। शिकायतकर्ता ने उनकी पहचान पूछी तो कादिर ने फोन में अपना आईडी कार्ड दिखाया, जिस पर अधिकारी का नाम शेख मोहम्द अब्दुल कादिर, सहायक जांच अधिकारी, सीआईडी साइबर अपराध, आंध्र प्रदेश सरकार दिखाया गया। आरोपियों में से दो लोग निदेशक को अपने केबिन में ले गए और उससे पूछा पुलिस के साथ सहयोग करें और कहा कि गृह मंत्रालय ने ऐसा किया है और दावा किया कि उन्हें फर्म में अनियमितताओं के खिलाफ अमेरिकी अधिकारियों से शिकायत मिली है। जब निदेशक कुछ समज पाते उससे पहले ही महेंद्र उन्हे एक तरफ ले गया और इस मुद्दे को वहीं निपटाने के प्रस्ताव के साथ जाने के लिए कहा। आरोपियों ने 10 करोड रुपये की मांग की। मोल-भाव करने पर आखिरकार वे अंतिम निपटान के रुप में 2.3 करोड रुपये पर आ गए। अपने कर्मचारियों के जीवन और कंपनी की प्रतिष्ठा की खातिर वे 2.3 करोड रुपये का भुगतान करने पर सहमत हुए। लेकिन सीमित समय के साथ विकल्प, शिकायतकर्ता ने 71.80 लाख रुपये की व्यवस्था की। खातों में रकम जमा होने के बाद आरोपियों ने सबको छोड दिया लेकिन दर्शन, हरिप्रसाद और चेतन इन तीन कर्मचारियों को जबरदस्ती साथ लेकर सुबह 6.30 को होटल बालकनी, माधापुर में ले गए और एक कमरे बंद कर दिया और शेष राशि नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके अलावा, आरोपियों ने बंधकों से बैंक क्रेडेंशियल्स वाले सभी एटीएम ले लिए और एटीएम के माध्यम से 2.5 लाख रुपये और 10 लाख रुपये ऑनलाइन बैंक हस्तांतरण के माध्यम से अपने कई खातों में ले लिए।

जब निदेशकों ने शेष रकम के लिए कोई जवाब नहीं दिया, तो आरोपियों को संदेह हुआ और वे उसी श्याम यानी 26 जनवरी को बंधको को होटल के कमरे छोडकर मौके से भाग गए। 28 जनवरी की सुबह 6 बजे विश्वसनीय सूचना पर रायदुर्गम पुलिस ने आरोपीयों को पकड लिया।

बीसी नेताओं ने तेलंगाना में जाति जनगणना पर सरकार के फैसले की सराहना की

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सदस्य और बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर कृष्णया ने तेलंगाना राज्य में जाति जनगणना कराने के राज्य सरकार के फैसले का स्वागत किया है। आर कृष्णया ने बीसी नेताओं के साथ मंगलवार को यहां सचिवालय में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें तेलंगाना में जाति जनगणना का निर्णय लेने के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री के साथ बीसी नेताओं की बातचीत के दौरान सड़क और भवन मंत्री कोमाटि रेड्डी वेंकट रेड्डी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर, आर कृष्णैया ने मुख्यमंत्री की घोषणा पर खुशी व्यक्त की कि चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र और बीसी घोषणा में दिए गए वादे के अनुसार जाति गणना की जाएगी। राज्यसभा सदस्य आर कृष्णया को भी इस बात से खुशी हुई कि राज्य सरकार आगामी बजट सत्र में ही जाति जनगणना विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना के कारण बीसी जातियों और उपजातियों को सरकारी योजनाओं में उचित न्याय मिलेगा।

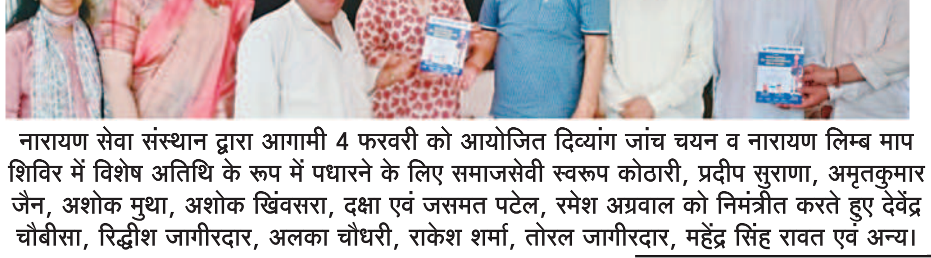

नारायण सेवा संस्थान द्वारा आगामी 4 फरवरी को आयोजित दिव्यांग जांच चयन व नारायण लिम्ब माप शिविर में विशेष अतिथि के रूप में पधारने के लिए समाजसेवी स्वरूप कोठारी, प्रदीप सुराणा, अमृतकुमार जैन, अशोक मुथा, अशोक खिंवसरा, दक्षा एवं जसमत पटेल, रमेश अग्रवाल को निमंत्रीत करते हुए देवेंद्र चौबीसा, रिद्धीश जागीरदार, अलका चौधरी, राकेश शर्मा, तोरल जागीरदार, महेंद्र सिंह रावत एवं अन्य।

एफटीसीसीआई की समिति 'उद्योग के लिए स्थिरता ढांचे' पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता) एएससीआई के पूर्व सलाहकार और आंध्र प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त मुख्य पर्यावरण इंजीनियरिंग ने कहा, मैं अपने करियर की शुरुआत में स्थिरता को एक मूल शब्द के रूप में सोचता था। लेकिन यह अब चर्चा का विषय नहीं है, बल्कि यह समय की मांग है। सस्टेनेबल वह शब्द है जो भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है। यह एक प्रचलित शब्द से कहीं अधिक है - यह एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है जिसे संगठन अब नजरअंदाज नहीं कर सकते। स्थिरता का सार वैधानिक अनुपालन के मामले के रूप में केवल बात करने और रिपोर्ट करने से परे है। यह भावी पीढ़ियों के लिए भविष्य सुरक्षित कर रहाहै। स्थिरता के तीन स्तंभों--लोग, लाभ और ग्रह, वैकल्पिक रूप से 3ई--आर्थिक, पर्यावरण और समानता (सामाजिक) के बारे में बात की। उन्होंने कहा, स्थिरता लाभ और उद्देश्य के बीच संतुलन है। जी बाला सुब्रमण्यम ने कहा, उन्होंने अपने प्रतिभागियों से स्थिरता को एक अवसर और चुनौती दोनों के रूप में देखने के लिए कहा। उन्होंने सीआईपीएलए, अरबिंदो फार्मा, डॉ. रेड्डीज, पीरामल और जीएसके की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार टिकाऊ प्रथाओं के सफल उदाहरण दिए। उनकी प्रस्तुति के अंत में, एक प्रश्न-उत्तर सत्र था, जहां एक प्रतिभागी ने पूछा कि उद्योग के लिए स्थिरता ढांचा ठीक है, लेकिन, सरकार, राजनीतिक दलों और चुनावों के बारे में क्या? अब जब आम चुनाव नजदीक हैं, तो हम हरित चुनाव, फ्लेक्स-मुक्त चुनाव और प्रदूषण-रहित आवागमन को बढ़ावा क्यों नहीं देते? राजनीतिक दल अपने घोषणापत्रों में पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर विस्तार से बात क्यों नहीं करते? बाला सुब्रमण्यम ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह मुद्दा उठाने और लोगों, पार्टियों और चुनाव आयोग को जागरूक करने का सही समय है।

CLASSIFIEDS

वालंटियर चाहिए

क्लिनिकल बायो-समतुल्यता अध्ययन में भाग लेने के लिए हमें 18 से 45 वर्ष तक स्वस्थ साक्षर पुरुष/महिला वालंटियर चाहिए। निःशुल्क चिकित्सा जाँच की जायेगी और एथिक्स कमेटी के द्वारा आपके समय, प्रयास के लिए मुआवजा को मंजूरी दे है। यक एक स्वैच्छिक सेवा है, नौकरी है।

संपर्क सहायता केंद्र : ऐक्सिस क्लिनिकलस लिमिटेड 1-121/1, सर्वे. नंबर 66 (भाग) और 67 (भाग) मियापुर, सेरीलिंगमपल्ली, हैदराबाद-500049. तेलंगाना, भारत

फोन : 9642990036, 9290639110, 040-40408194

CHANGE OF NAME

I, SMT. LAKSHMI MANGA TAYARU, W/o:NB SUB MEDISETTI SURYANARAYANA, R/o: 4-34/55, CPNR BRUNDAVAN COLONY, MALLAPUR (RCI ROAD), BALAPUR, RANGA REDDY - 500005 – have changed my name from SMT.LAKSHMI MANGA TAYARU to Medisetti Lakshmimangatayaru vide affidavit dt.18-10-23.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी सूचना

नीलामी सूची सं. WAT-MaChr-005

विवरण : 03 (तीन) वर्षों की समयावधि हेतु विजयनगरम रेलवे स्टेशन पर मसाज कुर्सियों की स्थापना, संचालन और रखरखाव।

ट्रिप्स/दिन : 1095

लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : 09.02.2024 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तिथि : 09.02.2024 को 1130 बजे, न्युनतम वृद्धि : 0.2%

उपरोक्त ई-नीलामी सूचना का संपूर्ण विवरण वेबसाइट : https://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-1033/O/23-24

पूर्व तट रेलवे

नीलामी सूचना

नीलामी सूची सं. WAT-ADVT-OSN-26

विवरण : विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के गेट नंबर 1 का कॉनकोर्स क्षेत्र में, गेट नबंर 3 फुट ओवर ब्रिज (FOB) के प्लेटफार्म-8 की ओर, प्लेटफार्म-8 के प्रवेश द्वार एवं प्लेटफार्म नंबर-1 से प्लेटफार्म नंबर-8 तक प्लेटफार्म पिलर में विज्ञापन होर्डिंग्स / ग्लो साइन (गैर-डिजिटल) कार्य। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित कुल क्षेत्रफल -2570 वर्गफुट।

ट्रिप्स/दिन : 1826

लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : 09.02.2024 को 1200 बजे, लॉट बंद होने की तिथि : 09.02.2024 को 1230 बजे, न्युनतम वृद्धि : 0.2%

उपरोक्त ई-नीलामी सूचना का संपूर्ण विवरण वेबसाइट : https://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-1035/O/23-24

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-SrDME-WAT-268-2024

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के कोरापुट में स्थित 120 टन ब्रेकडाउन क्रेन नंबर 10227 की नियतकालिक पर ओवर हॉलिंग (POH) / पुनर्वास / मरम्मत।

कार्य की अनुमानित लागत (₹) : 28,85,100/- GST @ 18% के साथ, EMD (₹) : 57,700/-, निविदा दस्तावेज की लागत (₹) : 3,540/-, पुरा होने की अवधि : 06 (छः) महीने।

निविदा बंद होने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक - 23.02.2024 को 1500 बजे.

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

सीनियर डिवीजनल मैकेनिकल इंजीनियर, वाल्टियर

PR-1036/N/23-24

मौसम विभाग का अलर्ट, यूपी में बारिश से होगी फरवरी की शुरुआत, ठंड से राहत के आसार

लखनऊ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लोगों को अब ठंड और शीतलहर से राहत मिल सकती है। प्रदेश में आज से मौसम का रुख बदल रहा है। ज्यादातर इलाकों में खिली धूप निकली, जिससे लोगों को काफी राहत मिला। प्रदेश में मंगलवार 30 जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो रहा है। इसके चलते फरवरी महीने की शुरुआत बारिश के साथ होने की संभावना जताई गई है। हालांकि अगले तीन से चार दिनों के बीच न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है।

पश्चिम यूपी में बारिश के आसार

प्रदेश में आज से एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ भी एक्टिव हो रहा है जिसका असर बुधवार से प्रदेश में दिखाई देगा। मौसम विभाग के मुताबिक 31 जनवरी से 3 फरवरी तक पश्चिमी यूपी के कई हिस्सों में बारिश के आसार बन रहे हैं। वहीं कुछ जगहों पर आकाशीय चमक के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है।

प्रदेश में दिखेगा पश्चिमी विक्षोभ की असर

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बढ़ने की वजह से प्रदेश में अब हवाओं का रुख भी बदल गया है। राज्य में इन दिनों पुरवा हवा चल रही है, जिससे कोहरा भी छंट रहा है और आसमान साफ होने की वजह से धूप निकल रही है। इसके कारण कड़ाके की सर्दी से लोगों को राहत भी मिली है।

इन जिलों में आज भी कोहरा

प्रदेश के मुरादाबाद, रामपुर, बरेली जालौन, हमीरपुर, झांसी, महोबा, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच जिले में आज घना कोहरा रहने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बागपत, गाजियाबाद, मेरठ,बिजनौर,बदायूं,शाहजहांपुर,हरदोई,भीमनगर, सीतापुर, श्रावस्ती, गोंडा,बाराबंकी,बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर, महाराजगंज, ललितपुर में आज सुबह और शाम हल्का कोहरा रह सकता है।

बकरा चुरा कर भाग रहे चोर, सिपाही ने रोकने का किया प्रयास तो गाड़ी से कुचल कर मार डाला

कौशांबी, 30 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में बकरा चोरी कर के भाग रहे चोरों को सिपाही ने रोकने का प्रयास किया तो चोरों ने सिपाही के उपर ही गाड़ी चढ़ा दिया, और उसे कुचलते हुए आगे निकल गए। घटना में सिपाही की दर्दनाक मौत हो गई। सनसनीखेज घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस छानबीन में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार बलिया जिले के बेल्थरा रोड निवासी 27 वर्षीय अवनीश दूबे कौशांबी संराय अकिल के तिल्हापुर चौकी में बतौर सिपाही तैनात थे। रविवार की रात आरक्षी अभिषेक गुप्ता के साथ मोबाइल ड्यूटी में थे। रविवार की रात में बजहा गांव के अनुराग सिंह के बकरा चोरी होने की सूचना मिली। कुछ ही देर बाद एक बोलेरो आती हुई दिखाई दी।

जिसपर अवनीश ने उस बोलेरो को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उसकी रफ्तार काफी तेज थी, और उसने रूकने के बजाय अवनीश को कुचलते हुए आगे निकल गई। जिसके बाद अवनीश को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सनसनीखेज घटना से पूरे कौशांबी का पुलिस महकमा हिल गया। सूचना मिलते ही कौशांबी के एसपी ब्रिजेश श्रीवास्तव अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। मामला दर्ज किया गया है।

मोस्ट वांटेड बदन सिंह बद्दो के घर बड़ी कार्रवाई; संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा हत्याकांड की साजिश में है शामिल

मेरठ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा हत्याकांड की साजिश रचने वाले पांच लाख के इनामी बदन सिंह बद्दो के खंडहर घर को एक बार फिर कुर्क किया गया। लखनऊ की वजीरगंज पुलिस ने खंडहर कोठी पर कोर्ट का नोटिस चस्पा कर दिया। उसकी वीडियो बनाकर कुर्की की कार्रवाई पूरी की। पुलिस ने बताया कि बद्दो की संपत्ति पहले ही कुर्क हो चुकी है, इसलिए संपत्ति पर कुर्की का नोटिस चस्पा कर दिया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसी अभी तक बद्दो को पकड़ नहीं पाई हैं। लखनऊ की कचहरी में संजीव माहेश्वरी की हत्या में बद्दो का नाम सामने आया था। आरोप पत्र में बताया कि जीवा को मारने के लिए शूटर विजय यादव को 50 लाख रुपये की सुपारी दी गई थी। नेपाल में असलम के जरिए विजय की बद्दो से मुलाकात हुई थी। उसी मुकदमे में बद्दो की गिरफ्तारी नहीं होने पर लखनऊ अदालत ने कुर्की के आदेश किए थे। सोमवार को वजीरगंज पुलिस की टीम टीपीनगर थाने पहुंची। वहां से पुलिस बल को साथ लेकर पंजाबीपुरा में बद्दो की खंडहर कोठी पर पहुंचे। अभी तक कोठी का मलबा नहीं उठाया गया है। इसी मलबे पर वजीरगंज पुलिस ने भी नोटिस चस्पा कर दिया। लखनऊ पुलिस ने टीपीनगर थाने में कार्रवाई का तस्करा भी डाला।

शादी के बाद हिंदू-मुस्लिम कपल ने मांगी सुरक्षा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

प्रयागराज, 30 जनवरी (एजेंसियां)। हिंदू-मुस्लिम कपल की शादी से जुड़े एक मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। उच्च न्यायालय ने जान की सुरक्षा की मांग करने वाली हिंदू-मुस्लिम कपल की याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कपल की शादी उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। जस्टिस सरल श्रीवास्तव ने कहा कि ये अंतरधार्मिक विवाह के मामले हैं, लेकिन ये शादी खुद में कानून के मुताबिक नहीं हैं क्योंकि इसमें धर्म परिवर्तन रोधी कानून का पालन नहीं किया गया। कोर्ट में इस मामले से संबंधित दायर अलग-अलग याचिकाओं में अपनी सुरक्षा और वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप नहीं करने की मांग की गई थी।

ये शादियां कानून के मुताबिक नहीं- एचसी

इन आठ याचिकाओं में पांच मुस्लिम युवकों ने हिंदू महिलाओं से शादी की थी जबकि तीन हिंदू युवकों ने मुस्लिम महिलाओं के साथ विवाह किया था। इन याचिकाओं के जरिए याचिकर्ताओं ने धर्म परिवर्तन रोधी कानून को चुनौती दिया था। मगर कोर्ट ने सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ये शादियां कानून के मुताबिक नहीं हैं क्योंकि इसमें धर्म परिवर्तन रोधी कानून का पालन नहीं किया गया।

क्या है धर्म परिवर्तन रोधी कानून?

ज्यादातर मामले उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से हैं बाकी अन्य जिलों से हैं। बता दें कि धर्म परिवर्तन रोधी कानून साल 2021 में पारित किया गया था। यह कानून बहला-फुसला कर, बलपूर्वक, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, दबाव और प्रलोभन के जरिए एक धर्म से दूसरे धर्म में गैर कानूनी परिवर्तन को रोकता है।

स्कूल वैन, कैंटर और रोडवेज बस की भिड़ंत से दो छात्रों समेत तीन की मौत, छह बच्चे घायल

बदायूं, 30 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। उझानी कोतवाली क्षेत्र में बरेली-मथुरा हाईवे पर मंगलवार को बच्चों को स्कूल ले जा रही वैन सामने से आ रहे कैंटर से टकरा गई। इसी दौरान रोडवेज बस भी पीछे से टकरा गई। हादसे में स्कूल वैन चालक उमेश और उसका डेढ़ साल का बेटा दुष्यंत, स्कूल के छह वर्षीय छात्र आलेख की मौत हो गई। छह बच्चे घायल हुए हैं। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही डीएम, एसएसपी ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घटना की जानकारी ली। घायल बच्चों का हाल जाना है। उझानी थाना क्षेत्र के कैप्टन गजराम सिंह इंटर कॉलेज उमेश स्कूल वैन चलाता था। मंगलवार की सुबह वह बच्चों को ईको वैन से स्कूल लेकर आ रहा था, उसी समय करीब नौ बजे करुआ पुल से पहले वैन की कैंटर व रोडवेज बस की टक्कर हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल बच्ची स्वाती को सैफई मेडिकल कॉलेज रैफर कराया है।

नीतीश कुमार के सीएम बनने पर

बोलीं केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति

'बीजेपी के ज्यादा विधायक होने पर भी हमने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया है'

फतेहपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में जारी सियासी घमासान नीतीश कुमार के दोबारा मुख्यमंत्री बनने साथ तो थम गया है। लेकिन नीतीश कुमार के बीजेपी में शामिल होने पर जुबानी तकरार अब भी जारी है। फतेहपुर से बीजेपी सांसद और केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने अपने बयान कहा कि बिहार में सबसे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी के विधायक फिर भी हमने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया है। लालू की बेटी के सवाल में तंज कस्ते हुए कहा की फिर से बिहार में लालू का राज स्थापित हो रहा था इस लिए नीतीश ने भाजपा का हाथ थामा है।

आरजेडी पर साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने सर्किट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान बिहार में भाजपा गठबंधन से नीतिश कुमार को फिर से मुख्यमंत्री बनने पर लालू प्रसाद यादव की बेटी द्वारा ट्वीट के माध्यम से लिखकर कहा कि कूड़ा कूड़ेदान में फिर से चला गया है। इस सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार में फिर से लालू का राज्य स्थापित हो रहा था। यह बात भी सही है कि जब बिहार में लालू मुख्यमंत्री थे तो हत्या,अपहरण और लूट मची रही, दिन में डॉक्टर का अपहरण कर लिया जाता था। अगर लालू की बेटी ने इस तरह से ट्वीट किया है तो बहुत ही गलत है और लगता है कि लालू की बेटी ने अपने घर पर कूड़ा रख रखा था। उन्होंने कहा कि बिहार में भाजपा के विधायक ज्यादा होने के बाद भी हमने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया है। वहीं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा दिए गए बयान की नीतीश कुमार प्रधानमंत्री के दावेदार थे इस लिए भाजपा ने उनको 9वीं बार मुख्यमंत्री बनाकर मोदी के लिए रास्ता साफ कर दिया है। इस सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव को दिन में सपना आता है। तभी तो इस तरह के बयान देते रहते हैं।

भगवान का धन्यवाद नीतीश के जाने पर क्यों खुश हैं इंडिया गठबंधन के कई नेता?

लखनऊ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। 28 जनवरी 2024, दिन रविवार, ये दिन और तारीख बिहार की सियासत में एक बार फिर से बड़ा बदलाव लाई। नीतीश कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़कर एक बार फिर से एनडीए का दामन थाम लिया और एक बार फिर से बिहार के नौवें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। नीतीश के पाला बदलने से कांग्रेस आरजेडी समेत विपक्षी दलों का हमलावर होना लाजिमी है।

सभी के निशाने पर नीतीश कुमार हैं। इस बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक बार फिर से नीतीश कुमार पर बड़ा बयान दिया है। बिहार के किशनगंज में पत्रकारों से बात करते हुए जय रमेश ने कहा कि नीतीश के एनडीए में शामिल होने से इंडिया गठबंधन के कई नेता राहत की सांस ले रहे हैं, एनडीए में नीतीश की वापसी से इंडिया गठबंधन को उनसे मुक्ति मिल गई। कांग्रेस नेता ने कहा कि नीतीश के अलग होने से महागठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उनके जाने से लोग खुश हैं और भगवान का शुक्रिया अदा कर रहे हैं कि अच्छा है नीतीश से मुक्ति मिल गई। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि पिछले दो तीन महीनों में उनका व्यवहार विश्वास के लायक नहीं था। उनके मन में क्या चल रहा है वो क्या योजना बना रहे थे हम लोग इस बात का पता नहीं लगा सके।

'वो आया राम गया राम की तरह आया कुमार, गया कुमार हैं'

इस दौरान नीतीश पर तंज करते हुए कांग्रेस नेता ने कई जुमलों का भी इस्तेमाल किया। उन्होंने आया राम गया राम को आया कुमार, गया कुमार में बदल दिया। वैसे ये कई पहला मौका नहीं है जब जयराम रमेश ने नीतीश पर हमला बोला है। इससे पहले भी वो कई बार उन पर तंज कर चुके हैं। कांग्रेस नेता ने नीतीश की तुलना गिरगिट से की थी। उन्होंने कहा था कि रंग बदलने में नीतीश गिरगिट को भी मात देते हैं।

'नीतीश के जाने के पीछे पीएम का मास्टरमाइंड'

कांग्रेस नेता के निशाने पर सिर्फ सीएम ही नहीं बल्कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने पीएम मोदी को झूठ का जगतगुरु करार दिया। उन्होंने कहा कि इन सबके पीछे पीएम मोदी का ही मास्टरमाइंड है। उन्होंने ही विश्वासघात के विशेषज्ञ यानी नीतीश कुमार के जाने का समय तय किया था।

'मिलिंद देवड़ा को अलग करने के लिए पीएम ने मुहूर्त ढूंढा'

जयराम रमेश ने कहा कि जब 14 जनवरी को मणिपुर के थौबल से कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत हो रही थी उस दिन पीएम मोदी ने कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा को पार्टी से अलग करने का मुहूर्त ढूंढ लिया था, कि चारों तरफ भारत जोड़ो न्याय यात्रा की बजाए मिलिंद देवड़ा सुर्खियों में आ जाएं।

'फ्लिपिंग मास्टर पीएम ने फ्लिप करने का किया इशारा'

जयराम रमेश ने ये भी कहा कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से प्रधानमंत्री डरे हुए हैं। इसलिए उन्होंने फ्लिपिंग मास्टर को फ्लिप करने यानी पलटी मारने का इशारा किया और आखिर उन्होंने वैसा ही किया। उन्होंने कहा कि अब ये सवाल नहीं पूछा जाना चाहिए कि नीतीश के जाने से इंडिया महागठबंधन पर क्या असर पड़ेगा बल्कि ये पूछा जाना चाहिए कि एनडीए पर क्या असर पड़ेगा। '

'भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मिल रहा लोगों का समर्थन'

इसके अलावा जयराम रमेशे ने कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यात्रा को लोगों का समर्थन मिल रहा है। लोग बड़ी तादाद में यात्रा में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिहार पहुंची भारत जोड़ो न्याय यात्रा का अररिया में लोगों ने जोरदार स्वागत किय। कांग्रेस नेता ने कहा कि असम, बंगाल ती तरह बिहार में भी यात्रा को लेकर शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।

यूपी-उत्तराखंड छोड़ दूसरे राज्यों के क्षेत्रीय दलों से गठबंधन करेगी बसपा, अंतिम दौर में बातचीत

जल्द हो सकता है एलान

लखनऊ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। आईएनडीआईए और एनडीए गठबंधन से दूर बसपा प्रमुख मायावती उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़ दूसरे राज्यों के क्षेत्रीय दलों से गठबंधन कर लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावनाएं तलाश रही हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा जैसे राज्यों की पार्टियों से बसपा का गठबंधन तय माना जा रहा है। सीटों की संख्या तय होने के साथ ही गठबंधन की घोषणा कर दी जाएगी।

बसपा नेताओं के मुताबिक, हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो), जबकि छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश में गोड़वाना गणतंत्र पार्टी (गोगपा) से गठबंधन की बात अंतिम दौर में है। गठबंधन कर बसपा हरियाणा की छह सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार सकती है। मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद इस संबंध में विभिन्न क्षेत्रीय दलों से बात कर रहे हैं।

अकाश पर ही है दूसरे राज्यों में बसपा की ताकत बढ़ाने का जिम्मा

उल्लेखनीय है कि मायावती ने आकाश को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड छोड़कर दूसरे राज्यों में बसपा की ताकत बढ़ाने का जिम्मा सौंप रखा है। बसपा के मौजूदा 10 सांसद उत्तर प्रदेश से ही हैं। अन्य राज्यों से बसपा का एक भी सांसद नहीं है।

किन्नर से मिली थी बच्ची,7 साल तक पाला कोर्ट बोला- यशोदा जैसी मां दे पाना मुश्किल

प्रयागराज, 30 जनवरी (एजेंसियां)। माता यशोदा ने भगवान कृष्ण को जन्म नहीं दिया था, लेकिन पालन-पोषण उन्होंने ही किया। कृष्ण को जन्म देने वाली मां देवकी थीं। द्वापर युग जैसी कथा कलयुग में भी दोहराई गई। उत्तर प्रदेश के आगरा में एक महिला ने एक ऐसी बच्ची को अपनी बेटी बनाया, जिसे उसकी वास्तविक मां ने खुले में फेंक दिया था। 7 साल से बच्ची का पालन-पोषण महिला ही कर रही थी। लेकिन परेशानी तब खड़ी हो गई, जब किसी दूसरे दंपति ने बच्ची पर अपना दावा ठोक दिया। मामला कोर्ट तक पहुंचा।

आखिरकार पालनहार यशोदा की जीत हुई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा की आठ साल की मासूम को उसका पालन करने वाली मां को ही देने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की जस्टिस सौमित्र दयाल सिंह और जस्टिस मंजीव शुक्ला की खंडपीठ के सामने आगरा की एक महिला ने एक बच्ची की सुपुर्दगी लेने के लिए दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा है कि जुदा करना आसान है और यशोदा जैसी मां दे पाना मुश्किल। कोर्ट ने यशोदा मां को ही उसकी सर्वोत्तम संरक्षक मानते हुए उसके हाथ में फैसला दिया है। यशोदा मैया को बेटी गोद में देने की प्रक्रिया एक हफ्ते में पूरी करने का निर्देश भी प्रशासन को दिया है।कोर्ट ने कहा है कि कानूनी दांवपेच से बच्ची को उसको पालनहार मां से दूर करना आसान है, लेकिन यशोदा मैया जैसी मां दे पाना कानून के बस में नहीं।

क्या था पूरा मामला?

यह पूरा मामला आगरा का है, जहां आठ साल पहले सर्द रात में एक किन्नर ने टेढ़ी बगिया इलाके में रहने वाली महिला को नवजात बच्ची को सौंपा था, उसे कोई खुले में छोड़ गया था। अपने चार बच्चे होते हुए भी नवजात के लिए यही महिला यशोदा मां बन गई। न सिर्फ उसका तत्काल इलाज कराया, बल्कि सात साल तक पालन-पोषण में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। स्कूल में दाखिला भी कराया। इस बीच, किन्नर की नीयत खराब हो गई और वह मासूम को उठा ले गया। जब बच्ची बरामद हुई तो बाल कल्याण समिति फर्रुखाबाद के यहां उसने यशोदा को ही अपनी मां बताते हुए उनके साथ जाना चाहा। मामले में नया मोड़ आया और मासूम बच्ची यशोदा को दे दी गई। अभी आठ महीने ही बीते थे कि कल्याण समिति आगरा ने कमजोर आर्थिक स्थिति का आधार बनाते हुए बच्ची को फिर बाल गृह भेज दिया था।

आगरा के रहने वाले युवक ने पिता होने का किया दावा

मामले में नया मोड़ उस वक्त आया, जब आगरा के रहने वाले नितिन गर्ग ने हाईकोर्ट में दावा किया कि बच्ची के वह जैविक पिता हैं। उनका दावा है कि वर्ष 2015 में नवजात बच्ची उनके घर से अगवा की गई थी, जिसकी एत्मादपुर थाने में एफआईआर भी दर्ज करवाई थी। कोर्ट ने नितिन गर्ग को प्रतिवादी के रूप में जोड़ने को अनुमति देते हुए डीएनए टेस्ट कराने का आदेश दिया था। लेकिन बच्ची की डीएनए रिपोर्ट गर्ग परिवार से मैच नही हुई। कोर्ट में पेश हुए विधि विज्ञान प्रयोगशाला आगरा के उपनिदेशक अशोक कुमार ने अदालत को डीएनए रिपोर्ट सौंपी। डीएनए मैच नहीं होने से उसके जैविक माता-पिता होने का दावा करने वाले नितिन गर्ग और उसकी पत्नी की दलीलों का दम निकल गया। और बच्ची यशोदा को देने का आदेश हो गया। हाईकोर्ट ने बाल कल्याण समिति आगरा के इस रवैए को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए फटकार लगाई और कहा कि अधिकारियों ने इस मामले में संवेदनशीलता नहीं दिखाई जो उनसे अपेक्षित है।

ग्रेटर नोएडा में मर्डर से सनसनी: यू-ट्यूबर को घर बुलाकर शराब पिलाई, फिर 7 दोस्तों ने लाठी डंडों से पीट-पीटकर मार डाला

नोएडा, 30 जनवरी (एजेंसियां)। थाना दनकौर क्षेत्र मोहम्मदपुर गुर्जर गांव में रहने वाले एक यू-ट्यूबर के साथ मारपीट कर 7 लोगों ने उसकी हत्या कर दी। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी की तलाश कर रही है। मृतक दीपक यू-ट्यूबर था और वह अपमी मां के साथ मिलकर यू-ट्यूब पर कॉमेडी वीडियो बनाता था। थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि बलवीर ने बीती रात को थाने में घटना को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि मनीष, प्रिंस, विक्की, विजय, योगेंद्र, कपिल, और मिंकू ने उसके बेटे दीपक को 28 जनवरी को घर से बुलाया तथा उसे अपने साथ ले गए। पीड़ित ने शिकायत में कहा है कि आरोपियों ने उनके बेटे को शराब पिलाई और उसके साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। अत्यंत गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने दो आरोपियों को आज गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि एक आरोपी मनीष भी यू-ट्यूबर है।

रंगदारी मामले में विधायक को मिली जमानत, जाजमऊ आगजनी मामले में बचाव पक्ष ने की बहस

कानपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर के जाजमऊ थाने में एक साल पहले विमल कुमार द्वारा दर्ज कराए गए रंगदारी के मामले में विधायक इरफान सोलंकी को एमपीएमएलए सेशन कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी ने जमानत दे दी है। कोर्ट ने 50-50 हजार की दो जमानतों व निजी मुचलके पर इरफान की रिहाई के आदेश दे दिए हैं।

हालांकि अन्य मुकदमों में जमानत न होने के कारण अभी इरफान जेल में ही रहेंगे। जाजमऊ के दुर्गा विहार निवासी विमल कुमार ने विधायक इरफान सोलंकी, बिल्डर हाजी वसी, शाहिद लारी व कमर आलम के खिलाफ जाजमऊ थाने में 25 दिसंबर 2022 को रंगदारी वसूलने, धोखाधड़ी व गाली-गलौज करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विमल का आरोप है कि उसने जाजमऊ में 350 वर्ग गज जमीन का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट के जरिए कब्जा लिया था। इस जमीन को विधायक ने साथियों के साथ मिलकर हड़प लिया और रंगदारी न देने पर जानमाल की धमकी दी। मामले में इरफान सोलंकी, हाजी वसी व कमर आलम के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट भेजी जा चुकी है जबकि शाहिद लारी को पुलिस ने क्लीन चिट दे दी थी। कमर को अग्रिम जमानत भी मिल चुकी है। इरफान की ओर से पहले भी दो जमानत अर्जियां दाखिल की गई थीं, लेकिन बाद में उन्हें वापस ले लिया गया था। तीसरी जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता शिवाकांत दीक्षित ने तर्क रखा कि विवादित जमीन का विमल ने एग्रीमेंट तो कराया था, लेकिन जमीन पर कब्जा नहीं था। विमल ने जमीन के वास्तविक मालिक के खिलाफ भी एक दीवानी वाद कोर्ट में दाखिल कर रखा है। सिर्फ अवैध वसूली के लिए विमल द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

पुलिस के डर से युवक और नाबालिग ने पांचवें माले से लगाई छलांग, दस महीने से रह रहे थे साथ

सूरत, 30 जनवरी (एजेंसियां)। मंदसौर के युवक और किशोरी ने गुजरात में सूरत जिले के कड़ोदरा नगर में एक मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के पांचवें माले से एक के बाद एक छलांग लगा दी। घटना में दोनों को दर्दनाक मौत हो गई। मंदसौर पुलिस दोनों को करीब 10 माह से तलाश कर रही थी। एसआई शैलेन्द्र कनेश जब तक इनके पास पहुंचते ये दुनिया छोड़कर ही चले गए। घटना रविवार रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है। सूरत के कड़ोदरा पुलिस ने दोनों के शव का पीएम करवाकर मर्ग कायम किया है।

जम्मू-कश्मीर: भयानक सर्दी में भी एलओसी पर डटी है सेना

कम बर्फबारी के कारण आतंकी घुसपैठ का खतरा बरकरार इसलिए सैनिक वापस नहीं बुलाए गए

जम्मू-कश्मीर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी की कमी के कारण सेना परेशान है। भारी बर्फबारी की कमी के कारण सर्दियों के दौरान घुसपैठ के सभी रास्ते खुले रहते हैं और घुसपैठ की कोशिशें होती रहती हैं। इस कारण सेना ने अपने सैनिकों को एक मजबूत घुसपैठ-रोधी ग्रिड पर तैनात करना जारी रखा है। आमतौर पर, घाटी में सर्दियों में भारी बर्फबारी होती है जिससे आवाजाही मुश्किल हो जाती है, जिससे एलओसी के पार से घुसपैठ कम हो जाती है। लेकिन इस साल ऐसा नहीं हुआ है। खबर के मुताबिक खुफिया सूचनाओं में कहा गया है कि घुसपैठ के लिए बड़ी संख्या में आतंकवादी नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार लॉन्चपैड्स में सक्रिय बने हुए हैं। बर्फबारी के कारण पेड़ों का आवरण भी कम हो जाता है जिससे रात के दौरान भी निगरानी उपकरणों का उपयोग करके घुसपैठियों को पहचानना आसान हो जाता है। लेकिन इस साल सेना की चुनौतियां कम नहीं हुई हैं। सेना, अपनी शीतकालीन रणनीति के हिस्से के रूप में, आमतौर पर एलओसी के पास तैनात कुछ सैनिकों को वापस बुला लेती है और उन्हें भीतरी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों में लगा देती है। बर्फबारी आतंकवादियों की रसद पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। सर्दियों के महीनों में आतंकवादी ऊंचाई वाले इलाकों में अपने ठिकानों से निकलकर आबादी के ठिकानों के करीब चले जाते हैं। जबकि जम्मू-कश्मीर के ऊंचे इलाकों में कम बर्फबारी हुई है लेकिन तापमान में गिरावट जारी है जिससे ऑपरेशन मुश्किल हो गया है। ऊंचे स्थानों पर सैनिकों की निरंतर तैनाती के कारण शीतकालीन अभियान प्रभावित हुए हैं। ज़ोजी ला जैसे दर्रे अभी भी आवाजाही के लिए खुले हैं। बर्फ की कमी ने ट्रांस-पीर पंजाल रेंज मार्गों को खुला रखा है। पुंछ-राजौरी बेल्ट से घाटी तक पहुंचने वाले मार्गों वाली पर्वत श्रृंखला पर सैनिकों को तैनात रखने की आवश्यकता बढ़ गई है। बता दें कि 2023 में जम्मू-कश्मीर में कुल 71 आतंकवादी मारे गए, जिनमें घाटी में 52 शामिल थे। घाटी में स्थिति सामान्य हो रही है लेकिन आतंकवादी समूह राजौरी-पुंछ बेल्ट में सक्रिय हो रहे हैं। पीर पंजाल रेंज के दक्षिण के इलाकों में आतंकवादी घटनाएं देखी गई हैं। पिछले तीन साल के आधिकारिक आंकड़े भी यही दर्शाते हैं।

इस दौरान जहां कश्मीर में सात सैनिकों ने जान गंवाई वहीं पिछले तीन वर्षों में राजौरी-पुंछ बेल्ट में घात लगाकर किए गए हमलों में 20 सैनिक मारे गए। हालांकि सुरक्षा बलों के सफल अभियानों के कारण सर्दियों के बाद घाटी में आतंकवादियों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। सुरक्षा बल अब गर्मियों के दौरान आतंकवादी गतिविधियों के बढ़ते स्तर से निपटने की तैयारी कर रहे हैं।

13 दिन के अंतराल में ईडी ने हुड्डा से दूसरी बार की पूछताछ

मानेसर में भूमि अधिग्रहण को लेकर कर रहे जांच का सामना

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। गुरुग्राम के मानेसर में भूमि अधिग्रहण की अनियमिताओं की शिकायत के मद्देनजर ईडी ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा से 13 दिन के अंतराल में एक बार फिर पूछताछ की। हुड्डा दिल्ली स्थित ईडी कार्यालय में सोमवार सुबह 11.30 बजे पहुंचे और 6.15 बजे वापस लौटे। पूछताछ के बाद वह अपने आवास पहुंचे, जहां पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल और कुछ कानूनविदों ने उनसे मुलाकात की, लेकिन मीडिया के समक्ष वह इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोले। ईडी वर्ष 2004 से 2007 के दौरान मानेसर में भूमि अधिग्रहण के मामले में हुई मनी लांड्रिंग के सिलसिले में जांच कर रही है। ईडी ने सोमवार को हुड्डा का तीसरी बार बयान दर्ज किया। पिछली बार 17 जनवरी को उनसे पूछताछ की गई थी। हुड्डा कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने कांग्रेस की सरकार में एक इंच जमीन भी अधिग्रहण कर किसी प्राइवेट बिल्डर को नहीं दी। हुड्डा ईडी के समक्ष भी अपनी इसी बात पर कायम रहे। उन्होंने पहली बार पूछताछ के बाद कहा था कि उनका कानून को मानने में भरोसा है। ईडी जितनी बार बुलाएगी, उतनी बार जांच में शामिल होने के लिए वह जाएंगे। आरोप है कि प्राइवेट बिल्डर्स ने हरियाणा सरकार के कुछ लोगों के साथ मिलकर गुरुग्राम के मानसेर, नौरंगपुर व नखड़ौला गांवों के किसानों को भूमि अधिग्रहण का डर दिखाकर उनकी करीब 400 एकड़ जमीन औने पौने दामों पर खरीद ली थी।

कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकली अफ्रीका से आई मादा चीता वीरा, लोकेशन ट्रेस करने में जुटे अधिकारी

श्योपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। अफ्रीका से आई मादा चीता वीरा कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकल गई है। वीरा के वीरपुर तहसील में होने की लोकेशन मिली है। वन भिाग की टीम लगातार वीरा को सर्च कर रही है। बताया यह भी जाता है कि मादा चीता वीरपुर पुलिस थाने के पास कोंनदे नाले में देखी गई है। वन विभाग लगातार मादा चीता को ट्रैक कर रहा है। जानकारी के मुतमाबिक मादा चीता वीरा दो दिनों से कूनो नेशनल पार्क से बाहर है।

उसकी लोकेशन वीरपुर तहसील के पास रिहायसी बस्ती के पास देखी जा रही है। बताया जाता है कि सोमवार को वीरपुर पुलिस थाने की बाउंड्रीवाल के पास कोनदे नाले के पास देखी गई। इसके बाद वीरा चक सीताराम गांव के पास श्यारदा पंचायत की सरपंच के घर के पीछे देखी गई है। जिसे देखने के लिए सरपंच के घर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। वन विभाग का अमला भी चीते की लोकेशन को ट्रेस करते हुए वीरपुर के आसपास घूम रहा है। अफ्रीका से आई मादा चीता वीरा कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकल गई है। वीरा के वीरपुर तहसील में होने की लोकेशन मिली है। वन भिाग की टीम लगातार वीरा को सर्च कर रही है।बताया यह भी जाता है कि मादा चीता वीरपुर पुलिस थाने के पास भी कोंनदे नाले में देखी गई है। कूनो नेशनल पार्क के बाड़े से मादा चीता वीरा को 20 दिसम्बर बुधवार को स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद खुले जंगल में छोड़ा गया था। मादा चीता वीरा को कूनो राष्ट्रीय उद्यान के नयागांव वन क्षेत्र में छोड़ा गया था। यह क्षेत्र पीपल बावड़ी पर्यटन जॉन के अंतर्गत आता है।दक्षिण अफ्रीका 18 फरवरी को भारत में चीतों की दूसरी खेप लाई गई थी, जिसमें 12 चितों को कूनो नेशनल पार्क लाया गया था। उसी में से मादा चीता वीरा भी थी। बता दें कूनो नेशनल पार्क प्रबंधन ने मादा चिता को खुले जंगल में छोड़ने से पहले कूनो नेशनल पार्क में डॉक्टरों की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था।

फिल्मों को देख स्मोकिंग कर रहे नौजवान? केरल हाई कोर्ट की आई अहम टिप्पणी

तिरुवनंतपुरम, 30 जनवरी (एजेंसियां)। केरल की हाईकोर्ट ने कल एक अहम टिप्पणी की। ये टिप्पणी थी उन नौजवानों के संबंध में जो स्मोकिंग यानी धूम्रपान और दूसरे नशे करते हैं। केरल की अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान इस बात पर संदेह जताया कि महज फिल्मों या टीवी के स्मोकिंग सीन्स देख कर लोग खासकर के नौजवान धूमप्रान करना शुरू कर देंगे। केरल हाईकोर्ट में जस्टिस हैं देवन रामचंद्रन, वही इस मामले की सुनवाई कर रहे थे।

जस्टिस रामचंद्रन ने याचिककर्ताओं की इस मांग पर सवाल खड़ा किया कि पूरा का पूरा स्क्रीन ही हेल्थ से जुड़ी चेतावनियों से भर दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि ऐसे रेगुलेशन से अंतर-राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सिनेमा प्रभावित होगा। कोर्ट का मानना था कि किसी नौजवान के स्मोकिंग के पीछे दूसरी वजहें होती हैं। जज साहब का मानना था कि कई दफा साथियों के दबाव में तो कभी सिगरेट आसानी से मिल जाने और समाज में इसको लेकर एक ठीक-ठाक स्वीकार्यता होने की वहज से लोग इस तरफ बढ़ते हैं। कोर्ट ने कहा कि इन चीजों पर विचार करने की जरूरत है। उच्च न्यायलय ने तो यहां तक कहा कि आजकल के नौजवान लड़के-लड़कियों को कम जिम्मेदार कहीं से नहीं समझा जाना चाहिए। ये बच्चे आपसे-हमसे कहीं ज्यादा बुद्धिमान हैं।

कोर्ट का कहना था कि धूम्रपान का सेवन, शराब पीने की आदत और यहां तक कि ड्रग्स केवल स्क्रीन पर कोई ऐसा सीन देखने को लेकर नहीं हो रहें। अदालत ने इस बात को माना कि नौजवानों के बीच धूम्रपान, शराब और ड्रग्स को लेकर जो भी झुकाव है,

'सोनिया गांधी को राज्यसभा भेजने वाली बात गलत'

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने मीडिया रिपोर्टों को किया खारिज

बेंगलुरु, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख डी के शिवकुमार ने मंगलवार को उन मीडिया रिपोर्टों को गलत और अटकलबाजी करार देते हुए खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया था कि पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को राज्य से राज्यसभा सीट की पेशकश की जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। मीडिया के एक वर्ग में ऐसी खबरें आई हैं कि सोनिया गांधी आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ सकती हैं और उन्हें कर्नाटक से राज्यसभा सीट दी जा सकती है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने ऐसी रिपोर्टों पर एक सवाल के जवाब में कहा, ऐसी सभी सूचनाएं झूठी हैं, ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। आप (मीडिया) ऐसी अटकलें लिख रहे हैं, ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। सोनिया गांधी ने 1999 के लोकसभा चुनाव में कर्नाटक के बल्लारी से भाजपा की दिग्गज नेता दिवंगत सुषमा स्वराज को हराकर जीत हासिल की थी। इस बीच, शिवकुमार ने मांड्या जिले के केरागोडु गांव में 108 फुट ऊंचे ध्वजदंड से फहराए गए हनुमान ध्वज को हटाने को लेकर विवाद के लिए भाजपा और जद (एस) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, अशांति और कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा करने के लिए ऐसी चीजें की जा रही हैं। शिवकुमार ने आरोप लगाते हुए कहा, निर्दोष ग्रामीणों का दुरुपयोग किया जा रहा है। पुराने मैसूरु क्षेत्र (दक्षिण कर्नाटक) में सभी जातियों और धर्मों के लोग शांति और भाईचारे के साथ रह रहे हैं। अब वे एक नया प्रयोग करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें करने दें। उन्होंने कहा कि केरागोडु में पंचायत ने संबंधित स्थानीय संगठन से एक वचन लिया था कि वे राष्ट्रीय और कन्नड़ ध्वज के अलावा कुछ भी नहीं फहराएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय ध्वज और संविधान की रक्षा और सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मांड्या में अधिकारियों ने रविवार को हनुमान ध्वज के स्थान पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

आशिक मिजाज पति ने ही तकिए से मुंह दबाकर ली थी एसडीएम पत्नी की जान

डिंडोरी, 30 जनवरी (एजेंसियां)। डिंडोरी में एसडीएम निशा नापित की संदिग्ध मौत की गुत्थी सुलझ गई है। निशा नापित की हत्या की गई थी और आरोपी कोई और नहीं उनका पति मनीष शर्मा निकला। तकिए से मुंह दबाकर हत्या कर दी थी। पति ने सेवा, बीमा और बैंक रिकॉर्ड में 'नॉमिनी' नहीं बनाने पर एसडीएम पत्नी का बेरहमी से तकिए से मुंह दबाकर जान ले ली। जिला पुलिस ने एसडीएम निशा नापित शर्मा के ब्लाइंड मर्डर केस का 24 घंटे के भीतर खुलासा किया। पुलिस अधीक्षक अखिल पटेल ने बताया कि पति मनीष शर्मा ने रविवार को तकिए से निशा का दम घोंट कर हत्या कर दी, छह घंटे तक शव के पास बैठा रहा और फिर शव को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गया। डॉक्टरों को मामला संदिग्ध लगा और उन्होंने पुलिस को बुला लिया। इधर आरोपी पति निशा के खून से सने कपड़े और तकिया को वॉशिंग मशीन में धोकर सुखा दिया। डिंडोरी जिले में शाहपुरा की उपसंभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) निशा नापित (51) ने 2020 में एक सोशल मीडिया साइट के माध्यम से प्रॉपर्टी डीलर मनीष शर्मा (45) से शादी की थी। शादी के बाद निशा को भनक लगी कि मनीष के दूसरी और लड़कियों से अवैध संबंध चल रहे हैं। इसी के चलते उसने पति को सर्विस, बीमा और बैंक रिकॉर्ड में 'नॉमिनी' नहीं बनाया।

कत्ल करने के लिए ट्रक में भरकर 50 गायें ले जा रहे थे तस्कर, फिल्मी स्टाइल में पुलिस ने पकड़ा

नागपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में टोल नाका तोड़कर भागने की कोशिश कर रहे गोतस्करों को पुलिस ने सबक सिखाया है। इस दौरान ट्रक में भरकर कत्ल करने के लिए ले जाई जा रहीं 50 गायों को भी बरामद किया गया है और उनकी जान बचाई गई है।

क्या है पूरा मामला?

बड़े पैमाने पर सामने आ रहीं गोतस्करी की घटनाओं पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है। नागपुर के समृद्धि मार्ग पर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है और पुलिस ने 50 गायों से भरे ट्रक को बरामद किया है। इन गायों को कत्ल करने के लिए ले जाया जा रहा था। दरअसल समृद्धि महामार्ग पर एक ट्रक तेज रफ्तार से जा रहा था। पुलिस को शक हुआ तो उसने सायरन बजाते हुए उसका पीछा करना शुरू किया। गोतस्करों को जब भनक लगी कि पुलिस उनका पीछा कर रही है तो उन्होंने ट्रक की स्पीड बढ़ा दी। लेकिन पुलिस भी आखिर तक उनका पीछा करती रही और ट्रक को तीन तरफ से घेरने की रणनीति बनाई। इसके बाद गोतस्कर ने समृद्धि महामार्ग का पहला टोल नाका तोड़ते हुए आगे निकलने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे रोक लिया और ट्रक की तलाशी लेना शुरू किया। ट्रक पीछे से पूरे तरीके से ढका हुआ था। जब ट्रक के ऊपर से कपड़ा हटाया गया तो उसमें लगभग 50 गाय बंधी हुई थीं। ट्रक समृद्धि मार्ग पर नागपुर की तरफ आ रहा था। पुलिस ने ट्रक तो पकड़ लिया लेकिन गोतस्कर ट्रक छोड़कर भागने में कामयाब हो गए।

पार्डी परिसर में भी गायों को बचाया गया

दूसरी घटना नागपुर के पार्डी परिसर की है, जहां गोवंश से भरा ट्रक कत्ल खाने की तरफ जा रहा था। पुलिस ने ट्रक पकड़ लिया और जब छानबीन की तो उसमें लगभग 30 गोवंश पाए गए। पुलिस को जानकारी मिली थी कि ट्रक में गोवंश तस्करी की जा रही है और बड़े पैमाने पर गोवंश को कत्लखाने भेजा जा रहा है। मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने जबलपुर हैदराबाद हाईवे आउटर रिंग रोड पर जाल बिछाया। ट्रक की तलाशी लेने पर 30 गोवंश दिखाई दिए। इन्हें बड़ी निर्दयता के साथ ट्रक में ठूंसा गया था। पुलिस ने विविध धाराओं के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अब यूपी के फूलपुर लोकसभा सीट से चुनाव नहीं लड़ेंगे सीएम नीतीश कुमार

पाला बदलते ही अटकलों पर विराम

प्रयागराज, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा हो जाने के बाद विपक्षी गठबंधन से जुड़े सभी दलों को बेशक झटका लगा है, लेकिन स्थानीय सपा नेता काफी खुश हैं। वजह यह कि इंडिया गठबंधन से बाहर होते ही नीतीश के फूलपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की अटकलों पर पूर्णविराम लग गया है। अब स्थानीय सपा नेताओं को ही यहां से मौका मिलने की उम्मीद है। पिछले एक हफ्ते में देश में जो सियासी घटनाक्रम बदला है, उसमें पश्चिम बंगाल, पंजाब और बिहार का बड़ा रोल रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता ने कांग्रेस को झटका दिया तो पंजाब में आम आदमी पार्टी ने। इंडिया गठबंधन के अगुवा माने जा रहे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अचानक राजग के साथ आकर विपक्षी ताकत को तार-तार कर दिया है। नीतीश के इंडिया गठबंधन में होने के दौरान अटकलें थीं कि वह प्रयागराज की फूलपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। कुर्मी मतों के ध्रुवीकरण की संभावनाओं को देखते हुए इसका असर प्रदेश की दूसरी कई सीटों पर भी देखने को मिल सकता था। जनता दल यूनाइटेड ने भी अपने पार्टी प्रमुख नीतीश कुमार को फूलपुर से चुनाव लड़ाने की तैयारी शुरू कर दी थी। सर्वे भी कराए गए थे। वैसे, इन चुनावी चर्चाओं पर सपा ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सपा समय को देखते हुए ही कोई निर्णय लेना चाहती थी। चूंकि सपा के लिए फूलपुर सीट मजबूत मानी जाती है और उसे कई बार यहां से जीत भी हासिल हुई है।

मनोज जरांगे ने छगन भुजबल पर साधा निशाना

कहा- उन्होंने ओबीसी के लिए कुछ नहीं किया

मुंबई, 30 जनवरी (एजेंसियां)। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मंगलवार को दावा किया कि ओबीसी को एहसास हो गया है कि महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल ने उनके लिए कुछ नहीं किया। जरांगे ने यह भी कहा कि अगर छगन भुजबल अपने पद से हट भी जाते हैं तो ओबीसी समुदाय को बुरा नहीं लगेगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाल में घोषणा की कि मराठा समुदाय के लोगों को आरक्षण मिलने तक उन्हें ओबीसी द्वारा प्राप्त सभी लाभ दिए जाएंगे। शिंदे की इस घोषणा की भुजबल ने आलोचना की है। सरकार ने जारी किया है महाराष्ट्र सरकार ने जरांगे के साथ बातचीत के बाद एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है जिसमें कहा गया है कि जिस मराठा व्यक्ति के पास यह दर्शाने के लिए रिकॉर्ड हैं कि वह कुनबी समुदाय से जुड़ा है, उसके सगे-संबंधियों को भी कुनबी के तौर पर मान्यता दी जाएगी। कुनबी समुदाय ओबीसी में आता है और जरांगे सभी मराठाओं को कुनबी प्रमाणपत्र दिये जाने की मांग कर रहे हैं। वरिष्ठ ओबीसी नेता छगन भुजबल ने कहा कि मराठा आरक्षण के संबंध में राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ एक फरवरी को विधायकों, सांसदों और तहसीलदारों के आवासों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

'इस तरह की रणनीति के आगे कोई नहीं झुकेगा'

जरांगे मराठा योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि देने के लिए मंगलवार को रायगढ़ जिले में स्थित रायगढ़ किले में पहुंचे थे। जब उनसे 'ओबीसी की चिंताओं पर ध्यान नहीं देने पर' कैबिनेट से इस्तीफा देने की भुजबल की चेतावनी के बारे में सवाल किया, तो जरांगे ने कहा, 'कोई भी व्यक्ति दबाव बनाने की इस तरह की रणनीति के आगे नहीं झुकेगा।' मराठा नेता ने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के शीर्ष नेता इतने समझदार हैं कि भुजबल से निपट सकें। जरांगे ने कहा, 'ओबीसी को भी एहसास हो गया है कि भुजबल ने पिछले कई वर्षों में उनके लिए कुछ नहीं किया। अगर वह पद छोड़ देते हैं तो उन्हें बुरा नहीं लगेगा।'

भुजबल से बात करेंगे डिप्टी सीएम फडणवीस

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को कहा कि वह मराठा आरक्षण पर राज्य सरकार के फैसले का विरोध करने को लेकर अपने कैबिनेट सहयोगी भुजबल से बात करेंगे। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी सोमवार को कहा कि वह मराठा समुदाय के पात्र लोगों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने संबंधी मसौदा अधिसूचना के मद्देनजर ओबीसी आरक्षण मुद्दे पर भुजबल की चिंताओं को दूर करेंगे। फडणवीस ने अधिसूचना का विशेष रूप से उल्लेख किए बिना कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो सरकार संशोधन करेगी

ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक पर अश्लील बातें करने का आरोप पुलिस ने जांच की शुरू

दमोह, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बैंक सखी ने बताया कि मैनेजर शराब के नशे में रहते हैं और जब भी मैनेजर के पास काम लेकर जाते हैं वो उनके साथ अभद्रता, गाली गलौज और अश्लील शब्द कहता है। कई दिनों से परेशान कर रहे थे, इसलिए आज पुलिस में शिकायत की है। महिला ने पुलिस को बताया कि वो मध्यांचल ग्रामीण बैंक की बैंकिंग सेवा को घर-घर पहुंचने का कार्य कर रही है महिला का कहना है कि जब वो कुछ महिलाओं को लेकर शाखा प्रबंधक के पास पहुंची, तो वो नशे की हालत में थे। उन्होंने महिलाओं से अभद्रता गाली-गलौज की, अश्लील शब्द तक कहे। जबेरा थाना प्रभारी विजय अहिरवार का कहना है कि महिला कि शिकायत पर तत्काल एक्शन लेते हुए शाखा प्रबंधक की तलाश के लिए पुलिस को भेजा गया था,

नीतीश को गद्दी से हटाने के लिए पुष्पम प्रिया ने खाई है कसम, पहना मास्क

पटना, 30 जनवरी (एजेंसियां)। नीतीश कुमार 9वीं वार बिहार के सीएम बन गए हैं। रविवार को उन्होंने बीजेपी और जीतनराम मांझी की पार्टी हम के समर्थन से सीएम पद की शपथ ली। नीतीश कुमार के बीजेपी के साथ जाने पर प्लुरल्स पार्टी की प्रमुख पुष्पम प्रिया ने भी प्रतिक्रिया दी है। बिहार की राजनीति में सीधे सीएम पद की उम्मीदवार बनकर उतरी पुष्पम प्रिया ने सोशल मीडिया पर नीतीश कुमार को बधाई दी साथ ही तंज भी किया। नीतीश कुमार को सीएम की गद्दी से हटाने तक मास्क नहीं उतराने का प्रण लेने वाली पुष्पम प्रिया ने लिखा- सीएम के रूप में निस्संदेह नीतीश कुमार की यह आख़िरी पारी है। बीस महीने बचे हैं। वे स्वस्थ रहें ताकि उनके वक्तव्य व व्यवहार से बिहार को और शर्मिंदगी न उठानी पड़े। हम उम्मीद करते हैं कि जाते-जाते वे राज्य-हित में कुछ अच्छा कर के जाएंगे। बधाई। पुष्पम प्रिया चौधरी ने बिहार विधानसभा चुनाव (2020) के समय यह कसम खायी है कि जबतक नीतीश कुमार को सीएम की गद्दी हटा नहीं दूंगी तबतक चेहरे से मास्क नहीं उतारूंगी। पिछले साल जुलाई में पुष्पम प्रिया के पिता जेडीयू नेता विनोद कुमार चौधरी के श्राद्ध के मौके पर भी जब नीतीश कुमार उनके घर पहुंचे थे तब भी पुष्पम प्रिया ने चेहरे से मास्क नहीं हटाया था।

नीतीश सरकार पर हमलावर रहती हैं पुष्पम प्रिया

तब पुष्पम प्रिया ने कहा था- मेरे पिताजी से नीतीश कुमार के पारिवारिक संबंध थे। उनके लिए नीतीश कुमार नेता थे। उन्हें नीतीश कुमार से बहुत उम्मीद थी। मैं बिहार की बदहाली के लिए नीतीश कुमार को जिम्मेदार मानती हूं। पारिवारिक संबंध अपनी जगह हैं लेकिन आज भी मैं राजनीतिक रूप से नीतीश कुमार के खिलाफ हूं। वहीं हाल के दिनों में जब नीतीश कुमार की सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों का वेतन भत्ता बढ़ाया था तब पुष्पम प्रिया ने सरकार पर तंज किया था-पंचायत प्रतिनिधियों का मानदेय 2500 से 5000 हजार बढ़ाकर सरकार ने एहसान करने का काम किया है। विधानसभा प्रतिनिधियों को लाखों रुपये वेतन और दूसरे भत्ते और सुविधाएं। वही इसी बिहार में पंचायत जन प्रतिनिधियों को चिल्लर दिया जा रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 31 जनवरी - 2024

गठबंधन की खुलती गांठ

आखिर वही हुआ जिसका डर था। बडी तैयारी से इंडिया गठबंधन के दो साथी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने चंडीगढ़ मेयर का चुनाव एक साथ मिल कर लडा लेकिन बाजी लगी भाजपा के हाथ। भाजपा प्रत्याशी मनोज सोनकर चार वोटों से चुनाव जीत गए हैं। अब इंडिया गठबंधन हाई कोर्ट जाने की तैयारी करते हुए असंतोष जताया है। इसके पहले भी इंडिया गठबंधन में सहयोगी दलों की बयानबाजी से सिर फुटौवल के हालात बन गए हैं। पंजाब से लेकर पश्चिम बंगाल तक सहयोगी दलों के नेता बयान के नाम पर आग के गोले बरसा रहे हैं। इससे साफ है कि गठबंधन में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। नेताओं की इस बयानबाजी का असर कितना और कब दिखेगा यह तो भविष्य ही बताएगा। बहरहाल, इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेता आए दिन जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं उससे साफ है कि साथ चुनाव लडने में उनकी दिलचस्पी कम ही है। इसके बाद भी गठबंधन के कई नेताओं को खुशफहमी है कि अंत में सभी मामले सुलझा लिए जाएंगे और हम एक हो कर चुनाव लडेंगे। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस से बगावत कर बैठी हैं। उन्होंने घोषणा कर दी है कि वह पश्चिम बंगाल में अकेले दम पर चुनाव लड़ेंगी। ममता अपनी पार्टी की सुप्रीमो हैं। वह जब किसी किंतु-परंतु की गुंजाइश रखे बगैर इस तरह का अंतिम लगने वाला बयान देती हैं, तो उसके गहरे मायने निकाले जा सकते हैं। इससे पीछे हटना न केवल मुश्किल बल्कि नुकसानदेह भी हो सकता है। इसी तरह पंजाब के मुख्यमंत्री और आप नेता भगवंत मान ने भी ऐलान कर दिया है कि अन्य राज्यों में चाहे जो भी फॉर्म्युला निकले, लेकिन पंजाब में आप पार्टी कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी। बता दें कि पंजाब में कांग्रेस के नेता पहले से ही आप के साथ गठबंधन का विरोध कर रहे हैं। हालांकि मान का बयान आने के कुछ ही समय बाद AAP की ओर से यह सफाई दी गई कि सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत जारी है और वहां जो सहमति बनेगी पार्टी उसका पालन करेगी। लेकिन भगवंत मान का बयान इतना संकेत तो दे ही देता है कि समझौता हो भी गया तो उसे पंजाब में स्थानीय कार्यकर्ताओं के गले उतारना मुश्किल होगा। अब बात बिहार की। इंडिया गठबंधन के सूत्रधार नीतीश कुमार खुद ही अलग हो कर उसी भाजपा के साथ हो लिए जिसके विरोध में उन्होंने गठबंधन बनाया था। उन्होंने जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने के फैसले के बहाने गठबंधन के पुराने सहयोगी दलों को निशाने पर ले लिया। उन्होंने न केवल इस फैसले के लिए मोदी सरकार की तारीफ की बल्कि यह भी कहा कि आजकल बहुत से लोग अपने परिवार को ही आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं। लेकिन नीतीश कुमार ने कर्पूरी ठाकुर की ही प्रेरणा से कभी अपने परिवार को आगे नहीं बढ़ाया। नीतीश का यह न केवल आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव पर हमला था बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा कांग्रेस नेतृत्व की अक्सर की जाने वाली आलोचना की भी एक तरह से पुष्टि थी। यह बयान ऐसे समय आया है, जब नीतीश कुमार की इंडिया से कथित नाराजगी पहले से ही चर्चा में थी। अब तो नीतीश भाजपा के हो गए हैं तो ऐसे बयानबाजी की उम्मीद तो की ही जा सकती है। बहरहाल, विपक्ष के कई बड़े नेता इन बयानों को नजरंदाज कर दावा करते नहीं थकते कि समय आने पर गठबंधन में सीट बंटवारे पर बातचीत का पॉजिटिव नतीजा सामने आ जाएगा। हकीकत तो यह है कि इस तरह की बयानबाजी न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं को बल्कि आम वोटरों को भी भ्रमित कर रहे हैं। समय रहते अगर इन पर रोक नहीं लगाई गई तो इसका खामियाजा पूरे गठबंधन को भोगना पड़ सकता है।

अयोध्या और राम मन्दिर : नव निर्माण महायोजना

विवेक रंजन श्रीवास्तव

करोड़ों हिन्दुओ की आस्था के प्रतीक भगवान श्रीराम की जन्मस्थली सरयू तट पर बसी अयोध्या पौराणिक नगरी है । अयोध्या नगर अयोध्या जिले उ०प्र० के पूर्वांचल में अक्षांश 26°47'59.08₹ उत्तर और देशांतर 82₹ 12'18.59₹ पूर्व पर स्थित है। अयोध्या, को साकेत के प्राचीन नाम से भी जाना जाता है । राम जन्म भूमि मन्दिर के लिये सदियों के संघर्ष के बाद अंततोगत्वा सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से परिसर का आधिपत्य हिन्दुओ को मिला । स्वाभाविक रूप से मंदिर निर्माण के लिये अपार धन संग्रह विश्व भर से मिले दान से सहज ही हो गया । अब एक ऐसे मंदिर का निर्माण होना था जो युगों युगों तक जन जन के लिये भावनात्मक ऊर्जा का केंद्र बना रहे । विशिष्ट हो और समय के अनुरूप वैश्विक स्तर का हो । न केवल मंदिर वरन समूचे अयोध्या के नव निर्माण हेतु तकनीकी प्लानिंग की गई है । अयोध्या विकास प्राधिकरण ने वर्ष २०३१ तक समूचे अयोध्या के लिये एक महायोजना तैयार की है । पहले चरण में श्रीराम मंदिर के निर्माण हेतु मुख्य वास्तुविद चंद्रकांत बी. सोमपुरा ने न्यूनतम समय में श्रेष्ठ डिजाइन तैयार किया । स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के निर्माण में रुचि ले रहे हैं । मोदी जी की यह विशेषता स्वीकार करने योग्य है कि वे शिलान्यास ही नही करते, न्यूनतम तय समय में उस योजना का उद्घाटन भी करते हैं अर्थात प्राण पन से योजना को पूरा करने की वांछित कार्यवाही चुपचाप समय से करते रहते हैं । मंदिर निर्माण के लिये सुप्रसिद्ध कंपनी लार्सन एंड टुब्रो को कार्य सौंपा गया । राष्ट्रीयता से ओत प्रोत प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स लिमिटेड को परियोजना प्रबंधन का काम दिया गया । राम मंदिर निर्माण का कार्य रामजन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के द्वारा करवाया जा रहा है । आई आई टी चेन्नई, आई आई टी बॉम्बे, आई आई टी गुवाहाटी, सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट रुड़की, एन आई टी सूरत, एन जी आर आई हैदराबाद जैसे संस्थान परियोजना के डिजाईन सलाहकार हैं । इन सबको समवेत स्वरूप में जोड़कर न्यूनतम समय में निर्माण कार्य पुरा करना बड़ी चुनौती थी । दिन रात आस्था और विश्वास के साथ समर्पित भाव से जुटे रहने का ही परिणाम है कि तय समय में मंदिर मूर्त रूप ले सका है । यह नव निर्मित राममंदिर सिविल इंजीनियरिंग का करिश्मा है । इसका निर्माण प्रसिद्ध भारतीय नागर शैली में किया गया है । इस शैली का प्रसार हिमालय से लेकर विंध्य पर्वत माला तक देखा जा सकता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार नागर शैली के मंदिरों की पहचान आधार से लेकर सर्वोच्च अंश तक इसका चतुष्कोण होना है। विकसित नागर मंदिर में गर्भगृह, उसके समक्ष क्रमशः अन्तराल, मण्डप तथा अर्द्धमण्डप होते हैं। एक ही अक्ष पर एक दूसरे से संलग्न इन भागों का निर्माण किया जाता है। नागर निर्माण शैली की चार उपशैलियां होती है। एकायतन शैली, पंचायतन शैली , भूमिज शैली , तथा गुर्जर प्रतिहार शैली । नागर शैली के पुराने अनेकानेक निर्माण नर्मदा नदी के उत्तरी क्षेत्र में हिमालय तक मिलते हैं । इस शैली के निर्मित पुराने प्रमुख मंदिरों में कंदरिया महादेव मंदिर (खजुराहो ,मध्य प्रदेश) , लिंगराज मंदिर , भुवनेश्वर , जगन्नाथ मंदिर , पुरी , सूर्य मंदिर , कोणार्क , मुक्तेश्वर मंदिर , (ओड़िसा) , दिलवाडा के मंदिर - आबू पर्वत (राजस्थान) तथा सोमनाथ मंदिर , सोमनाथ (गुजरात) आदि हैं । राम मंदिर के पत्थरों को आपस में जोड़ने के लिये सीमेंट का उपयोग नहीं किया गया है बल्कि लाक एड की आधार पर ग्रूव कटिंग से पत्थरों को जोड़ा गया है । यह अत्यंत प्राचीन परखी हुई भारतीय तकनीक है । इसी कारण मंदिर की आयु सामान्य भवनो की अपेक्षा बहुत अधिक आकलित की गई है । अयोध्या भूकंप जोन की दृष्टि से सुरक्षित मानी जाती है। क्योंकि यह भूकंपीय जोन 2, 3 के श्रेणी में आती है। अयोध्या में बड़े भूकंप के आने की संभावनाएं बहुत कम है। भूकंप के छोटे-छोटे झटके जरूर महसूस किए जा सकते हैं। फिर भी मंदिर निर्माण में भूकंपरोधी तकनीक का प्रयोग किया गया है । मंदिर परिसर की कुल 70 एकड़ क्षेत्रफल की जमीन ट्रस्ट के पास है । मंदिर का क्षेत्रफल 2.77 एकड़ है । मंदिर की लंबाई 380 फीट , चौड़ाई 250 फीट तथा ऊँचाई 161 फीट है । मंदिर में स्थापित की जा रही राम लला की नई मूर्ति मैसूर के प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई है । मंदिर में नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना मंडप और कीर्तन मंडप इस तरह कुल 5 मंडप हैं। मंदिर की परिधि (परिकोटा) के चारों कोनों पर सूर्यदेव, माँ भगवती, भगवान गणेश और भगवान शिव को समर्पित चार मंदिरों का निर्माण किया जाएगा। उत्तरी दिशा में देवी अन्नपूर्णा का मंदिर होगा और दक्षिणी दिशा में भगवान हनुमान का मंदिर होगा। मंदिर परिसर के भीतर, अन्य मंदिर महर्षि वाल्मिकी, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, राजा निशाद, माता शबरी और देवी अहिल्या के होंगे। मंदिर परिसर में सीता कुंड नामक एक पवित्र कुंड भी होगा। परियोजना के अंतर्गत दक्षिण-पश्चिम दिशा में नवरत्न कुबेर पहाड़ी पर भगवान शिव के प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा और जटायु की एक प्रतिमा स्थापित की जाएगी। धार्मिक आस्था का प्रतीक होने के साथ-साथ, श्री राम मंदिर एक अद्भुत वास्तुशिल्प कृति है। भारत की आध्यात्मिक विरासत और भगवान राम की अमर प्रसिद्धि के जीवित प्रमाण के रूप में, यह मंदिर अयोध्या को भारत की आध्यात्मिक राजधानी बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। राम मंदिर की नींव के डिजाइन में 14 मीटर मोटे रोल्ड कॉम्पैक्ट कंक्रीट को परतदार बनाकर कृत्रिम पत्थर का आकार दिया गया है। फ्लाई ऐश और रसायनों से बने कॉम्पैक्ट कंक्रीट की 56 परतों का उपयोग किया गया है। नमी से बचाव के लिए राम मंदिर के आधार पर 21 फुट मोटा ग्रेनाइट का चबूतरा प्लिंथ) बनाया गया है। मंदिर की नींव के डिजाइन में कर्नाटक और तेलंगाना के ग्रेनाइट पत्थर और बांस पहाड़पुर (भरतपुर, राजस्थान) के गुलाबी बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है। मंदिर परियोजना में दो सीवेज शोधन संयंत्र, एक जल शोधन संयंत्र , विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था , की गई है। यह तीन मंजिला मंदिर भूकंपरोधी है। आकाशीय बिजली से बचाव के लिये मंदिर में तड़ित चालक लगाया गया है । मंदिर में 392 स्तंभ और 44 दरवाजे हैं। दरवाजे सागौन की लकड़ी से बने हैं और उन पर सोने की परत चढ़ायी गई है। मंदिर संरचना की अनुमानित आयु 2500 वर्ष आकलित की गई है। मंदिर में लगाया गया घंटा अष्टधातु सोना, चांदी, तांबा, जस्ता, सीसा, टिन, लोहा और पारे से बनाया गया है। घंटे का वजन 2100 किलोग्राम है। घंटी की आवाज 15 किलोमीटर दूर तक सुनी जा सकेगी ऐसा अनुमान है। इस मंदिर में बहुत कुछ विशिष्ट और विश्व में प्रथम तथा रिकार्ड है ।

अयोध्या महायोजना में पर्यटन , रोजगार , स्वास्थ्य , अग्निशमन , जल प्रदाय , जलनिकासी , जल परिवहन , सरयू के किनारों के सौंदर्यीकरण ,रेनवाटर हार्वेस्टिंग , आवागमन , भूमिगत जल मल निकासी , भूमिगत विद्युतिकरण , सौर्य ऊर्जा के प्रयोग , चौदह कोसी परिक्रमा , पंचकोसी परिक्रमा , अंतर्ग्रही परिक्रमा , अदि परिक्रमा पथों के विकास , हेरिटेज मंदिरो हनुमान गढ़ी , कालाराम मंदिर , त्रेता के ठाकुर , कनक भवन , गुप्तार घाट , चक्रहरि मंदिर आदि के विकास , रामनवमी मेला तथा श्रावण झूला मेला तथा रामलीला आयोजन आदि अन्य मेलों के सामय समय पर आयोजन , आपदा प्रबंधन , फिल्म निर्माण सुविधायें , जन सुविधायें , स्वच्छता , कचरा प्रबंधन , मनोरंजन , बाजार तथा औद्योगिक क्षेत्रो का सम्यक विकास , सूचना प्रबंधन आदि प्रत्येक बिन्दु पर पूरा ध्यान दिया गया है । महायोजना के पूरा हो जाने के साथ अयोध्या विश्व स्तर का श्रेष्ठतम धार्मिक नगर बन कर विशिष्ट पहचान बनायेगा ।

काश, निर्दयी माँ की 'सूचना' आखिरी होती..!

ऋतुपर्ण दवे

कोई माँ भला कैसे निर्दयी हो सकती है? क्रूर हो सकती है? कैसे अपने जिगर के टुकड़े को बैग में पैक कर सड़क रास्ते लंबे सफर पर बेखौफ निकल सकती है? इसके जवाब मनोचिकित्सकों के पास अपने-अपने ढ़ंग के और अलग भी हो सकते हैं। लेकिन गोवा में एक आम नहीं बल्कि बेहद खास वो माँ जिसने देश-दुनिया को अपनी सफलता से आकर्षित किया निर्दयता और क्रूरता की सारी हदें पार कर जाए तो हैरानी होती है। गोवा में जघन्य हत्याकाण्ड ने जहां हर किसी को झकझोरा वहीं कई सवाल भी खड़े कर दिए। बेहद पढ़ी-लिखी माँ जिसे दुनिया आदर्श समझती थी वही अपराधी निकले? सवाल यकीनन कचोटने वाला है। लेकिन जवाब आसान भी नहीं है।

पति-पत्नी के रिश्तों में तल्खी आना असामान्य नहीं है। लेकिन ऐसा भी क्या नफरत जो इसकी बलि बेदी पर खुद का मासूम चढ़ा दिया जाए? निश्चित रूप से बेकाबू गुस्सा, सोचने, समझने की शक्ति पर नियंत्रण खोना इंसान को कितना हैवान बना देता है। तमाम घटनाओं से यही समझ आता है। लेकिन सूचना सेठ ने जिस शातिराना अंदाज में अपनी इकलौती संतान को मौत की नींद सुलाया वह बेहद अलग और चिंतानीय है। जैसा कि खुलासों से पता चला बच्चे को अत्याधिक कफ सिरप पिलाकर बेसुध कर उसका दम घोंट मौत की नींद सुला दिया गया। लाश बैग में भर आधी रात को बड़े बेखौफ अंदाज में बेधड़क होटल के रिशेप्शन पर कैब ड्राइवर को पकड़ाना और सड़क रास्ते गोवा से बैंगलुरू के लंबे सफर पर निकलना किसी हॉरर स्टोरी से कम नहीं है। रास्ते भर चुप्पी और सामान्य के हाव-भाव बनाए रखना। 12 घंटे लाश के साथ सफर करना यकीनन बेदिल कातिल का ऐसा शातिराना अंदाज था जैसे वो इंसान नहीं ए आ ई (आ र्टी फी सि य ल इण्टेलीजेंस) हो। हत्यारिन मां की सारी करतूतें बेहद हैरत अंगेज है। गनीमत रही कि जहां होटल स्टाफ को संदेह हुआ वहीं कैब ड्राइवर भी परेशान था कि हवाई यात्रा के मुकाबले बेहद लंबे सफर पर निकली महिला इतनी शांत और सहज कैसे? शक और कमरे में मिले सबूतों की बिना पर होटल वाले पुलिस को इत्तला करते हैं। पुलिस कैब वाले से कोऑर्डिनेट करती है। कैब ठिकाने के बजाय थाने पहुंच जाती है। वहां बैग में कपड़ों के बीच छुपा चार साल के मासूम का शव मिलता है। इस तरह एक बेमिशाल महिला के हाथों हुए क्रूरतम हत्याकाण्ड से हर कोई सन्न रह जाता है। न जाने कितनी निर्दयी माताओं की कैसे-कैसे क्रूरतम वारदातें सुनीं और देखीं। लेकिन एआई के जरिए 'माइंडफुल एआई लैब' से कृत्रिम आदर्श और नैतिकता का आधुनिक पाठ पढ़ाने वाली सूचना सेठ ने कैसा घटिया माइंड गेम खेला जिससे हर कोई स्तब्ध है। उसके अनैतिक कारनामे की जितनी भी निन्दा की जाए कम है और कठोर से कठोर सजा भी नाकाफी है। कोई अपढ़, ठेठ गंवई, दकियानूसी होता तो थोड़ा समझ भी आता। लेकिन एक पढ़ी लिखी असाधारण महिला जिसकी बेहद तगड़ी प्रोफाइल हो। एक कंपनी की सीईओ और हार्वर्ड की रिसर्च फेलो हो। जिसका नाम । जिसका नाम 2021 की एआई एथिक्स में टॉप 100 ब्रिलियंट महिलाओं में शुमार हो। जिसने दो साल बर्कमैन क्लेन सेण्टर में एक सहयोगी का काम किया और बोस्टन, मैसाचुसेट्स में एआई तथा रिस्पॉन्सिबल मशीन लर्निंग में भी अपना योगदान दिया। बैंगलुरू प्रतिष्ठित कंपनी में डेटा साइंटिस्ट का काम कर चुकी हो जिसने दो पेटेंट भी दाखिल किए हों। जिसके पास कलकत्ता यूनिवर्सिटी की भौतिक शास्त्र की स्पेशलाइजेशन की डिग्री हो और जो वहां की 2008 की टॉपर हो वो ऐसा करे तो हैरानी की हदें भी पार होना स्वाभाविक है। बंगाल की सूचना के पति वेंकट रमन बड़े इंडोनेशियाई कारोबारी हैं। 2010 में दोनों ने प्रेम विवाह किया लेकिन जल्द ही रिश्ते बिगड़ गए। तल्खी बढ़ते-बढ़ते अदालत की चौखट तक जा पहुंची जो आखिरी मुकाम पर है। अदालत ने हर रविवार को बेटे को पिता से मिलने की इजाजत क्या दी यही सूचना सेठ को नागवार गुजरी। उसके एआई पैटर्न के ब्रेन ने जबरदस्त चाल चली। कत्ल से पहले बेटे से बैंगलुरू में मिलने का संदेश देकर पति को गुमराह किया और खुद बेटे को लेकर गोवा आ गई। बेटा पिता से न मिल सके इस प्रतिशोध में सूचना धधक रही थी। एक सक्षम एन्टरप्रेन्योर होकर भी पति से ढ़ाई लाख रुपए हर माह गुजारा भत्ता भी चाहती थी। शायद सूचना बेहद प्रतिभाशाली होकर भी अकेलेपन का शिकार थी और खुद के बुध्दिमान होने का भ्रम पाले घृणित आपराधिक विकृति के गिरफ्त में जकड़ चुकी थी। बेटे की हत्या का उसे कोई पश्चाताप नहीं है। बेटे का कुसूर बस इतना था कि उसकी शक्ल पिता से मिलती थी जो सूचना को सालता था। कैसी विकृत सोच थी? नासमझ माँ में भी ममता होती है। जानवर तक संतान को बचाने खूंखार हो जाते हैं। उसमें ईर्ष्या, द्वेष की कैसी-कैसी विकृत मानसिकता पनपी जिसका उदाहरण सामने है। आखिर समाज किस दिशा में जा रहा है? पैसा या रंजिश अपराधों के पीछे? अकेलापन, आपसी मेल-जोल की कमीं, बिखरता समाज और हाथ में सिमटे मोबाइल से एकाकी बनता जीवन, सामाजिक ताना-बाना बिखेर लोगों को लोगों से अलग कर रहा है। एक वो जमाना था जब संयुक्त परिवार शान थी। गांवों में सांझा चूल्हा जलता जिसमें सबका खाना साथ पकता। रोज का हंसना, मिलना, उठना, बैठना और सबके सुख-दुख में बराबरी से शरीक होना, किसी मुसीबत या अनबन पर मिल जुलकर हल निकालने से कभी अकेलापन, डिप्रेशन या असुरक्षा की भावना महसूस नहीं होती थी। आज तरक्की के बीच वो समाज है जिसमें टूटते संयुक्त परिवार की जगह अकेले परिवार हैं जो दिखावे का झूठा मुलम्मा ओढ़ रिश्तों की अहमियत को दरकिनार कर दिनों दिन बेहद खोखले होकर टूटते जा रहा हैं। यही वजह है जो बड़े और हाई प्रोफाइल भी घटिया से घटिया काण्ड कर बैठते हैं। काश कुछ वक्त टीवी, मोबाइल के स्क्रीन के अलावा घर, परिवार, समाज के लिए भी निकाला जाता जिससे इंसान को इंसान से जोड़े रखने वाली कड़ियां बिखरने न पातीं। इस दिशा में सबको सोचना होगा और रास्ता निकालना ही होगा। कितना अच्छा होता कि गोवा काण्ड की सूचना समाज के लिए आखिरी होती।

क्या विदेश में सपने देखने का पासपोर्ट नए क्षितिज खोज पायेगा?

प्रियंका सौरभ

उत्तर प्रदेश और हरियाणा सरकारों ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) की मदद से मुख्य रूप से निर्माण गतिविधियों के लिए इज़राइल जाने के लिए लगभग 10,000 श्रमिकों की भर्ती की प्रक्रिया आज जरुरी चर्चा का विषय है। उत्तर प्रदेश और हरियाणा सरकारों ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) की मदद से मुख्य रूप से निर्माण गतिविधियों के लिए इज़राइल जाने के लिए लगभग 10,000 श्रमिकों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एनएसडीसी वेबसाइट इसे ₹विदेश में सपने देखने का पासपोर्ट और इजरायल में नए क्षितिज खोजने का मौका बताती है। प्लास्टरिंग श्रमिकों के लिए 2,000 रिक्तियां, सिरेमिक टाइल श्रमिकों के लिए 2,000, और लौह झुकने और फ्रेम श्रमिकों के लिए 3,000 रिक्तियां हैं, जिनका मासिक वेतन लगभग 1.37 लाख (6,100 इज़राइली शेकेल) है। ऐसे में बहुत से सवाल जवाब ढूंढ़ रहें है जैसे- क्या भारत सरकार इजरायल के श्रम मानकों से संतुष्ट है। क्या इजरायल में श्रम कानून बहुत सख्त और मजबूत हैं।

क्या यह देश आर्थिक सहयोग और विकास संगठन का सदस्य देश है। क्या यहाँ श्रम कानून ऐसे हैं जो प्रवासी अधिकारों, श्रम अधिकारों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। क्या भारत सरकार भी विदेश में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा के सचेत है। घरेलू दरों की तुलना में काफी अधिक दावा की गई कमाई के साथ, यह प्रयास यूपी और हरियाणा के कुशल और अर्ध-कुशल लोगों को रोजगार की आकर्षक संभावनाएं प्रदान कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप अधिक धन प्रेषण हो सकता है, गरीबी में कमी आ सकती है और घर वापस आने वाले परिवारों के लिए बेहतर रहने की स्थिति हो सकती है। भर्ती प्रक्रिया में कौशल मूल्यांकन और निर्देश की आवश्यकता हो सकती है, जो आवेदकों को कौशल प्रदान कर सकता है और भारत और इज़राइल में उनकी रोजगार क्षमता में सुधार कर सकता है। यह समझौता इज़राइल और भारत के बीच राजनयिक और वाणिज्यिक सहयोग के लिए भविष्य के अवसरों को सुविधाजनक बना सकता है। भारतीय मजदूरों की सुरक्षा और सुरक्षा को लेकर चिंताएं होती हैं जब एक बड़ी श्रम शक्ति को ऐसे क्षेत्र में भेजा जाता है जहां हिंसा अभी भी भड़क रही है। इज़राइल और फ़िलिस्तीन अपनी अस्थिर राजनीतिक स्थितियों के कारण संभावित हिंसा और अशांति के प्रति संवेदनशील हैं। कमजोर श्रमिक, विशेष रूप से अपर्याप्त भाषा कौशल और इज़राइली श्रम नियमों के बारे में जागरूकता वाले, बेईमान बिचौलियों या नियोक्ताओं द्वारा फायदा उठाया जा सकता है। निम्न जीवन स्थितियों, वेतन विवादों और भेदभाव की संभावना को संभालना आवश्यक है। कुछ लोगों का तर्क है कि किसी संघर्ष में उलझे देश में प्रवासन में सहायता करते समय नैतिक मुद्दे भी होते हैं। ऐसे काम करने के लिए लोगों को काम पर रखने की नैतिकता को लेकर विवाद है जो संघर्ष के क्षेत्रों में परिचालन को अप्रत्यक्ष रूप से वित्तपोषित कर सकता है। ट्रेड यूनियनों ने उत्प्रवास अधिनियम के तहत उत्प्रवास नियमों का हवाला देते हुए इस कदम का विरोध किया है। वे इस रोजगार अभियान को कानूनी रूप से चुनौती देने की योजना बना रहे हैं। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने मीडिया को बताया कि ऐसा कदम संघर्ष क्षेत्रों से नागरिकों को वापस लाने के भारतीय लोकाचार के खिलाफ है। ट्रेड यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार इज़राइल को खुश करने के लिए अपनी ₹नफरत की राजनीति₹ को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं और श्रमिकों के बीच बेरोजगारी का इस्तेमाल कर रही है। विदेश जाने वाले श्रमिकों के लिए भारत में बने नियम कहते है कि संघर्ष क्षेत्रों या अपर्याप्त श्रम सुरक्षा वाले स्थानों पर जाने वाले श्रमिकों को विदेश मंत्रालय के 'ई-माइग्रेट' पोर्टल पर पंजीकरण कराना आवश्यक है। उत्प्रवास जांच आवश्यक योजना के तहत जारी किए गए पासपोर्ट अफगानिस्तान, बहरीन, इंडोनेशिया, इराक, जॉर्डन, सऊदी अरब, कुवैत, लेबनान, लीबिया, मलेशिया, ओमान, कतर, दक्षिण सूडान सहित 18 देशों की यात्रा करने वाले श्रमिकों को कवर करते हैं। इज़रायल इस सूची में नहीं है। गाजा पर इज़रायल के हमले के कारण इज़रायल जाने वालों के लिए 'ई-माइग्रेट' प्रणाली का उपयोग नहीं किया जाएगा। नियमों के अनुसार, कोई भी भर्ती एजेंट श्रमिकों से 30,000 से अधिक सेवा शुल्क नहीं लेगा। वर्ष, 2019 में विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की एक रिपोर्ट में केंद्र से एक 'प्रवासन नीति' का मसौदा तैयार करने के लिए कहा गया था।

राष्ट्रीय आस्था का मापदंड धार्मिक या व्यक्तिगत पहचान नहीं हो सकता

गौतम चौधरी

अभी कुछ दिन पहले उत्तराखंड के दुर्गम इलाके में एक ध्वस्त सुरंग में फंसे 41 निर्माण श्रमिकों को बचाने में जिस प्रकार देश के हर वर्ग का समर्थन और सहयोग मिला, उससे एक बार फिर साबित हो गया कि हमारी एकता अद्भुत है। इस घटना के दौरान कुछ ऐसा हुआ जिससे देश की एकजुटता और अटूट समर्पण का असाधारण प्रदर्शन सामने आया। दुनिया ने देखा कि उस चुनौती का सामना केवल तकनीक और विशेषज्ञता के बल से नहीं किया गया अपितु विविध कार्यबल का लचीलापन, वीरता और एकता ने भी समान भूमिका निभाई। उस कठिन घड़ी में हमारे देश के मुसलमान सदा की तरह हमारे साथ कदम से कदम मिला कर चल रहे थे। अधिकतर स्थानों पर तो वे नायक की भूमिका में दिखे। उन नायकों में कई गुमनाम हैं लेकिन उन्होंने वही किया जो एक देश के नागरिक को अपने भाई, बंधु-बांधवों के लिए करना चाहिए। यह कठिन अभियान बीते वर्ष 12 नवंबर को शुरू हुआ, जब भूस्खलन के कारण श्रमिक सुरंग के अंधेरे दायरे में फंस गए थे। कई असफलताओं और उन्नत मशीनों की विफलता के बाद भी हमारे विशेषज्ञ लगातार प्रयास करते रहे। विशेषज्ञों के समूह ने हार नहीं मानी। वे लगातार प्रयास करते रहे और पूरे देश की आशा का केन्द्र बने रहे। इस दृढ़ संकल्पित समूह में मुन्ना कुरैशी, फिरोज अंसारी, नसीम अंसारी, इरशाद सैफी, राशिद अंसारी, वकील अहमद, नासिर इदिरेसी, जतिन लोधी और अंकुर जयवाल जैसे व्यक्तिय शामिल थे। इस टीम ने न केवल अपनी सिद्धस्तता साबित की अपितु राष्ट्रीय एकता का भी परिचय दिया। विशेषज्ञों की इस टीम ने यह भी साबित कर दिया कि जब हमारे ऊपर चुनौती आती है तो हम अपने आपसी गतिरोध को खत्म कर पहले उन चुनौतियों का सामना करते हैं और उसमें हम सब एक हो जाते हैं और जब एक होकर उस चुनौती का सामना करते हैं तो अंततः जीत हमारी ही होती है। उस घटना के दौरान बचाव अभियान में मुस्लिम कार्यकर्ताओं की अटूट प्रतिबद्धता ने बाधाओं को पार करते हुए अपने गैर-मुस्लिम समकक्षों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। इन व्यक्तियों ने अपनी मातृभूमि के प्रति अपनी निष्ठा प्रदर्शित की जो भारत की विविधता में एकता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री के एकता के आह्वान की भावना से प्रेरित होकर, असंभव कार्य वास्तविकता में बदल गया।

विशेष रूप से, इन नायकों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पसमांदा मुस्लिम समुदाय (एक समूह जिसे अक्सर अशरफ केंद्रित राजनीति द्वारा नजरअंदाज किया जाता रहा है।) का था। जब सुरंग में फंसे श्रमिकों का परिवार प्रत्याशा में था, ये लोग उत्सुकता से अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे थे, ठीक उसी समय इन नायकों के समूह ने प्राकृतिक और दैवीय बाधाओं को पार कर अपने साथियों को टनल से बाहर निकाल लिया। इसमें विशेषज्ञों की जान भी जा सकती थी लेकिन उन्होंने इसकी परवाह नहीं की। उन्होंने यह भी नहीं सोचा कि इसमें कौन लोग फंसे हैं। उन्हें तो बस यही पता था कि अंदर फंसे हुए श्रमिक हमारे अपने हैं और उन्हें किसी भी कीमत पर टनल से बाहर निकालना है।

बदलेंगे हम.. मूल्य नहीं

डॉ टी महादेव राव

राजनीति के मूल्यों में गिरावट हुई है।"

" बड़ी बात कह दी तुमने? राजनीति में या कहीं और मूल्य कभी भी नहीं गिरते। जिसका मूल्य या सिद्धान्त उसी से चिपका और सुरक्षित रहता है। समय, मान्यताएं और परिस्थितियों के अनुसार मौजूद सिद्धांतों का भार वहन करने वालों का मूल्य बदलता रहता है, बस! लेकिन अचानक यह सब क्यों याद आया?" " मूल्यों की दुहाई देते व्यक्ति विरोधी पार्टी के साथ मिलकर, अपना पद बरकरार रखने और दस इंच अपनी ऊंचाई बढ़ाकर, कुछ भी कहते जाए - तो मान सम्मान को क्षति पहुंचेगी कि नहीं? राजनीति ने धन, मान, प्राण की रक्षा के लिए बहुत दूर तक जाया जाता है। है न? उस तरह के पुराने हिसाब कुछ सुधार रहे होंगे- ऐसा सोचें। यह सब बाहरी तौर पर स्पष्ट न होने वाले अस्पष्ट युद्ध के भाग हैं। राजनीति में बहुत सी कार्यवाहियों का कारण पर्दे के पीछे के कार्य और रहस्य ही होते हैं। मन में कुछ और बाहर कुछ और तो होता ही है। किसी भी नेता का, किसी पार्टी में नाम, सम्मान, अभिनंदन, अपनापन और भारी इज्जत तब तक कायम रहते हैं जब तक वह इस पार्टी में है। बाहर हुआ मतलब शत्रु-वर्ग में चला गया। फिर काहे की आत्मीयता और काहे का सम्मान? तब तक सज्जन सा अपना साथी बाहर जाते ही भ्रष्टाचारी हो जाता है, शोषण करने वाला स्वार्थी बन जाता है – इन गलत निंदारोपण का मुकुट उसे सिर पर धरना होता है। उसे अपने पीछे आते आरोप, मुकदमे, गिरफ्तारियां झेलने होती हैं। यही नहीं सारे देश में यही सब हो रहा है।""ठीक कहते हो कि सिद्धांतों और मूल्यों के बारे में बात करना बेकार है लेकिन हमारे पुराने नेता क्या जीवन भर मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध थे कि नहीं?" "पुराने जमाने में रेल दुर्घटना में लोग मर गए तो मंत्री पद को त्यागने वाले महापुरुष रहा करते थे। यही बात अब आप कहो तो क्या जवाब मिलेगा जानते हो? इस तरह इस्तीफे देते फिरेंगे तो कोई राजनीतिक नेता देश में बचेगा ही नहीं कहते हुए व्यंग्य करेंगे। इस तरह अगर आज के जमाने में किसी मंत्री का इस्तीफा लेना है, तो कितनी बड़ी दुर्घटना होनी चाहिए, कितने जन प्राण गंवाने होंगे कल्पना करो।" "तो कहने का मतलब समय और परिस्थितियों के हिसाब से मूल्य या सिद्धांत बदल गए?" "मूल्य या सिद्धांत जो हैं, वे अचल हैं, स्थिर हैं, जबकि उसे ढोने वाला पदार्थ चल है चलायमान है। समय बदले, प्रदेश बदले, तब भी सिद्धांत या मूल्य वही रहता है। बस उसे देखने के नजरिए और उसे अपनाने के तरीके में अंतर होता है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ा लिखा अफगानिस्तान का पूर्व मंत्री समय की मार से जर्मनी में साइकिल पर खाना पहुंचाने के काम में लगा हुआ है और पूरी शांति से जी रहा है। हमारे अपने देश में इसकी कल्पना भी क्या की जा सकती है?

बिना सूंड वाले भगवान गणेश का मंदिर

गणपति को विघ्नहर्ता कहा जाता है। उनकी सूंड दाईं ओर है ये फिर बाईं ओर है इसका प्रभाव पूजा और मनोकामना की पूर्ति पर भी पड़ता है। लेकिन भारत में एक ऐसा मंदिर भी है जहां बिना सूंड वाली गणपति की मूर्ति विराजमान है। ये प्राचीन मंदिर भारत में इतना प्रसिद्ध है कि हर साल लाखों श्रद्धालू दूर-दूर से यहां माथा टेकने आते हैं। ये मंदिर राजस्थान की राजधानी जयपुर में है। गढ़ गणेश के नाम से प्रसिद्ध इस मंदिर का इतिहास क्या है आइए जानते हैं।

राजस्थान के गढ़ गणेश मंदिर का इतिहास

इतिहास के जानकारों द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार गढ़ गणेश मंदिर महाराजा सवाई जयसिंह ने बनवाया था। नाहरगढ़ की पहाड़ी पर अश्वमेघ यज्ञ करवा कर गणेश जी के बाल स्वरूप वाली इस प्रतिमा की स्थापना करीब 350 साल पहले करवायी गयी थी। कहते हैं इस मंदिर की स्थापना के बाद ही जयपुर शहर की नींव रखी गयी थी। इस मंदिर के शीर्ष से पूरा जयपुर शहर एकसाथ देखा जा सकता है। मंदिर में गणपति की प्रतिमा को इस तरह स्थापित किया गया है कि इसे सिटी पैलेस के इंद्र महल से आप दूरबीन से साफ देख सकते हैं। कहते हैं इंद्र महल से महाराजा दूरबीन से भगवान के दर्शन किया करते थे।

इस मंदिर के निर्माण में सीढ़ियों की भी एक कहानी है। गढ़ गणेश मंदिर में 365 सीढ़ियां हैं कहते हैं जब मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है तो एक दिन में एक सीढ़ी का निर्माण किया जाता था और इस तरह से इन सीढ़ियों का काम 365 दिन यानि एक साल में पूरा हुआ। जब आप मंदिर में दर्शन करने जाते हैं तो आप ये सारी सीढ़ियां चढ़ते हैं। इश तरह से आप भगवान की 12 महीने 365 दिनों की आराधना एक ही दिन में कर लेते हैं।

गढ़ गणेश के मंदिर की ओर जाते समय रास्ते में शिव भगवान का एक प्राचीन मंदिर भी आता है जिसमें वो अपने परिवार के साथ विराजमान हैं। कहते हैं अगर आप इस मंदिर में होते हुए भगवान गणेश के दर्शन करने जाते हैं तो गढ़ गणेश मंदिर में मांगी हर मनोकामना जल्द पूरी होती है। इस मंदिर में गणेश के बालरूप को पूजा जाता है जिस वजह से इनकी सूंड नहीं है। ये भारत का एकमात्र ऐसा मंदिर है जिसमे गणेश जी बिना सूंड के विराजमान हैं।

गढ़ गणेश मंदिर के परिसर में दो चूहे स्थापित है जिनके कान में भक्त अपनी मनोकामना बताते हैं मान्यता है कि चूहे उन इच्छाओं को बाल गणेश तक पहुंचाते है। जिससे भक्तगणों की हर मुराद पूरी होती है। सच्चे मन से मांगी हर मुराद पुरी होने का दावा यहां आए कई भक्त करते हैं।

हम धुएं को देख कर ही वापस लौट आते हैं

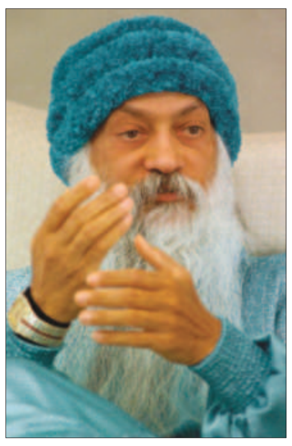

आने वाले तीन दिनों में जीवन की संपदा पर ये थोड़ी सी बातें मुझे कहनी हैं। लेकिन जो लोग जीवन की संपदा को पत्थर मान कर बैठ गए हैं, वे कभी आंख खोल कर देख पाएंगे कि जिन्हें उन्होंने पत्थर समझा है वे हीरे-माणिक हैं, यह बहुत कठिन है। और जिन लोगों ने जीवन को पत्थर मान कर फेंकने में ही समय गंवा दिया है, अगर आज उनसे कोई कहने जाए कि जिन्हें तुम पत्थर समझ कर फेंक रहे थे वहां हीरे-मोती भी थे, तो वे नाराज होंगे, क्रोध से भर जाएंगे। इसलिए नहीं कि जो बात कही गई वह गलत है, बल्कि इसलिए कि यह बात इस बात का स्मरण दिलाती है कि उन्होंने बहुत सी संपदा फेंक दी है।

लेकिन चाहे हमने कितनी ही संपदा फेंक दी हो, अगर एक क्षण भी जीवन का शेष है तो फिर भी हम कुछ बचा सकते हैं और कुछ जान सकते हैं और कुछ पा सकते हैं। जीवन की खोज में कभी भी इतनी देर नहीं होती कि कोई आदमी निराश होने का कारण पाए।लेकिन हमने यह मान ही लिया है–अंधेरे में, अज्ञान में–कि जीवन में कुछ भी नहीं है सिवाय पत्थरों के! जो लोग ऐसा मान कर बैठ गए हैं, उन्होंने खोज के पहले ही हार स्वीकार कर ली है।

मैं इस हार के संबंध में, इस निराशा के संबंध में, इस मान ली गई पराजय के संबंध में सबसे पहली चेतावनी यह देना चाहता हूं कि जीवन मिट्टी और पत्थर नहीं है। जीवन में बहुत कुछ है। जीवन के मिट्टी-पत्थर के बीच भी बहुत कुछ छिपा है। अगर खोजने वाली आंखें हों, तो जीवन से वह सीढ़ी भी निकलती है जो परमात्मा तक पहुंचती है।

इस शरीर में भी–जो देखने पर हड्डी, मांस और चमड़ी से ज्यादा नहीं है–वह छिपा है जिसका हड्डी, मांस और चमड़ी से कोई भी संबंध नहीं है। इस साधारण सी देह में भी–जो आज जन्मती है, कल मर जाती है और मिट्टी हो जाती है–उसका वास है जो अमृत है, जो कभी जन्मता नहीं और कभी समाप्त भी नहीं होता है। रूप के भीतर अरूप छिपा है; और दृश्य के भीतर अदृश्य का वास है; और मृत्यु के कुहासे में अमृत की ज्योति छिपी हुई है। मृत्यु के धुएं में अमृत की लौ भी छिपी हुई है, वह फ्लेम, वह ज्योति भी छिपी हुई है, जिसकी कोई मृत्यु नहीं है।

लेकिन हम धुएं को देख कर ही वापस लौट आते हैं और ज्योति को नहीं खोज पाते हैं। या जो लोग थोड़ी हिम्मत करते हैं, वे धुएं में ही खो जाते हैं और ज्योति तक नहीं पहुंच पाते हैं। यह यात्रा कैसे हो सकती है कि हम धुएं के भीतर छिपी हुई ज्योति को जान सकें, शरीर के भीतर छिपी हुई आत्मा को पहचान सकें, प्रकृति के भीतर छिपे हुए परमात्मा के दर्शन कर सकें? यह कैसे हो सकता है? उस संबंध में ही तीन चरणों में मुझे बात करनी है।

पहली बात, हमने जीवन के संबंध में ऐसे दृष्टिकोण बना लिए हैं, हमने जीवन के संबंध में ऐसी धारणाएं बना ली हैं, हमने जीवन के संबंध में ऐसा फलसफा खड़ा कर रखा है कि उस दृष्टिकोण और धारणा के कारण ही जीवन के सत्य को देखने से हम वंचित रह जाते हैं। हमने मान ही लिया है कि जीवन क्या है–बिना खोजे, बिना पहचाने, बिना जिज्ञासा किए। हमने जीवन के संबंध में कोई निश्चित बात ही समझ रखी है। हजारों वर्षों से हमें एक ही बात मंत्र की तरह पढ़ाई जा रही है कि जीवन असार है, जीवन व्यर्थ है, जीवन दुख है। सम्मोहन की तरह हमारे प्राणों पर यह मंत्र दोहराया गया है कि जीवन व्यर्थ है, जीवन असार है, जीवन दुख है, जीवन छोड़ देने योग्य है। यह बात, सुन-सुन कर धीरे-धीरे हमारे प्राणों में पत्थर की तरह मजबूत होकर बैठ गई है। **(क्रमशः)**

आप भी ब्रह्म मुहूर्त में तोड़ते हैं तुलसी के पत्ते?

कई औषधियों में तुलसी का उपयोग किया जाता है। तुलसी के पत्ते तोड़ने को लेकर विशेष जानकारी दी गई है। तुलसी के पौधे की पूजा करते हैं, इसी कारण से इसे तोड़ने के भी नियम बताए गए हैं। हिंदू धर्म में ऐसा कहा जाता है कि तुलसी दिन में तोड़ी जाती है, रात में नहीं। आइए जानते हैं दिल्ली निवासी ज्योतिष आचार्य पंडित आलोक पाण्या से कि तुलसी तोड़ने के क्या नियम होते हैं? क्या ब्रह्म मुहूर्त में तुलसी के पत्ते तोड़ना शुभ माना जाता है?

तुलसी के पत्ते तोड़ने के नियम

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी के पत्ते ब्रह्ममुहूर्त में तोड़ना शुभ माना जाता है, लेकिन इसके लिए कुछ नियम हैं। तुलसी तोड़ने से पहले मंत्र जाप करना चाहिए। उसके बाद ही तुलसी के पत्ते तोड़ने चाहिए। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो यह आपकी कोई मनोकामनाएं पूरी करने में सहायक हो सकता है।

ब्रह्म मुहूर्त में तुलसी के पत्ते तोड़ने के नियम अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में तुलसी के पत्ते तोड़ रहे हैं तो सबसे पहले स्नान करें। उसके बाद अपने इष्टदेव की पूजा करें। उसके बाद तुलसी के पेड़ की पूजा करें और पहली बार में केवल 21 पत्तों को ही तोड़े। ऐसा करने से आपके जीवन में खुशियों की सौगात मिल सकती है।

मंत्रों का जाप

तुलसी के पत्ते तोड़ने से पहले मंत्रों का जाप जरूर करें। तुलसी में जल चढ़ाने के दौरान 21 बार इस मंत्र का जाप करें। **'ॐ-ॐ' मंत्र बहुत लाभकारी माना गया है। तुलसी के पत्ते तोड़ने का मंत्र है- ॐ सुभद्राय नमः, मातस्तुलसि गोविन्द हृदयानन्द कारिणी, नारायणस्य पूजार्थं चिनोमि त्वां नमोस्तुते।।**

तुलसी में जल चढ़ाने के क्या फायदे हैं?

तुलसी में जल चढ़ाने से घर में पॉजिटव एनर्जी मिलती है। पत्तो में सिंदूर लगाना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि इससे आर्थिक समस्या का समाधान होता है। तुलसी भगवान विष्णु को बेहद प्रिय होती है। पूजा के समय घर में दीपक लगाने से भी सुख और सृद्धि मिलती है।

10 साल बाद शुक्र ग्रह बनाएंगे 'केंद्र त्रिकोण राजयोग'

इन राशियों को आकस्मिक धनलाभ के साथ तरक्की के प्रबल योग

मिथुन राशि

आप लोगों के लिए केंद्र त्रिकोण राजयोग लाभकारी साबित हो सकता है। क्योंकि शुक्र ग्रह आपकी राशि से कर्म भाव पर विचरण करने जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपको काम- कारोबार में अच्छी सफलता मिलेगी। साथ ही वित्तीय स्थिरता पहले से ही आपके पक्ष में है, और करियर की संभावनाएं उज्ज्वल दिख रही हैं। लंबे समय से लंबित परियोजनाएं साकार होने वाली हैं। वहीं अगर आप कारोबार हैं, तो कोई बड़ी व्यवसायिक डील फाइनल हो सकती है। जिससे आपको भविष्य में लाभ हो सकता है। वहीं इस दौरान आपके पिता के साथ संबंध अच्छे रहेंगे।

कर्क राशि

केंद्र त्रिकोण राजयोग कर्क राशि के जातकों को अनुकूल सिद्ध हो सकता है। क्योंकि शुक्र ग्रह आपकी राशि से नवम भाव पर भ्रमण करने जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपका भाग्योदय हो सकता है। साथ ही आपके जो कार्य रुके हुए थे वो बन सकते हैं। वहीं आपको कई अलग-अलग क्षेत्रों में अच्छे अवसर मिलेंगे। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि देखने को मिलेगी। साथ ही आप काम-कारोबार के संबंध से यात्रा भी कर सकते हैं, जो शुभ रहेंगी। वहीं यह अवधि छात्रों के लिए शुभ रहेगी। मतलब छात्र किसी प्रतियोगी परीक्षा में पास हो सकते हैं।

कुंभ राशि

आप लोगों के लिए केंद्र त्रिकोण राजयोग शुभ साबित हो सकता है। क्योंकि शुक्र ग्रह आपकी राशि से धन और वाणी स्थान पर संचरण करन जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपको आकस्मिक धन की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। वहीं आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और वित्तीय लाभ दिलाएगी। साथ ही आपके व्यक्तित्व में निखार देखने को मिलेगा। साथ ही इस समय आपकी दैनिक इनकम में भी बढ़ोतरी होगी।

प्रियजनों को गृहप्रवेश के दौरान न करें ये गिफ्ट

लोहे के शोपीस

सुंदरता में इजाफा करने के लिए बाजार में आज-कल बहुत तरह के गिफ्ट्स देखने मिलते हैं। इन्हीं में से एक है लोहे से बने शोपीस। ये लोहे के शोपीस दिखने में बहुत ही सुन्दर और मनमोहक होते हैं। जिस वजह से हम गिफ्ट्स के रूप में इन्हें अपने करीबियों को दे देते हैं। वास्तु के अनुसार देखा जाए तो ऐसा करना शुभ नहीं होता है। अगर शोपीस देना चाहते हैं तो कोशिश करें वह पीतल या चांदी का बना हो।

इस तरह का सामान न करें गिफ्ट वास्तु के अनुसार कभी भी पर्सनल हाइजीन से जुड़ा सामान गिफ्ट नहीं करना चाहिए। जैसे कि साबुन, तेल, आदि। अगर आप ऐसा करते हैं तो रिश्तों में खटास देखनी पड़ सकती है।

काले रंग के कपड़े बढ़ाते हैं नकारात्मकता

ज्योतिष शास्त्र में किसी भी शुभ कार्य के लिए काले रंग का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। इसी तरह वास्तु में किसी को काले रंग के कपड़े गिफ्ट नहीं करने चाहिए। गृह प्रवेश के दौरान ऐसा सामान गिफ्ट करने से नेगेटिव वाइब्स में बढ़ोतरी होती है।

कटलरी सेट–गृह प्रवेश के दौरान गिफ्ट देते समय इस तरह की चीजों को काफी तर्जी दी जाती है लेकिन वास्तु के अनुसार ऐसा करने से बचना चाहिए। हालांकि दिखने में ये काफी अच्छे लगते हैं लेकिन ऐसा करने से रिश्तों में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुहाग का सामान

वैसे तो सुहाग के सामान को बहुत शुभ माना जाता है लेकिन वास्तु एक्सपर्ट्स के अनुसार गृह प्रवेश के दौरान मंगलसूत्र, सिंदूर या फिर अन्य कोई सुहाग से जुड़ा सामान देने से बचना चाहिए। ऐसा करना सही नहीं होता खासकर गृह प्रवेश के दौरान।

सफलता और धन दौलत पाने के लिए जीवन में इस चीज का होता है महत्व

देखो, हमारे आसपास दुनिया में क्या चल रहा है। अपना प्रभाव चलाना, यही दुनिया है। हमारी शक्ति का कुछ अंश तो हमारे शरीर धारण के उपयोग में आता है, पर हमारी शक्तियों का प्रत्येक अंश दूसरों पर अपना प्रभाव डालने में व्यय होता रहता है। हमारे शरीर, गुण, बुद्धि और हमारा आत्मिक बल- ये सब लगातार दूसरों पर प्रभाव डालते आ रहे हैं। इसी प्रकार दूसरों का प्रभाव भी हम पर पड़ता चला आ रहा है। हमारे आसपास यही चल रहा है।

एक प्रत्यक्ष उदाहरण है। एक मनुष्य तुम्हारे पास आता है। वह खूब शिक्षित है, उसकी भाषा भी सुंदर है। वह तुमसे एक घंटा बात करता है, फिर भी वह अपना असर नहीं छोड़ पाता। दूसरा मनुष्य आता है। वह चंद शब्द बोलता है। शायद वे शब्द शुद्ध और व्यवस्थित भी नहीं होते, फिर भी वह खूब असर कर जाता है।

यह तुममें से बहुतों ने अनुभव किया है। इससे स्पष्ट है कि मनुष्य पर जो प्रभाव पड़ता है वह सिर्फ शब्दों से नहीं होता। विचार भी शायद प्रभाव का एक-तिहाई ही पैदा करते होंगे। पर बाकी दो-तिहाई प्रभाव उसके व्यक्तित्व का ही होता है। जिसे तुम व्यक्तित्व आकर्षण कहते हो, वही प्रकट होकर तुम पर अपना असर डाल देता है।

प्रत्येक कुटुंब में एक मुख्य संचालक होता है। कोई संचालक यशस्वी होता है, कोई नहीं। ऐसा क्यों? जब हमें अपयश मिलता है तो हम दूसरों को कोसते हैं। अपयश आने पर प्रत्येक मनुष्य अपना कसूर और अपने दोष नहीं, बल्कि यह दिखलाने की कोशिश करता है कि वह निर्दोष है और सारा दोष किसी मनुष्य या किसी वस्तु पर, और दुर्भाग्य पर मढ़ना चाहता है। जब घर का प्रमुख कर्ता सफलता न प्राप्त कर सके तो उसे यह सोचना चाहिए कि कुछ लोग अपना घर किस प्रकार अच्छी तरह चला सकते हैं और दूसरे क्यों नहीं?

मनुष्य जाति के बड़े-बड़े नेताओं की बात ली जाए तो हमें सदा यही दिखाई देगा कि उनका व्यक्तित्व ही उनके प्रभाव का कारण था। अब बड़े-बड़े प्राचीन लेखक और दार्शनिकों की बात लो। सच पूछो तो असल और सच्चे विचार उन्होंने हमारे सम्मुख कितने रखे हैं?

बीते समय के नेताओं ने जो कुछ लिख छोड़ा है उसका विचार करो। उनकी लिखी हुई पुस्तकों को देखो और प्रत्येक का मूल्य आंको। जिन्हें हम असल, नए और स्वतंत्र विचार कह सकते हैं, वे इस संसार में सिर्फ मुट्ठी भर ही हैं।

लोगों ने जो विचार हमारे लिए छोड़े हैं उनको उन्हीं की पुस्तकों में से पढ़ो तो वे हमें कोई बहुत बड़े नहीं प्रतीत होते। फिर भी अपने जमाने में वे बहुत बड़े हो गए हैं। ऐसा क्यों होता है। सिर्फ उनके सोचे हुए विचारों के कारण ही नहीं, न उनकी लिखी हुई पुस्तकों के कारण ही, और न यह कि अपने दिए हुए भाषणों के कारण ही वे बहुत बड़े प्रतीत होते थे। बल्कि किसी एक-दूसरी ही बात के कारण ऐसा प्रतीत होता है और वह है उनका व्यक्तित्व।

जैसा कि मैं पहले कह चुका हूं, व्यक्तित्व दो-तिहाई ही होता है और बाकी एक-तिहाई होती है मनुष्य की बुद्धि और उसके कहे हुए शब्द। सच्चा मनुष्यत्व या उसका व्यक्तित्व ही वह वस्तु है, जो हम पर प्रभाव डालती है। हमारे कर्म हमारे व्यक्तित्व के बाह्य आविष्कार मात्र हैं। प्रभावी व्यक्तित्व कर्म के रूप से प्रकट होगा ही। इस कारण के रहते हुए कार्य का आविर्भाव अवश्यंभावी है।

भगवान कृष्ण दुर्योधन की सोच बदलकर रोक सकते थे महाभारत युद्ध

लाखों की गाड़ी एक चाबी और एक ब्रेक पर और करोड़ों का घर एक छोटे से ताले और चाबी पर निर्भर रहता है। उसी तरह हमारा व्यक्तित्व भी हमारी सोच और स्वभाव पर निर्भर करता है। सोच हमारा मन है और व्यवहार हमारा कर्म। हमारे स्वभाव से हमारी पहचान बनती है। हमारा स्वभाव जैसा होता है, हमारा मन भी वैसा होता है और हम वैसा ही व्यवहार और कर्म करते हैं।

संस्कार और स्वभाव बदलते नहीं। यदि बदल सकते तो मुरलीवाला दुर्योधन की सोच बदल देता और महाभारत न होती। स्वभाव बदलना मुश्किल है तो हम अपने व्यवहार में तो परिवर्तन जरूर ला सकते हैं। व्यवहार में सकारात्मकता आते ही हमारा व्यक्तित्व निखर उठता है। इसलिए स्वभाव चाहे कैसा भी हो, व्यवहार हमेशा सही रखें। क्योंकि दुनिया हमारा आचरण देखकर ही हमारी तरफ बढ़ती है। व्यवहार किसी को दोस्त भी बना सकता है, किसी को विरोधी भी। हम लोगों के साथ किस तरह मिलते-जुलते हैं, बात करते हैं इसके आधार पर ही लोग हम पर प्यार लुटाएंगे।

जिसके स्वभाव में प्रेम रचा-बसा है, वह जो भी सोचता है प्रेममय ही सोचता है, शांति से सोचता है। ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आने वाले प्रत्येक को प्रेम और शांति की ही अनुभूति होगी। हमें सभी के साथ विनम्रता और करुणापूर्वक व्यवहार करना चाहिए। इसलिए नहीं कि वे लोग अच्छे हैं, बल्कि इसलिए कि हम अच्छे हैं। एक विचित्र सी मनोवृत्ति हम सब की यह होती है कि हम अपने प्रति किया गया दूसरों का व्यवहार तो बड़ी बारीकी से परखते हैं लेकिन इस बात पर ध्यान नहीं देते कि हम लोगों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं? यदि व्यवहार करने से पहले थोड़ा सोच-समझ लें, तो हो सकता है कि हमारी दिन-प्रतिदिन की बहुत सी समस्याएं खत्म हो जाएं। सबसे मित्रवत संबंध बने रहें। सलीके से पहने परिधान और आकर्षक चेहरे से हमारे व्यक्तित्व पर प्रभाव तो पड़ता है। लेकिन हमारी भाषा और अपने संपर्क में आने वाले लोगों से बोल-चाल और हमारी भाव-भंगिमा ही हमारे व्यक्तित्व के सबसे बड़े निर्धारक होते हैं। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, विचार विचारों की समझ, सुसंस्कृत आचरण, दूरदर्शिता, कार्य करने के तरीके और जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण से संपूर्ण व्यक्तित्व बनता है। व्यवहार या बातचीत में थोड़ी सी भी असावधानी से अकारण ही कितनी गलतफहमियां जन्म ले लेती हैं। इन गलतफहमियों की वजह से ही बहुत से विवाद और मनमुटाव होते हैं। सजग और सतर्क रहते हुए मधुरतापूर्ण वार्ता करेंगे तो शायद रोज-बरोज की छोटी-छोटी किचकिच कम हो सकती है और बहुत सी उलझनें सुलझ जाएंगी।

हम सब अलग-अलग हैं। सभी का स्वभाव अलग-अलग होता है, इसलिए लोगों का व्यवहार हर बार अलग मिलेगा। इस कारण हम व्यवहार को लेकर सभी के साथ एक जैसा मानदंड नहीं अपना सकते। हमारा अपना एक मूल स्वभाव है। इसका अर्थ यह नहीं कि अलग-अलग लोगों से व्यवहार करने के लिए हम अपना व्यवहार भी बार-बार बदलें। बदल ही नहीं सकते। पर हम बात करने का तरीका बदल सकते हैं, लहजा बदल सकते हैं, भाषा बदल सकते हैं। बड़ों से व्यवहार करते समय विनम्र होना, दोस्तों के साथ मजाकिया होना, बच्चों के साथ कुछ समय के लिए बच्चे भी बन सकते हैं। हमें समय, परिस्थिति और व्यक्ति के हिसाब से अपना व्यवहार चुनना चाहिए। सदैव हां ही नहीं, न कहना भी और मृदु बने रहने के साथ थोड़ा कड़ा व्यवहार भी कभी-कभी जरूरी होता है।

'फाइटर' की सफलता पर गदगद ऋतिक

बोले- बॉक्स ऑफिस आंकड़ों के अलावा परिवार की राय भी महत्वपूर्ण

अभिनेता ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी फिल्म 'फाइटर' की सफलता का स्वाद चख रहे हैं। डेब्यू फिल्म 'कहो ना प्यार है' के बाद एक बार फिर ऋतिक का जादू चल पड़ा है। महज पांच दिनों के अंदर फिल्म की कमाई घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये पार हो गई है, वहीं वर्ल्डवाइड 200 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच चुकी है। हाल ही में ऋतिक ने फिल्म की सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे इससे खुश हैं। मगर, उनके लिए अपने परिवार और करीबियों की प्रतिक्रिया और भी ज्यादा मायने रखती है।

फिल्म की सफलता पर दी प्रतिक्रिया

फिल्म 'फाइटर' में ऋतिक रोशन ने इंडियन एयर फोर्स पायलट का रोल अदा किया है। ऋतिक रोशन ने फिल्म की सफलता पर कहा कि दर्शकों को उनका काम पसंद आया, ये बड़ी बात है। साथ ही ऋतिक ने ये भी कहा कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के अलावा उनके लिए उन लोगों की राय भी बहुत मायने रखती है, जिन्हें वे प्यार करते हैं। हालांकि, सबसे बड़ी मान्यता तो बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों से मिलती है।

ऋतिक रोशन ने आगे कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसे कहने में मुझे पहले थोड़ा संकोच होता रहा है ,लेकिन यह सच है। सबसे बड़ी मान्यता बॉक्स ऑफिस नंबर हैं, खासकर जब आप एक ऐसी फिल्म बना रहे हैं, जिसका मकसद बड़ी संख्या में दर्शकों का मनोरंजन करना है।

ऋतिक रोशन ने कहा, 'जिन लोगों से मैं प्यार करता हूं, मुझे वाकई उम्मीद है कि उन्हें मेरा काम पसंद आया। अगर मैं उन्हें पसंद करता हूं तो एक नजरिया है जिससे वे मेरे काम को देख रहे होंगे और अगर मैं उस नजरिए से संतुष्ट हूं तो मैं अपनी नजरों में थोड़ा ऊंचा हो जाता हूं, क्योंकि मैं खुद को उनके नजरिए से देखता हूं। मेरे लिए मेरे बेटों, परिवार, पार्टनर की प्रतिक्रिया बेहद महत्वपूर्ण है। वर्क फ्रंट की बात करें तो 'फाइटर' के बाद ऋतिक रोशन 'वॉर 2' में नजर आएंगे।

'आशिकी 3' में तृप्ति डिमरी की कास्टिंग पर कार्तिक ने तोड़ी चुप्पी, बोले- हम साथ में अच्छे दिखेंगे

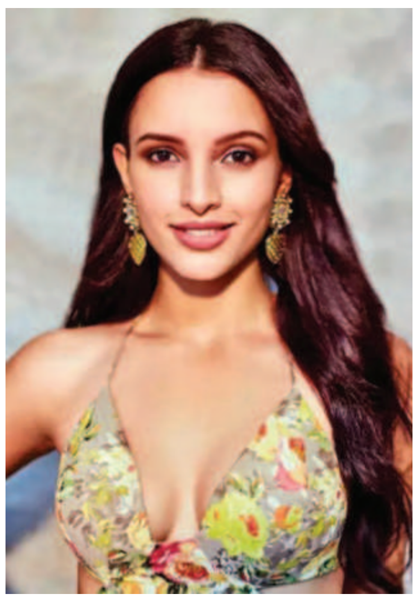

अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'चंदू चैंपियन' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। कार्तिक ने बॉलीवुड में कॉमेडी, रोमांस, ड्रामा, एक्शन और थ्रिलर जैसी विभिन्न शैलियों में अपना कौशल दिखाया है। अभिनेता 'आशिकी 3' का भी हिस्सा बनने वाले हैं और स्क्रीन पर रोमांस का तड़का लगाने वाले हैं। हाल ही में, कार्तिक ने 'आशिकी 3' में तृप्ति डिमरी की कास्टिंग पर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि कार्तिक ने क्या कहा है। हाल ही में, एक साक्षात्कार में कार्तिक आर्यन ने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर बात की और 'चंदू चैंपियन' की रिलीज को लेकर उत्सुकता भी व्यक्त की है। इस इंटरव्यू में आगे अभिनेता से तृप्ति डिमरी के बारे में पूछा गया तो कार्तिक ने कहा, उन्होंने एनिमल में काफी अच्छा अभिनय किया था, जिस कारण उन्हें नेशनल क्रश का भी टैग दिया गया है। मैंने उन्हें बुलबुल में भी देखा है। वे हर तरह के किरदार को बहुत ही खूबसूरती से निभाती हैं। मुझे लगता है कि हम एक ऑन-स्क्रीन जोड़ी बना सकते हैं।

अनुराग सर को निर्णय लेने दें...

आगे अभिनेता से जब 'आशिकी 3' में तृप्ति की कास्टिंग को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, वे अच्छी अदाकारा हैं। अगर हम दोनों साथ में काम करते हैं तो यह फ्रेश जोड़ी होने के साथ-साथ अच्छी जोड़ी भी साबित होगी। हालांकि, फिल्म की कास्टिंग और बाकी चीजों को लेकर अनुराग सर को निर्णय लेने दें, और हम सर्वश्रेष्ठ की आशा कर सकते हैं। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।₹

तृप्ति डिमरी करना चाहती हैं आशिकी 3

वहीं, पिछले दिनों जब तृप्ति डिमरी से 'आशिकी 3' करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कौन ऐसी फिल्में नहीं करना चाहेगा। मैं बस ऐसे प्रोजेक्ट्स का इंतजार कर रही हूं। वहीं, कार्तिक आर्यन के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो, अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'चंदू चैंपियन' की शूटिंग में बिजी चल रहे हैं।

'सच' के लिए लड़ेगी जैनिफर विंगेट

जैनिफर विंगेट, करण वाही और रीम शेख स्टारर वैब सीरीज 'सिंघानिया वर्सेज सिंघानिया' का ऐलान हो गया है। हाल ही में इस सीरीज का टीजर जारी किया गया। जैनिफर इसमें एक दमदार भूमिका में दिखाई देगी और उसके साथ ही करण वाही तथा रीम शेख के भी सशक्त रोल देखने को मिलेंगे। इससे पहले वैब सीरीज 'कोड एम' में मेजर की भूमिका निभाने के बाद जैनिफर एक वकील की भूमिका में नजर आएगी। एक ऐसी वकील, जो खुद की पहचान बनाने के लिए अपने पिता के ही खिलाफ जाएगी। सच के लिए वह अपनी शर्तों पर केस लड़ती है। इसके टीजर की शुरुआत एक महिला से हुई, जो एक केस को लेकर अनुष्का (जैनिफर) की तारीफ कर रही है मगर जैसे ही पता चलता है कि अनुष्का राजदीप राय सिंघानिया की बेटी हैं, सभी चुप हो जाते हैं।

उसके पिता ने उसकी तारीफ तो की, लेकिन ताने के साथ। भले ही अनुष्का ने केस की अच्छी ओपनिंग की, लेकिन उसे केस को लीड करने का मौका नहीं मिलता। अनुष्का के पिता विराट को केस सौंप देते हैं, जिससे वह भड़क जाती है। आखिर में अनुष्का एक डायलॉग मारती है सक्सैस का मजा तभी आता है, जब अपनी शर्तों पर मिले। सूत्रों के अनुसार इस कोर्ट ड्रामा में जैनिफर एक तेज-तर्रार र वकील अनुष्का की भूमिका निभाएगी, जो अपने पिता की लॉ फर्म में अपनी पहचान बनाने की कोशिश करती है और हर केस को नैतिकता के साथ लड़ना चाहती है। दूसरी ओर करण वाही एक विनम्र तथा प्रेरित वकील है, जिसे कम्पनी का असली उत्तराधिकारी माना जाता है। वहीं, रीम शेख फर्म में एक यंग इंटर्न अंकिता पांडे का रोल कर रही है, जो एक डार्क सीक्रेट को छुपाकर अपना रास्ता ढूंढ रही है। इसमें कई सारी मुश्किलों को दिखाया गया है कि कैसे ये तीनों अपने रास्ते चुनते हैं। फिलहाल, इस की रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया गया है।

जानह्वी कपूर

मैं खुद को 'स्टार' नहीं 'न्यूकमर' मानती हूं

अब तक मैंने ऐसी फिल्में की हैं जिनमें से किसी में फ्रीजर में मर रही हूं, किसी में अपना कंधा तुड़वा रही हूं या चूहे के साथ अभिनय कर रही हूं। इन सबके बाद 'देवरा' में काम करते हुए मुझे एहसास हुआ कि मैं खुद को वह करने की इजाजत दे रही हूं जो स्वाभाविक रूप से मैं पसंद करती हूं।

वर्ष 2018 में सुपरहिट मराठी फिल्म 'सैराट' के हिन्दी संस्करण 'धड़क' से करण जौहर ने जाह्नवी को लॉन्च किया था। बोनी कपूर और श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी को इस फिल्म के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ा। फिल्म इंडस्ट्री में अपने 5 वर्ष पूरे कर चुकी जाह्नवी ने अब तक 'गुंजन सक्सेना द कारगिल गर्ल', 'रूही', 'मिली', 'गुड लक जैरी', 'बवाल' जैसी कुल 6 फिल्मों में काम किया है। करियर के ये साल उसके लिए कैसे रहे, पर वह कहती है, एक व्यक्ति के रूप में मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। अभिनय एक ऐसा पेशा है, जो एक जिंदगी में कई जिंदगियों से रू-ब-रू कराता है, ऐसी कई जिंदगियां आप स्क्रीन पर जी लेते हैं, जिनकी आप कल्पना भी नहीं करते।"

स्टार बनने से कितनी बदली जिंदगी

स्टार बनने के बाद उसकी जिंदगी पर कितना प्रभाव पड़ा, पूछने पर जाह्नवी कहती है, पहली बात तो यह कि मैं खुद को स्टार नहीं न्यूकमर मानती हूं। शूटिंग के बाद मैं सीधे अपने घर लौट आती हूँ। इस चकाचौंध का मुझ पर कोई असर नहीं हुआ है। स्टार्स की प्राइवेट लाइफ नहीं होती, यह मैं बचपन से ही देखती आई हूं। जब भी मुझे सलाह की जरूरत होती है, मैं पापा से सलाह लेती हूं।

खुशी और शनाया (चचेरी बहन) के अभिनय में आने पर वह कैसा महसूस करती है, पर उसने कहा, खुशी और शनाया दोनों बहुत कॉन्फीडेंट हैं, जबकि अपनी फिल्म 'धड़क' के क समय मैं बिल्कुल भी कॉन्फि नहीं थी। ।। उनका आत्मविश्वास देखकर मुझे पूरा विश्वास है कि दोनों एक्टिंग में कमाल करेंगी। सारा अली खान के साथ अपनी दोस्ती पर वह कहती है, हम दोनों बहुत अच्छी दोस्त हैं। बिना कुछ बोले ही सारा मुझे समझ और जान लेती है। मैं शांत, वह बातूनी है और जब दो अपोजिट लोग मिल जाते हैं तो उनमें दोस्ती लाजिमी है।

पसंद हैं नाच-गाना और मस्ती वाली फिल्में

साऊथ में डेब्यू जल्द ही जाह्नवी फिल्म 'देवरा' के साथ तेलुगु फिल्म में डेब्यू करने वाली है। क्या इन दिनों वह साऊथ की फिल्मों पर ज्यादा फोकस कर रही है, पर उसने कहा, मैं हर भाषा की अच्छे कंटेंट वाली फिल्म करना चाहूंगी। मेरी मां श्रीदेवी ने भी साऊथ की फिल्मों से हिंदी फिल्मों का रुख किया था। साऊथ की फिल्मों का कंटेंट अच्छा होता है, यह कहने की बात नहीं। अगर अच्छे कंटेंट वाली मुझे साऊथ की कोई फिल्म ऑफर होगी तो मैं उसे अवश्य करना चाहूंगी। इस तरह से मैं अपनी मां को भी ट्रिब्यूट दे सकती हूं।"

फिल्म 'देवरा' में काम करने के अनुभव को दिलचस्प बताते हुए जाह्नवी कहती है, यह बहुत मजेदार है। मुझे मजा आ रहा है। अब तक मैंने ऐसी फिल्में की हैं जिनमें से किसी में फ्रीजर में मर रहीं हूं, किसी में अपना कंधा तुड़वा रही हूं या चूहे के साथ अभिनय कर रही हूं। इन सबके बाद 'देवरा' में काम करते हुए मुझे एहसास हुआ कि मैं खुद को वह करने की इजाजत दे रही हूं जो स्वाभाविक रूप से मैं पसंद करती हूं, जो नौटंकी की तरह है, जिसमें खूब डायलॉगबाजी, नाच-गाना और बस मस्ती है। यह उस तरह की भूमिकाओं जैसी है जिनका आनंद लेते हुए मैं बड़ी हुई हूं। आखिरकार मुझे इस फिल्म में सब कुछ करने को मिल रहा है। मुझे लगता है कि इस फिल्म में मैं बहुत ही आसानी से काम कर पा रही हूं और खुद को इसका पूरा आनंद लेने दे रही हूं। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह एकदम सही फिल्म है। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपनी स्थिति और बॉलीवुड में अपनी मां श्रीदेवी के अनुभवों के बीच समानताएं बताते हुए जाह्नवी ने कहा, यह काफी विडम्बनापूर्ण है क्योंकि जब उन्होंने हिन्दी फिल्में करना शुरू किया, तो उन्हें हिन्दी नहीं आती थी और यहां उन्हें सब 'तोता' कहते थे क्योंकि वह संवाद सुनती थी और उन्हें बिना समझे ही दोहरा देती थीं। वह इसमें बहुत अच्छी थीं। उस माहौल में उन्हें एक तरह का अजनबीपन महसूस हुआ और तेलुगु सिनेमा में मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है।"

राशि ने योद्धा में सिद्धार्थ के साथ काम करने के अनुभव को किया साझा, कहा- वह बहुत अनुशासित हैं

बॉलीवुड अभिनेत्री राशि खन्ना इन दिनों अपनी आगामी थ्रिलर फिल्म योद्धा को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। राशि खन्ना योद्धा में सिद्धार्थ मल्होत्रा और दिशा पटानी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। सागर अम्ब्रे और पुष्कर ओझा द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने अपने स्टार कलाकारों के साथ काफी उत्साह पैदा किया है। हाल ही में राशि खन्ना ने एक इंस्टाग्राम सवाल सेशन में सिद्धार्थ के साथ अपने सहयोग के बारे में जानकारी साझा की और उनके साथ काम करने के अनुभव को साझा किया।

राशि खन्ना से एक फैन ने सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ काम करने के उनके अनुभव के बारे में सवाल किया। इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'सिड के साथ काम करना एक शानदार अनुभव था। वह बहुत अनुशासित हैं और उन्होंने योद्धा के लिए सब कुछ दे दिया है। उन्होंने बहुत-बहुत कड़ी मेहनत की है, खासकर एक्शन सीन पर क्योंकि वे अद्भुत दिखते हैं और मैं वास्तव में उनके एक्शन और बाकी सभी चीजों के लिए योद्धा का इंतजार कर रही हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'वह न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि एक इंसान के रूप में भी एक अद्भुत व्यक्ति हैं, मैंने उन्हें जाना और वह बहुत आध्यात्मिक और बहुत सुलझे हुए व्यक्ति हैं।' वहीं, जब राशि खन्ना से उन अभिनेताओं के बारे में पूछा गया, जिनके साथ वह भविष्य में काम करना चाहेंगी। इसके जवाब में उन्होंने नामों की लिस्ट साझा कर शाहरुख खान, रणबीर कपूर, ऋतिक रोशन, महेश बाबू, थलपति विजय और अल्लू अर्जुन के नाम का उल्लेख किया।

इसके साथ ही राशि ने उन निर्देशकों की सूची का भी खुलासा किया जिनके साथ वह काम करना चाहती हैं। उन्होंने लिखा, संजय लीला भंसाली, विधु विनोद चोपड़ा, जोया अख्तर, राजू हिरानी, अनुराग कश्यप, मणिरत्नम और कई अन्य शामिल हैं। सिद्धार्थ और राशि आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'योद्धा' में पहली बार साथ में स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आएंगे। सागर अंब्रे और पुष्कर ओझा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 15 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

धर्मा प्रोडक्शंस के तहत हीरू यश जौहर, करण जौहर और अपूर्व मेहता द्वारा निर्मित योद्धा एक्शन से भरपूर थ्रिलर एक ऑफ-ड्यूटी सैनिक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो आतंकवादियों द्वारा एक विमान का अपहरण करने पर मोर्चा संभालता है। राशि खन्ना ने 2013 में जॉन अब्राहम के साथ फिल्म 'मद्रास कैफ' से अपने करियर की शुरुआत की थी।

मेरे बाबू ने खाना खाया? जब प्यार में पार्टनर बच्चा बन जाए या करने लगे पेरेंटिंग, दोनों से रिश्ते को नुकसान

पता नहीं किस बाबू ने अपनी शोना से पहली बार यह सवाल पूछा था। लेकिन मीम की दुनिया में अब यह जाना-पहचाना जोक है। प्यार में पड़े लड़कों की गर्लफ्रेंड का मैसेज आ जाए तो दोस्त यही कहकर उन्हें चिढ़ाते हैं।

मनोविज्ञान की भाषा में इसे पेरेंटिफिकेशन कहते हैं। यानी रोमांटिक रिश्तों में एक पार्टनर का बच्चा बन जाना और दूसरे पार्टनर का पेरेंट। कभी लड़की लड़के की अम्मा बन जाती है तो कभी लड़का लड़की का पापा। फिर शुरू होता है रिश्ते में पेरेंट की तरह एक-दूसरे को संभालने और कंट्रोल करने का खेल। दोनों को 'बाबू-शोना' के इस खेल में खूब मजा भी आता है।

वैसे यह सिर्फ बाबू-शोना का खेल नहीं है। यह एक साइकोलॉजिकल डिसऑर्डर का नतीजा भी हो सकता है। दुनिया की जानी-मानी रिलेशनशिप कोच मार्लेना टिल्हॉन की मानें तो इसके पीछे कारण हमारे बचपन की परवरिश और माहौल हो सकता है।

मार्लेना कहती हैं कि एक स्त्री और पुरुष के बीच का संबंध बराबरी पर आधारित होना चाहिए। ये जरूर है कि दोनों को एक-दूसरे की केयर करनी चाहिए, एक-दूसरे को समझना चाहिए और एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए, लेकिन पेरेंट बनकर दूसरे को पालने लगना या कंट्रोल करने लगना दरअसल रिश्ते के खराब होने की रेसिपी है। मार्लेना इस तरह की सोच और व्यवहार को रोमांटिक रिश्तों के लिए खतरनाक बताती हैं और रिश्ते में इससे बचने की सलाह देती हैं।

पेरेंटिफिकेशन सिंड्रोम का कारण चाइल्डहुड ट्रॉमा

पेरेंटिफिकेशन यानी अपने पार्टनर की केयर किसी गार्जियन की तरह करना। मार्लेना कहती हैं कि जिन लोगों का बचपन बहुत खुशनुमा न बीता हो, जिनको किसी कारणवश समय से पहले मैच्योर होना पड़ा हो, ऐसे लोगों में पेरेंटिफिकेशन डिसऑर्डर होने का खतरा अधिक होता है।

ऐसी स्थिति में वह शख्स अपने बचपन की कमियों को जवानी में पूरा करना चाहता है और अपने पार्टनर को किसी बच्चे की तरह ट्रीट करने लगता है।

न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. रॉबर्ट सैपोल्स्की का पूरा काम ही इस विषय पर है कि कैसे हमारा बचपन हमारी बाकी की जिंदगी के फैसलों और यहां तक कि हमारी पर्सनैलिटी की बेसिक डिजाइन को भी तय करता है।

रिश्तों में पेरेंटिफिकेशन सिंड्रोम के शिकार लोग ऐसा जानबूझकर नहीं कर रहे होते। न ही वो ऐसा करने के खतरों से वाकिफ होते हैं। बचपन में पिता के प्यार से वंचित लड़कियां पार्टनर या पति के रूप में पिता को ढूंढ रही होती हैं और मां के प्यार से वंचित लड़के पत्नी के रूप में मां की तरह ख्याल रखने वाली लड़की चाहते हैं।

रिलेशनशिप में कंट्रोल फ्रीक की भूमिका निभाने वाले लोग अकसर वे होते हैं, जो बहुत ज्यादा अनुशासन वाले घर में पले हों। जहां डिसिप्लिन के नाम पर उनकी हर एक्टिविटी को कंट्रोल किया जाता रहा हो।

लेकिन इस पूरे मुद्दे में सबसे गंभीर बात ये है कि एक वयस्क कपल का इस तरह व्यवहार करना बिलकुल सामान्य नहीं है। इसका नकारात्मक प्रभाव एडल्टहुड में रोमांटिक और वैवाहिक रिश्ते पर पड़ता है।

पेरेंटिफिकेशन से रोमांटिक और सेक्शुअल लाइफ को नुकसान

रिलेशनशिप कोच मार्लेना टिल्हॉन पेरेंटिफिकेशन को रोमांटिक रिश्ते का किलर बताती हैं। अगर रिश्ते में यह कवायद लंबे समय तक चले तो एक पार्टनर दूसरे में बराबरी का साथी नहीं देख पाएगा। ऐसी स्थिति में सेक्शुअल डिजायर और रोमांटिक लाइफ दोनों पटरी से उतर सकते हैं।

अलग-अलग प्यार के अंतर को भुला देता है पेरेंटिफिकेशन

दरअसल इंसानी दिमाग अलग-अलग तरह के प्यार में अंतर करता है। जैसे दोस्त वाला सखा भाव, बच्चे के प्रति वात्सल्य भाव या रोमांटिक पार्टनर के लिए बराबरी का प्रेम और आसक्ति का भाव। हर तरह के प्यार और स्नेह में दिल-दिमाग अलग-अलग तरह से रिएक्ट करता है।लेकिन पेरेंटिफिकेशन की स्थिति में इन भावों के बीच घालमेल हो जाता है। मन समझ नहीं पाता कि वह पार्टनर में जीवनसाथी को देख रहा है या बच्चे को। ऐसी स्थिति में रोमांटिक रिश्ता कमजोर होने लगता है।

रिश्ते में पेरेंटिफिकेशन से बचने के लिए क्या करें?

अमेरिका के एक विश्व प्रसिद्ध साइकोथैरेपिस्ट और रिलेशनशिप कोच हैं डॉ. पीटर ए. लेविन। उन्होंने रिलेशनशिप काउंसिलिंग के लिए अपने पास आने वाले लोगों को पार्टनर को बदलने से पहले खुद के भीतर झांककर देखने और अपने चाइल्डहुड ट्रॉमा को हील करने की सलाह दी।वे कहते हैं कि सिर्फ ये कहने से 'ऐसा मत करो' यह व्यवहार बदल नहीं सकता। जब तक हमें ये न समझ आए कि इस व्यवहार की जड़ें कहां हैं। इसकी शुरुआत कहां से हुई।

अपने चाइल्डहुड एक्सपीरियंस को समझकर, उसे हील करके ही हम वयस्क जीवन में बेहतर फैसले ले सकते हैं, स्वस्थ रिश्ते बना सकते हैं। याद रखें कि पति-पत्नी या रोमांटिक पार्टनर आपका बराबर का साथी है। वो न आपका पेरेंट है और न ही आपका छोटा बच्चा। आप दोनों को मिलकर जीवन की गाड़ी ऐसे ढंग से चलानी है, जिसमें दोनों पहिए बराबर हों। रिश्ते में प्यार, दोस्ती, इज्जत और रोमांस तो हो, लेकिन न ओवर केयर हो, न ओवर कंट्रोल।

पति-पत्नी के बीच क्यों पनपता है रूममेट सिंड्रोम एक छत के नीचे रहते पर प्यार नदारद

क्या हो अगर पति-पत्नी या फिर किसी रोमांटिक जोड़े के रिश्ते में प्यार और भावनात्मक लगाव की कमी हो जाए। उनके बीच शारीरिक संबंध बनना भी कम या खत्म हो जाए। लेकिन परिवार या जमाने के दबाव के चलते वे अलग न हों।

ऐसे में वे एक छत के नीचे रहें, साथ में खाएं-पिएं, काम, खर्च और घर की जिम्मेदारियां भी आधी-आधी बांट लें, बाहर से दिखने पर पार्टनर्स की तरह नजर भी आएं, लेकिन उनके रिश्ते में प्यार नदारद हो। दोनों रिश्ते को बोझ की तरह ढोने लगें। मनोविज्ञान की भाषा में इसे 'रूममेट सिंड्रोम' कहते हैं। यह विभिन्न कारणों से किसी भी रिश्ते में पनप सकता है। लेकिन अगर कपल्स के बीच यह सिंड्रोम पैदा हो जाए तो यह रिश्ते को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने लगता है। इस भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में रिश्ते से प्यार और साथ कम होता जा रहा है। इसलिए रिलेशनशिप कॉलम में आज हम इसी रूममेट सिंड्रोम के बारे में बात करेंगे और यह जानेंगे कि आपसी रिश्तों को इससे कैसे बचाया जा सकता है।

रिश्ते में क्यों और कैसे पनपता है रूममेट सिंड्रोम

रिलेशनशिप कोच डॉ के मुताबिक 'रूममेट सिंड्रोम' किसी भी रिश्ते में अचानक से नहीं आता। पार्टनर्स अगर लंबे समय तक रिश्ते से मुंह मोड़े रखें तो धीरे-धीरे रिश्ते में उकताहट पैदा होने लगती है। इसे 'रिलेशनशिप फटीग', यानी रिश्ते की थकान भी कहते हैं।

अगर रिश्तों में प्यार, लगाव पूरी तरह खत्म हो जाए तो ऐसे रिश्ते का न होना ही ठीक है। लेकिन सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और निजी कारणों से लोग भावनात्मक दूरी के बावजूद रिश्ता खत्म करने की दिशा में नहीं बढ़ते। उल्टे शादीशुदा या प्रेमी जोड़े 'रूममेट अप्रोच' का रास्ता अपनाते हैं। जिसमें उन्हें रिश्ता तोड़ना भी नहीं होता और न ही प्यार के लिए कोई कवायद करनी होती है। दोनों बस रूममेट की तरह साथ रहते हैं।

एक समय बाद वो इसे ही अपने

रिश्ते की नियति मान लेते हैं। साथ रहना, खाना, उठना-बैठना सब होता है, बस भावनात्मक लगाव और स्नेह नहीं होता। ऐसी यथास्थिति रिश्ते में जिंदगी भर बनी रह सकती है।

कुछ पलों का इग्नोरेंस ट्रिगर कर सकता है रूममेट सिंड्रोम

रिश्ते को बोझ और नीरस बना देने वाला रूममेट सिंड्रोम कुछ पलों के इग्नोरेंस से भी शुरू हो सकता है। कभी किसी बात से नाराज होकर कोई एक पार्टनर दूसरे से बातचीत कम कर दे, उसे इग्नोर करना शुरू कर दे या साइलेंट ट्रीटमेंट दे तो यह एग्जेक्ट पॉइंट रिश्ते में 'रूममेट सिंड्रोम' को ट्रिगर कर सकता है।

रूममेट सिंड्रोम का असर रिश्ते पर जीवन भर रह सकता है, लेकिन इसकी शुरुआत के लिए बस एक छोटे से इग्नोरेंस की जरूरत होती है।

रिश्ते में रूममेट सिंड्रोम के पनपने की कुछ खास वजहें..

साथ में क्वालिटी टाइम न बिताना, फिजिकल टच की कमी।

पार्टनर को साइलेंट ट्रीटमेंट देना, यानी उससे बात कम या खत्म करना।

पार्टनर्स के बीच कम्युनिकेशन गैप का होना, आपसी समझ का अभाव।

पार्टनर्स के बीच गलतफहमी पैदा होना। एक का दूसरे पर से भरोसा उठ जाना या शक करना।

इनफिडिलिटी यानी किसी एक पार्टनर का रिश्ते से बाहर किसी और से भावनात्मक जुड़ाव हो जाना।

झगड़े से बचने के लिए एक-दूसरे को अवॉइड करना। असहमति के मुद्दों पर बात करने से कतराना।

सेक्शुअल डिजायर की कमी, अलग-अलग कमरे में सोने की आदत।

पर्सनल लाइफ को लेकर जरूरत से ज्यादा सतर्कता, टीम अप्रोच की कमी।

हमने रिश्ते में पनपने वाले 'रूममेट सिंड्रोम' का कॉन्सेप्ट, लक्षण और इसकी वजहें जान ली हैं। आइए अब रिलेशनशिप कोच की मदद से यह समझें कि आपसी रिश्ते को इस सिंड्रोम से कैसे बचाया जा सकता है। और अगर किसी कारण से यह सिंड्रोम रिश्ते में आ गया है तो इसे दूर करना का तरीका क्या है।

रूममेट सिंड्रोम से बाहर निकलने के 5 तरीके-

पार्टनर की सबसे बड़ी खूबी पहचानें। इसके सहारे उसके करीब जाने की कोशिश करें।

रिश्ते में कुछ चीजें अचानक से करें। जैसे कहीं घूमने का फैसला, कोई कमिटमेंट या फिर सरप्राइज गिफ्ट देना।

रिश्ते में एकरूपता न आने दें। चीजें एक जैसी हो रही हों तो पैटर्न को थोड़ा बदलने और नयापन लाने की कोशिश करें।

पार्टनर के साथ बातचीत बढ़ाएं। साथ में क्वालिटी टाइम स्पेंड करें।

याद रखें कि किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए उस पर मेहनत करनी होती है। अगर हम रिश्तों को टेकेन फॉर ग्रांटेड लेंगे तो उसका निर्जीव हो जाना लाजिमी है।

कम्युनिकेशन गैप कम करें, बढ़ाएं फिजिकल टच

रिश्ते में रूममेट सिंड्रोम न आए और प्यार बना रहे, इसके लिए सिर्फ साथ रहते हुए दिखना नहीं, बल्कि सच्चे साथ की जरूरत होती है। रेगुलर बेसिस पर पार्टनर के साथ सुख-दुख साझा करना, बिना किसी एजेंडे के बात करना, साथ में घूमना या फिर टीवी देखने, किताब पढ़ने जैसी कवायद की जा सकती है।

रोमांटिक और वैवाहिक रिश्ते में सेक्शुअल रिलेशन का भी अपना महत्व है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।

सिर्फ काम, खर्च और जिम्मेदारी नहीं प्यार-दुलार भी बांटें

रूममेट और फ्लैटमेट घर-किचेन के काम और खर्च का बंटवारा करते हैं, लेकिन उनके बीच इंटिमेसी नहीं होती। लेकिन अगर रोमांटिक पार्टनर्स का रिश्ता भी ऐसा हो जाए तो यह खतरे का संकेत है। इसलिए खर्च, काम और जिम्मेदारी के साथ प्यार, स्नेह और दुलार भी बांटें। यह समझना जरूरी है कि रिश्ता कोई बिजनेस या एग्रीमेंट नहीं, जिसमें एक निश्चित टारगेट को पूरा करना है।

बच्चा करता है लोगों से बदतमीजी तो डांटें नहीं, इन टिप्स से सुधारें आदत

अभिभावक के लिए बच्चे को अच्छे संस्कार देना चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। जब तक बच्चा छोटा होता है, उसे समझाना और सिखाना आसान होता है लेकिन बड़े हो रहे बच्चे की विचार, व्यवहार में बदलाव आने लगते हैं। ऐसे में अक्सर बच्चे दूसरों का अनादर, गैरजिम्मेदारा बर्ताव, अशिष्ट बातें भी कर जाते हैं। बच्चे के बदतमीजी करने पर माता-पिता उसे डांटते हैं लेकिन इससे बच्चे का बर्ताव अधिक अशिष्ट हो सकता है। वह तुरंत तो चुप हो जाएगा लेकिन उनके बर्ताव में बदलाव नहीं आएगा। ऐसे में अगर आपका बच्चा भी अधिक गुस्सैल है और गुस्से में दूसरों से बदतमीजी से बात करता है तो उसे डांटे नहीं, बल्कि उनकी आदत में सुधार लाएं। बच्चे की गलत आदतों को सुधारने के लिए अपनाएं ये तरीके।

बच्चे पर चिल्लाएं नहीं

बच्चे के बर्ताव का कारण अक्सर आसपास का माहौल और उनको दिए जाने वाले संस्कार का

हिस्सा हैं। बच्चे देखकर अधिक सीखते हैं। ऐसे में अगर बच्चा अशिष्ट व्यवहार करता है तो उसपर चीखें-चिल्लाए नहीं। बच्चे को प्यार से समझाएं। बच्चे का गुस्सा शांत हो जाएगा तो वह शांति से बात करेगा और आपकी बात को समझेगा।

बहस से बचें

अक्सर बच्चा जिद में बहस करने लगता है। बहस करने की आदत बच्चे में आक्रामकता और गुस्सा बढ़ाती है और वह बहसबाजी में बदतमीजी करने लग जाता है। लेकिन बहस हमेशा दो लोगों के बीच होती है। अगर बच्चा आपसे बहस करे तो उस वक्त शांत हो जाएं। बच्चे से बहस करने से बचें और उनकी बात सुनें। इससे वह भी आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे और जिद कम करेंगे।

बच्चे की मन की बात समझें

बच्चे के बुरे व्यवहार को ठीक करने के लिए उसके व्यवहार की वजह जानें। हो सकता है कि वह किसी बात से असंतुष्ट व नाखुश हो। बच्चे के मन को टटोलें और समझने का प्रयास करें कि वह ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा है, ताकि उसकी परेशानी का हल निकालकर उसके व्यवहार में बदलाव लाया जा सके।

संगत पर ध्यान

बच्चे के आसपास का माहौल उसके व्यवहार का कारण है लेकिन अगर घर पर उसे अच्छा माहौल मिल रहा है, फिर भी बच्चा गलत बर्ताव करता है तो जरूर उसकी संगत खराब हो सकती है। बच्चे के दोस्त कैसे हैं, वह अपना वक्त किन लोगों के बीच और किस काम में अधिक बिताता है, टीवी या मोबाइल पर किस तरह के कार्यक्रम देखता है, इस पर नजर रखें, ताकि गलत संगत से उसे दूर कर पाएं।

नियम बनाएं

हर चीज के लिए अनुशासन और नियम होते हैं। बच्चे के लिए भी कुछ नियम जरूर बनाएं। बच्चे को बताएं कि उसे इन नियमों के पालन की जरूरत क्यों हैं। बच्चा जब अनुशासन और नियम का पालन करेगा तो वह गलत बर्ताव करने से बचेगा।

बच्चे को मोबाइल दिखाकर खाना खिलाना हो सकता है नुकसानदायक, असर और आदत छुड़ाने के तरीके

बच्चे को मोबाइल दिखाकर खाना खिलाना आपके लिए आसान काम हो सकता है, लेकिन यह उसके मन-मस्तिष्क पर बहुत बुरा असर डालता है। एक अध्ययन के अनुसार, 2 साल से कम उम्र के 90 फीसदी बच्चे स्मार्टफोन देखते हुए ही खाना खाते हैं। ज्यादातर माताएं भी जब बच्चा खाना नहीं खाता तो उसके हाथों में मोबाइल दे देती हैं और उन्हें लगता है कि उनका काम आसान हो गया।

बेंगलुरु की एक आईटी कंपनी में काम करने वाली निधी राज डेढ़ साल के बच्चे की मां हैं। वह बताती हैं कि वह पूरी कोशिश करती हैं कि वह खाना खिलाते वक्त अपने बच्चे को मोबाइल न दें। जब वह दो-चार दिन अपने बच्चे को मोबाइल नहीं देती हैं तो बच्चे में काफी बदलाव दिखते हैं। वह खुद ही काफी कुछ नया सीखता है। अगर आप भी अपने काम को आसान करने के लिए ऐसा कर रही हैं तो सावधान हो जाएं। यह धीरे-धीरे बच्चे की आदत में शुमार हो सकता है और उसके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को पूरी तरह से बिगाड़ सकता है।

क्या पड़ता है असर

बच्चा मोबाइल देखते-देखते जब खाना खाता है तो वह समझ नहीं पाता कि उसे कितनी भूख है और वह बस खाता जाता है, जिससे बच्चा कई बार ज्यादा खा लेता है और बीमार हो जाता है।

मोबाइल देखकर खाने से बच्चा खाने का मजा नहीं लेता। वह नहीं समझ पाता कि खाना अच्छा बना है या नहीं। कई बार तो उसे यह

तक याद नहीं रहता कि उसने क्या खाया था।

मोबाइल से दोस्ती होने के बाद उसे माता-पिता नहीं चाहिए होते हैं। मां उसे खाना खिला रही है, वह उसकी तरफ देखता भी नहीं है, बल्कि मोबाइल को स्क्रॉल करता है, जो उसके मानसिक विकास के लिए घातक है।

इसके अलावा बच्चे का मेटाबॉलिज्म भी कमजोर होता है, क्योंकि वह खाना चबाकर नहीं खाता, बल्कि मुंह में डालते ही निगल लेता है। इससे उसकी पाचन शक्ति कमजोर होती जाती है।

यही नहीं, बच्चा जब करीब से फोन देखता है तो इससे उसकी आंखें कमजोर होती हैं और दिमाग पर भी इसका बुरा असर पड़ता है।

इसके साथ ही बच्चे की रचनात्मकता में भी कमी आती है। मोबाइल देखने की वजह से वह बाहर की चीजों से कट जाता है।

वह जो सीखता है, मोबाइल से ही सीखता है। सामाजिक बातें सीखने का उसे मौका ही नहीं मिलता है।

उपाय भी जान लें

अगर माता-पिता ही बच्चों के सामने हर वक्त मोबाइल का इस्तेमाल करेंगे या फिर खाते वक्त उनके हाथ में मोबाइल होगा तो बच्चे भी वही देखेंगे और सीखेंगे। इसलिए पहले खुद में सुधार लाएं।

खाने में हर वक्त कुछ नया ट्राई करें, ताकि बच्चों को भी उसमें मजा आए, वे भोजन का आनंद लें।

उन्हें खाने के साथ खेलने दें, ताकि वे खाने की चीजों को समझ भी सकें।

खाने के समय बच्चों के साथ बातचीत करें, उन्हें अलग-अलग रंग दिखाएं और उन से खाने के बारे में पूछें। इससे वे खाने का मजा लेंगे और खाने का स्वाद, रंग, खुशबू एवं खाने की पहचान करने में सक्षम होंगे।

इसके अलावा कहा जाता है कि प्रेग्नेंसी के दौरान आप जो भी करती हैं, बच्चे पर उसका असर पड़ता है और वह वही चीजें ज्यादा करता है। ऐसे में प्रेगनेंसी के दौरान गैजेट या स्क्रीन का इस्तेमाल कम से कम करें।

विकास में बाधक

दिल्ली के जग प्रवेश चंद्र अस्पताल के बाल रोग विभाग में सीनियर रेजिडेंट डॉ. नौशीन सिद्दीकी कहते हैं आजकल स्क्रीन टाइम ज्यादा होने की वजह से बच्चों में कई तरह की बीमारियां बढ़ रही हैं, जैसे- ऑटिज्म और एडीएचडी यानी ध्यान की कमी जैसी समस्या। मोबाइल दिखाकर खाना खिलाने से अभिभावकों को आगे चलकर भयावह परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

इससे बच्चे का विकास रुक जाएगा और वह मोबाइल देखने का आदी हो जाएगा। यहां तक कि उसे खाना खाने का यही तरीका सही लगने लगेगा और वह सामाजिक दुनिया से आभासी दुनिया को अधिक सत्य मानने लगेगा। इसलिए आप जितनी छोटी उम्र से उनका स्क्रीन टाइम कम करने का प्रयास करेंगी, बच्चे के विकास के लिए उतना ही बेहतर होगा।

घर पर ऐसे तैयार करें प्याज की कचौड़ी, खाकर हर कोई करेगा तारीफ

भारत देश अपनी विविधता की वजह से जाना जाता है। यहां हर राज्य का अपना अलग खास तरह का खाना है। अगर बात करें राजस्थानी खाने की तो राजस्थान में नाश्ते के कई ऑप्शन मिल जाते हैं। सुबह से लेकर शाम तक राजस्थान के जयपुर जिले में आपको जगह-जगह प्याज की कचौड़ी मिल जाएगी। ये खाने में इतनी स्वादिष्ट लगती है कि क्या कहने। इसे लोग चाय के साथ खाना बेहद पसंद करते हैं।

अगर आप कभी जयपुर गए होंगे तो आपने भी प्याज की कचौड़ी जरूर खाई होगी। जो भी व्यक्ति एक बार ये खास कचौड़ी खा लेगा, वो उसका स्वाद भूल नहीं पाएगा। ऐसे में आप अगर चाहें तो बड़ी ही आसानी से इसे घर पर बना सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको इस तरह की प्याज की कचौड़ी बनाना बताएंगे, जिसको खाकर हर कोई आपकी तारीफ करेगा। इसको बनाने के लिए आपको ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं पड़ेगी।

प्याज की कचौड़ी बनान का सामान

1.5 कप बेसन

मैदा 2 बड़े प्याज

पत्तियों के साथ कटा हुआ 2-3 हरी मिर्च

बारीक कटी हुई अदरक हरा धनिया

1/2 चम्मच अजवाइन

1/2 चम्मच हींग

1/2 चम्मच नमक

1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर

1/2 चम्मच गरम मसाला

1/2 छोटी सी लहसुन की कली

सौंफ

विधि

सबसे पहले एक बड़े बाउल में मैदा, बेसन, नमक और अजवाइन डालें। इसके बाद इन सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से

मिला लें।

अब थोड़ी-थोड़ी देर में पानी डालकर बेसन गूंथें। इसे तैयार करके कुछ देर के लिए अलग रख दें। इसको कुछ देर रखने के बाद स्टफिंग तैयार करें।

प्याज की कचौड़ी की स्टफिंग तैयार करने के लिए जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें जीरा, सौंफ और एक चुटकी हींग डालकर भूनें। इसके बाद कढ़ाही में कटे हुए प्याज डालकर तब तक पकाएं जब तक कि प्याज सुनहरा ना हो जाए

इसके बाद प्याज में अदरक का पेस्ट और कटी हरी मिर्च डालकर कुछ देर तक और भूनें। सही से भूनने के बाद इसे ठंडा करने के लिए अलग रखें। ऊपर से हरा धनिया जरूर डालें।

जब स्टफिंग ठंडी हो जाए तो एक लोई लेकर उसे पहले हल्का बेल लें। इसके बाद अब इसमें प्याज की स्टफिंग भरकर चारों तरफ से दबा कर बंद कर दें। आखिर में इसे सुनहरा होने तक सेंके। इसे आप हरे धनिये की चटनी के साथ परोस सकते हैं।

बच्चे पैदा करने पर टैक्स में छूट; 100 रुपये कमाने पर 97.75 रुपये टैक्स, ये है 1947 से आयकर का सफर

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2023-24 के बजट भाषण में ने इंडिविजुअल टैक्सपेयर के लिए आयकर का दायरा बढ़ाने का एलान किया था। आयकर का दायरा पांच लाख से बढ़ाकर सात लाख रुपये (नई टैक्स रिजीम के तहत) कर दिया गया था। सुपर रिच टैक्स को घटाकर 37 प्रतिशत कर दिया गया था।

वहीं रिटायर्ड कर्मियों के लिए लिव इनकैशमेंट को बढ़ाकर तीन लाख से 25 लाख रुपये कर दिया गया था।

पिछले साल नई टैक्स रिजीम को किया गया डिफाल्ट

पिछले साल नई टैक्स रिजीम को डिफाल्ट कर दिया गया है। नई टैक्स व्यवस्था को केंद्र सरकार ने एक अप्रैल 2020 से लागू किया था। नई टैक्स व्यवस्था यानी नई टैक्स रिजीम में नए टैक्स स्लैब बनाए गए थे लेकिन आयकर में मिलने वाले सारे डिडक्शन और छूट समाप्त कर दिए गए थे। आजादी के बाद से आयकर के मामले में कई बड़े बदलाव देश ने देखे हैं। आइए उनके बारे में जानते हैं।

1947 में 1500 रुपये की आमदनी थी टैक्स फ्री

आजाद भारत का पहला बजट 16 नवंबर 1947 को पेश किया गया था।

इसे देश के पहले वित्त मंत्री आरके शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। हालांकि यह एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था की समीक्षा रिपोर्ट थी। जब देश का पहला बजट पेश किया गया था उस समय देश में 1500 रुपये तक की आमदनी टैक्स फ्री थी। 2023 में मोदी सरकार की ओर से पेश किए गए बजट में यह लिमिट 7 लाख (नई टैक्स रिजिम के तहत) हो गई।

शादीशुदा और कुंवारों को भरना पड़ता था अलग-अलग टैक्स

1955 में जनसंख्या बढ़ाने के लिए पहली बार देश में शादीशुदा और कुंवारों के लिए अलग-अलग टैक्स फ्री इनकम रखी गई। शादीशुदा को 2000 रुपये तक कोई टैक्स नहीं देना पड़ता था। वहीं, कुंवारों के लिए यह लिमिट 1000 रुपये ही थी।

आबादी बढ़ाने पर टैक्स छूट देने वाला पहला देश बना भारत

भारत 1958 में बच्चों की संख्या के आधार पर इनकम टैक्स में छूट देने वाला दुनिया का इकलौता देश बना। अगर शादीशुदा हैं, पर बच्चा नहीं है तो 3000 रुपये तक की आय पर टैक्स नहीं देना पड़ता था। लेकिन, एक बच्चा होने पर 3300 रुपये और 2 बच्चों पर 3600 रुपये की आय टैक्स फ्री थी।

हर 100 रुपये की कमाई पर लगता था 97.75 रुपये टैक्स

1973-74 में भारत में सबसे ज्यादा टैक्स रेट था। उस समय आयकर वसूलने की अधिकतम दर 85 फीसदी कर दी गई। सरचार्ज मिलाकर यह टैक्स रेट 97.75 फीसदी पहुंच गया। 2 लाख रुपये की इनकम के बाद हर 100 रुपये की कमाई में से सिर्फ 2.25 रुपये ही कमाने वाले की जेब में जाते थे। बाकी 97.75 रुपये सरकार रख लेती थी।

अमंगल साबित हुआ शेयर बाजार के लिए आज का सत्र, सेंसेक्स 800 अंक गिरकर हुआ बंद

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। सोमवार की शानदार तेजी के अगले ही दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों को मायूसी हाथ लगी है. मंगलवार का दिन बेहद अमंगल साबित हुआ है. एनर्जी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 802 अंकों की गिरावट के साथ 71,139 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 215 अंकों की गिरावट के साथ 21,522 अंकों पर बंद हुआ है.

मार्केट कैप में गिरावट

शेयर बाजार में गिरावट के चलते निवेशकों के संपत्ति में गिरावट आई है. बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 375.38 लाख करोड़ रुपये घटकर आ गया है जो पिछले सत्र में 377.13 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 1.75 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है.

सेक्टर का हाल

आज के कारोबार में बाजार में एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, कमोडिटी, इंफ्रा, एफएमसीजी, फार्मा आईटी, ऑटो, बैंकिंग सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए.

केवल मेटल्स, रियल एस्टेट और मीडिया शेयरों में तेजी देखने को मिली है. आज के ट्रेड में मिड कैप शेयरों में गिरावट रही वहीं स्मॉल कैप स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 25 गिरावट के साथ और 5 तेजी के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 14 स्टॉक्स तेजी के साथ जबकि 36 गिरकर क्लोज हुए.

तेजी - गिरने वाले शेयर्स

आज के कारोबार में बीपीसीएल 2.34 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.12 फीसदी, ग्रासिम 1.03 फीसदी, आईशर मोटर्स 0.97 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज 0.86 फीसदी, एसबीआई 0.61 फीसदी, एचयूएल 0.58 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि बजाज फाइनेंस 5.21 फीसदी, टाइटन 3.39 फीसदी, बजाज फिनसर्व 2.83 फीसदी, एनटीपीसी 2.80 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए.

देश में 1 फरवरी से होने जा रहे हैं ये बड़े बदलाव सीधे आम आदमी की जेब पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। देश में हर महीने की पहली तारीख को कई बदलाव होते हैं। इन बदलावों का असर सीधे आम आदमी की जेब पर पड़ता है। अब जनवरी का महीना खत्म होने वाला है। कुछ दिन बाद फरवरी महीने की शुरुआत हो जाएगी। एक फरवरी को भी देश में कई बदलाव होने जा रहे हैं। आपको इन बदलावों के बारे में पहले से जानकारी होना जरूरी है। ऐसे में अगर आपका कोई जरूरी काम है तो उसे फटाफट अभी से निपटा लीजिए। ऐसा नहीं करने पर आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आइए आपको बताते हैं अगले महीने से होने जा रहे बदलावों के बारे में। नेशनल पेंशन सिस्टम के सब्सक्राइबर्स के लिए एक जरूरी खबर है। पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन के मुताबिक, एनपीएस खाताधारकों के लिए खाते से विड्रॉल के नियमों में बदलाव होने जा रहा है। अब अकाउंट होल्डर्स को अगले महीने से जमा राशि का केवल 25 फीसदी से हिस्सा ही निकालने की अनुमति मिलेगी। नेशनल पेंशन सिस्टम खाताधारक अगर अपने अकाउंट से आंशिक निकासी करना चाहते हैं तो आपको इसके लिए सबसे पहले सेफ डिक्लेरेशन के साथ विड्रॉल रिक्वेस्ट डालना होगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से स्पेशल होम लोन कैंपेन चलाया जा रहा है, जिसके तहत बैंक के ग्राहक 65 बीपीएस तक के होम लोन पर छूट का लाभ उठा सकते हैं। प्रोसेसिंग फीस और होम लोन पर रियायत की आखिरी तारीख 31 जनवरी, 2024 है। यह डिस्काउंट सभी होम लोन के लिए मान्य है।आरबीआई ने आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए एक बदलाव किया है। अब आप बेनिफिशरी का नाम जोड़े बिना बैंक खाते से पांच लाख रुपये तक ट्रांसफर कर पाएंगे। इसके बारे में पिछले साल एनपीसीआई ने 31 अक्टूबर को सर्कुलर जारी किया था। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने फास्टैग केवाईसी अपडेट करने के लिए 31 जनवरी अंतिम तिथि तय की है। ऐसे में अभी तक जिन लोगों ने फास्टैग केवाईसी का काम पूरा नहीं किया है, उनके फास्टैग को बैन या ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर..	05-49 बजे
चंद्र-	कन्या	में	कुंभ...	07-40 बजे
मंगल	धनु	में	मीन ..	09-17 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	10-53 बजे
गुरु-	मेष	में	वृष--	12-38 बजे
शुक्र-	धनु	में	मिथुन..	14-38 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-51 बजे
राहु-	मीन	में	सिंह...	19-02 बजे
केतु-	कन्या	में	कन्या..	21-09 बजे
			तुला.....	23-14 बजे
			वृश्चिक	00-25 बजे
			धनु.....	03-42 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-52
सूर्यास्त. - 18-06
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल --उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी - 11 -36 - तक उपरान्त षष्ठी
मास - माघ कृष्ण पक्ष , बुधवार 31 January
नक्षत्र - हस्त - 01 - 07 - तक उपरान्त चित्रा
योग - सुकर्मा - 11 - 40 - तक उप धृति
करण- तैतिल - 11 -36 - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग -07-27 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:30 से 13:55 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:52 - 08:15	शुभ	उत्पात	18:06 - 19:44	अशुभ
अमृत.	08:15 - 09:40	शुभ	शुभ	19:44 - 21:19	शुभ
काल.	09:40 - 11:05	अशुभ	अमृत	21:19 - 22:54	शुभ
शुभ.	11:05 - 12:30	शुभ	चंचल	22:54 - 24:29	शुभ
रोग	12:30 - 13:55	अशुभ	रोग	24:29 - 02:04	अशुभ
उत्पात	13:55 - 15:20	अशुभ	काल	02:04 - 03:39	अशुभ
चंचल	15:20 - 16:44	शुभ	लाभ	03:39 - 05:14	शुभ
लाभ	16:44 - 18:06	शुभ	उत्पात	05:14 - 06:42	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
इस बात के लिए अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ? ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं । अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें । इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें ।अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें । इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है । परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है । आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा । पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है । लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे । आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा । बोलते हुए सावधान रहें । किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है ।कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा । योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा । योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है ।आपके निवेश पर अच्छा लाभ मिलेगा । किसी भी तरह के विवाद से बचें .आपका स्पष्टीकरण मुद्दों को जटिल ही करेगा । आप कुछ नया सीखना चाहते हैं,इससे आपको औरो के मुकाबले तरजीह मिलेगी,चाहे आप केवल साधारण रूप से गिटार ही सीखें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा।अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कभी बंद होने वाली थी रतन टाटा की ये कंपनी अब बनी स्टॉक मार्केट की 'बिग बुल'

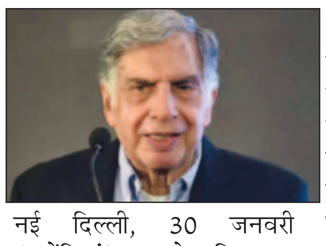

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। उद्योगपति रतन टाटा के जीवन में एक समय ऐसा भी आया जब वह अपनी एक ड्रीम कंपनी को बेचने वाले थे. लेकिन जब बात नहीं बनी, तो उन्होंने उस कंपनी में और निवेश किया और आज ये कंपनी टाटा ग्रुप के लिए किस्मत का दरवाजा खोल रही है. मंगलवार को इस कंपनी ने शेयर बाजार में झंडे गाड़े और ये मार्केट की 'बिग बुल' बन गई.जी हां, यहां बात हो रही है टाटा ग्रुप की कंपनी 'टाटा मोटर्स' की जिसके शेयर प्राइस ने आज मार्केट में सबसे ज्यादा बढ़त हासिल की. टाटा मोटर्स का शेयर 886.30 रुपए के भाव पर पहुंच गया, जो पिछले 52 हफ्तों का सबसे ऊंचा स्तर है. ये वही कंपनी है जब 'टाटा इंडिका' जैसी कार के बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं करने पर रतन टाटा इसे फोर्ड को बेचना चाहते थे. वहीं इस कंपनी ने जब 'नैनो' लॉन्च की तब भी उसे कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा.

मारुति को भी पछाड़ बनी नंबर-1

शेयर मार्केट में तहलका मचाने के साथ ही टाटा मोटर्स ने देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया को भी पीछे छोड़ दिया है. टाटा मोटर्स और टाटा मोटर्स डीवीआर का टोटल एमकैप 3.24 लाख करोड़ रुपए हो गया. जबकि मारुति सुजुकी इंडिया का एमकैप 3.15 लाख करोड़ रुपए ही है. हालांकि अकेले टाटा मोटर्स का एमकैप भी आज 2.94 लाख करोड़ रुपए रहा.

2 दिन में 9% से ज्यादा चढ़ा शेयर

अगर टाटा मोटर्स के शेयर को देखें तो बीते 2 दिन में ये 9% चढ़ा है. कंपनी के अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के परिणाम भी इसी हफ्ते आने हैं. इसके अलावा सरकार के इस बार बजट में इलेक्ट्रिक व्हीकल को लेकर कुछ बड़ी घोषणा करने की भी उम्मीद है. ऐसे में आने वाले दिनों में इसके शेयर प्राइस में और तेजी की उम्मीद जताई जा रही है, जो मार्केट में एक नया रिकॉर्ड बना सकती है.

स्लीपर वंदे भारत-अमृत भारत ट्रेन पर रहेगा फोकस गाड़ियों में लगेगी टक्कर विरोधी तकनीक

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करने जा रही हैं। इस बजट में वित्त मंत्री भारतीय रेलवे को लेकर भी कुछ बड़े एलान कर सकती हैं। आम यात्रियों के लिए तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर के लिए दोनों प्रकार की वंदे भारत ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। रेलवे से जुड़े सूत्रों का कहना है कि स्लीपर वंदे भारत ट्रेन चलाने के लिए आईसीएफ चेन्नई में कोच निर्माण का काम तेजी से चल रहा है।

रेलवे की प्रीमियम राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों की जगह पर स्लीपर वंदे भारत ट्रेन चलाई जाएगी। जबकि शताब्दी एक्सप्रेस के स्थान पर वंदे भारत ट्रेन पहले ही चलाई जा रही है। अभी 80 से ज्यादा वंदे भारत दौड़ रही है। इसके पुश-पुल तकनीक वाली अमृत भारत ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के लिए इनके कोच और नए इंजनों का उत्पादन करेगी। रेलवे के सूत्रों ने कहा कि पिछले बजट में कुल पूंजीगत व्यय 2.60 लाख करोड़ रुपये था। इस अंतरिम बजट में 3.2 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय का प्रावधान हो सकता है। यह पिछले वर्ष के बजट की इसी अवधि की तुलना में लगभग 33 फीसदी अधिक है।रेलवे अफसरों का कहना है कि दिसंबर 2023 तक पूंजीगत व्यय से 1,95,929.97 करोड़ रुपये के काम किए गए हैं। 3.2 लाख करोड़ रुपये की बजटीय सहायता से दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-कोलकाता सहित अन्य व्यस्त रेलमार्गों पर टक्कर विरोधी तकनीक कवच लगाने का काम किया जाएगा। इसके अलावा उक्त दोनों रेलमार्गों पर वंदेभारत ट्रेनों को सेमी हाई स्पीड 160 से 200 किलोमीटर प्रति घंटा पर चलाने के लिए सुधार किया जाएगा। देश की पहली सेमी हाई स्पीड स्लीपर वंदेभारत ट्रेन इन दोनों पर चलाने की योजना है।

रेलवे को मिल सकते हैं तीन लाख करोड़ रुपये, ट्रेनों में अच्छे खाने के अलावा अब मिलेगा वाई-फाई!

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को मोदी सरकार 2.0 का अंतरिम बजट पेश करने जा रही हैं। इस बजट में रेलवे पर सरकार का खास फोकस रहने की उम्मीद है। केंद्र सरकार इस बार रेलवे बजट में आवंटन में बढ़ोतरी कर सकती है। माना जा रहा है कि सरकार कुल आवंटन को बढ़ाकर तीन लाख करोड़ रुपये तक कर सकती है। इसके अलावा वंदे भारत ट्रेनों के रोलआउट पर सरकार विशेष फोकस कर सकती है। बजट 2023 में रेलवे के लिए 2.4 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। इस बार के बजट का बड़ा हिस्सा यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने पर खर्च किया जाएगा। चुनावी साल होने की वजह से इस समय केंद्र सरकार का सबसे अधिक ध्यान देश में यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने पर होगा। इस बजट में सरकार का जोर इलेक्ट्रिफिकेशन और दोहरीकरण पर विशेष जोर रहेगा। दोनों पर करीब 50,000 करोड़ रुपये का आवंटन आता हुआ दिखाई दे सकता है।अंतरिम बजट में रेलवे के वंदे भारत ट्रेनों के सफल रोल आउट पर फोकस होगा। रेलवे ने अगले तीन सालों में 400 वंदे भारत ट्रेनों को शुरू करने का लक्ष्य लिया है। इसलिए नए हाई स्पीड रेलवे कॉरिडोर का भी एलान इस बजट में हो सकता है। इसमें स्टेशन ट्रैक के आसपास सोलर पैनल लगाने को भी मंजूरी मिलना भी मुमकिन है। सरकार इस बजट में निजी भागीदारी को बढ़ाकर सोलर पैनल लगाने को मंजूरी दे सकती है। इसके अलावा ट्रेनों में वाई-फाई भी सुविधा मिलने के अलावा अच्छे खान-पान को कैसे बढ़ावा मिलना संभव है।

भ्रष्टाचार के मामले में देश की रैंकिंग फिसली भारत 180 देशों में 93वें स्थान पर पहुंचा

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के मामले में भारत की स्थिति में 2022 की तुलना में 2023 में मामूली बदलाव हुआ है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 93 वें स्थान पर रहा। इस दौरान भारत के समग्र स्कोर में बहुत हद तक कोई बदलाव नहीं हुआ।

लेकिन देश की रैंकिंग आठ स्थान नीचे खिसक गई है। इस सूचकांक में विशेषज्ञों और व्यापारिक लोगों की धारणा के आधार पर सार्वजनिक क्षेत्र के भ्रष्टाचार के कथित स्तरों को ध्यान में रखकर 180 देशों और क्षेत्रों की रैंकिंग की जाती है। इस रैंकिंग के लिए 0 से 100 के पैमाने का उपयोग किया जाता है। जहां 0 अत्यधिक भ्रष्ट है और 100 बहुत ईमानदार का सूचक है। 2023 में, भारत का समग्र स्कोर 39 रहा जबकि जबकि 2022 में यह 40 था। 2022 में भारत की रैंक 85 थी।रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एशिया में पाकिस्तान (133) और श्रीलंका (115) दोनों ही कर्ज के बोझ से जूझ रहे हैं और राजनीतिक अस्थिरता का सामना कर रहे हैं। हालांकि, दोनों देशों के पास मजबूत न्यायिक निगरानी है, जो सरकार को नियंत्रण में रखने में मदद कर रही है। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने अपने संविधान के अनुच्छेद 19ए के तहत इस अधिकार को पूर्व में प्रतिबंधित संस्थानों तक विस्तारित करके नागरिकों के सूचना के अधिकार को मजबूत किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश (149) सबसे कम विकसित देश (एलडीसी) की स्थिति से बाहर आ गया है। यह आर्थिक विकास गरीबी में निरंतर कमी और रहने की स्थिति में सुधार के कारण संभव हुआ है। हालांकि, यह प्रेस के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच सार्वजनिक क्षेत्र में सूचना का प्रवाह बाधित होता है। इस लिस्ट में चीन को 76 वें नंबर पर रखा गया है। चीन ने 35 लाख से अधिक सार्वजनिक अधिकारियों को दंडित करके अपनी आक्रामक भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई के साथ सुर्खियां बटोरी हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में 2024 बड़ा चुनावी वर्ष है। इस दौरान बांग्लादेश, भारत, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, सोलोमन द्वीप, दक्षिण कोरिया और ताइवान में लोग मतदान करेंगे।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 71 प्रतिशत देशों का सीपीआई स्कोर 100 में 45 के क्षेत्रीय औसत स्कोर और से 43 के वैश्विक औसत से नीचे है। रिपोर्ट में कहा गया है, "न्यूजीलैंड (3) और सिंगापुर (5) जैसे देश उच्च स्कोर के साथ कम भ्रष्टाचार वाले देशों की अपनी छवि बनाए हुए हैं। इसके अलावा मजबूत भ्रष्टाचार नियंत्रण तंत्र वाले अन्य देशों जैसे ऑस्ट्रेलिया (14), हांगकांग (14), जापान (16), भूटान (26), ताइवान (28) और दक्षिण कोरिया (32) का स्थान है।

लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, भोपाल, पटना और जयपुर में सोने का रेट

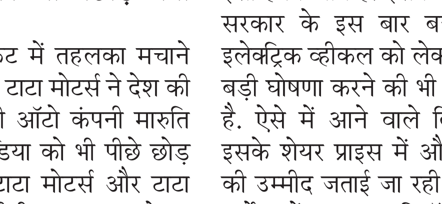

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)।इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोशिएशन की बेवसाइट के अनुसार आज गोल्ड का रेट 62610 रुपये प्रति दस ग्राम के स्तर पर बंद हुआ। वहीं यह पिछले कारोबारी दिवस पर 62515 रुपये प्रति दस ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। इस प्रकार आज सोना 95 रुपये प्रति दस ग्राम की तेजी के साथ बंद हुआ है। हालांकि आज सुबह सोने का रेट 62678 रुपये के स्तर पर खुला था। इस प्रकार से सुबह और शाम के बीच सोने का रेट 68 रुपये की गिरावट साथ बंद हुआ। सोना अभी अपने ऑलटाइम हाई से करीब 842 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता बिक रहा है। सोने ने अपना ऑलटाइम हाई 28 दिसंबर 2023 में बनाया था। उस दिन सोना 63452 रुपये प्रति दस ग्राम के स्तर पर था। आज चांदी का रेट 71742 रुपये प्रति किलो के स्तर पर बंद हुआ। चांदी का रेट पिछले कारोबारी दिवस पर 71371 प्रति किलो था। इस प्रकार आज चांदी का रेट 371 रुपये प्रति किलो की तेजी के साथ बंद हुआ है। वहीं चांदी का रेट आज सुबह 71795 रुपये के स्तर पर खुला था। इस प्रकार से आज चांदी का रेट सुबह और शाम के बीच 53 रुपये गिरावट के साथ बंद हुआ। चांदी अभी भी अपने ऑलटाइम हाई से 5192 रुपये नीचे ट्रेड कर रही है। चांदी ने अपना ऑलटाइम हाई 76934 रुपये का 30 नवंबर 2023 को बनाया था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर आज शाम को 5 बजे सोने में तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। सोने में 5 फरवरी 2024 की फ्यूचर ट्रेड 219.00 रुपये की तेजी के साथ 62,405.00 रुपये के स्तर पर ट्रेड हो रही थी। वहीं चांदी की 5 मार्च 2024 की फ्यूचर ट्रेड 23.00 रुपये की गिरावट के साथ 72,354.00 रुपये के स्तर पर ट्रेड हो रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शाम को गोल्ड में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का कारोबार 2.80 डॉलर की तेजी के साथ 2,034.27 डॉलर प्रति औंस के रेट पर ट्रेड हो रहा है। वहीं चांदी का कारोबार 0.09 डॉलर की गिरावट के साथ 23.11 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड हो रहा है। किसी भी शहर का गोल्ड और चांदी का लेटेस्ट रेट जानने के लिए यहां क्लिक कर जानें आज किस कैरेट के गोल्ड का क्या रेट है 24 कैरेट यानी 41.7 प्रतिशत शुद्ध गोल्ड का रेट आज 36627 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस प्रकार से कल की तुलना में आज रेट में 56 रुपये की तेजी के साथ बंद हुआ। 14 कैरेट यानी 58.3 प्रतिशत शुद्ध गोल्ड का रेट आज 46958 रुपये के स्तर पर है।

कम छुट्टी या प्रेशर से सुसाइड कर रहे जवान

हेड कॉन्स्टेबल के बेटे का सवाल– सब ठीक था, तो पिता क्यों मरे

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। पिछले तीन साल में सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज, यानी सीएपीएफ और असम राइफल्स के 436 जवानों ने सुसाइड किया है। इसमें सबसे ज्यादा 154 जवान सीआरपीएफ के और 111 जवान बीएसएफ के थे। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पहरेदारी की जिम्मेदारी बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, यानी बीएसएफ के पास ही है। 28 दिसंबर, 2023 को पंजाब के फिरोजपुर में 155 बटालियन में हेड कॉन्स्टेबल मांगीलाल की सुसाइड का मामला सामने आया है। वे राजस्थान में झुंझुनू के भीमसर गांव के रहने वाले थे। बीएसएफ मामले की जांच करवा रही है।

मांगीलाल के बेटे राजेश का कहना है कि हमारे परिवार में सब कुछ ठीक था। उन्होंने आरोप लगाया है कि बीएसएफ में ही कुछ ऐसा चल रहा था, जिससे पिताजी डिप्रेशन में थे, इसलिए उनकी मौत हुई। राजेश इसे सुसाइड नहीं, बल्कि मर्डर बता रहे हैं।

आखिर किस माहौल में जवान सुसाइड कर रहे हैं और इसे कैसे रोका जा सकता है। हमने उन जवानों से भी बात की, जो वॉलेंटरी रिटायरमेंट ले चुके हैं। उस जवान तक भी पहुंचे, जिनकी प्रेग्नेंट पत्नी की मौत हो गई, लेकिन छुट्टी न होने की वजह से वे उस वक्त उसके पास नहीं पहुंच सके।

हेड कॉन्स्टेबल मांगीलाल की मांगीलाल फिरोजपुर में बीएसएफ की 155 बटालियन में तैनात थे। 28 दिसंबर को उनकी मौत हो गई। मौत कैसे हुई, इस पर अलग-अलग बयान आए हैं। बीएसएफ का कहना है कि जांच चल रही है। मांगीलाल के बेटे राजेश कहते हैं कि उनका मर्डर हुआ है।

राजेश कहते हैं, 'घर में किसी तरह का तनाव नहीं था। तीनों बहनों की शादी हो चुकी है। मैं भी नौकरी करता हूं। पापा की मौत बीएसएफ के कारण हुई है। पिछली बार घर आए थे तो काफी डिप्रेशन में थे। किसी से कुछ बात नहीं कर रहे थे। बाहर घूमते रहते थे।'

इसी तरह बीते साल नवंबर में निरंजन की पत्नी की डिलीवरी होनी थी। करीब 15 साल के इंतजार के बाद वे मां बनने वाली थीं। कई जगह ट्रीटमेंट कराया था। निरंजन ने पहले ही छुट्टी के लिए अप्लाय कर दिया था। तभी पांच राज्यों के चुनाव आ गए और जवानों की ड्यूटी लगा दी गई। निरंजन की ड्यूटी चुनाव में नहीं लगी, लेकिन यूनिट के बाकी जवान इलेक्शन ड्यूटी में भेजे गए थे। इसलिए निरंजन की छुट्टी कैंसिल हो गई। उन्होंने कई बार घर जाने का रिजर्वेशन करवाया, लेकिन छुट्टियां अप्रूव नहीं हो पाईं। पत्नी की डिलीवरी पर उनका घर पहुंचना जरूरी था। 17 नवंबर की रात उनकी पत्नी और बच्चे दोनों की मौत हो गई। इसके बाद छुट्टियां मिल गईं, लेकिन वो किसी काम की नहीं रहीं। (निरंजन बदला हुआ नाम है)

रामबाबू को किडनी की बीमारी थी। छुट्टियां अप्लाय करते, लेकिन अप्रूव नहीं होती। उनकी पत्नी अफसरों के चक्कर काटती रहतीं। तंग आकर रामबाबू ने बीएसएफ से वॉलेंट्री रिटायरमेंट ले लिया। अब फोर्स के बारे में बात भी नहीं करना चाहते। पूछने पर बस इतना ही कहते हैं, छुट्टियों की बहुत दिक्कत रहती थी। (रामबाबू बदला हुआ नाम है)।

मांगीलाल के बेटे राजेश कहते हैं, 'मेरे पिता 32-33 साल से बॉर्डर पर सर्विस दे रहे थे। उनके निधन के बारे में किसी अफसर ने नहीं, बल्कि एक जवान ने सूचना दी। उनकी आखिरी वक्त की फोटो भी हमें एक जवान के जरिए ही मिली। पोस्टमॉर्टम भी हमारे सामने नहीं किया गया। पार्थिव देह गांव आ रही थी, तो हमने पीएम रिपोर्ट की मांग की, तब हमें रिपोर्ट दी गई।'

'पिताजी के नाम से एक लेटर वायरल हुआ था, जिसमें अफसरों से तंग आकर सुसाइड की बात लिखी थी। हमने लेटर की एफएसएल जांच करवाई। उसमें पता चला है कि लेटर फर्जी है, लेकिन हम ये नहीं समझ पा रहे कि पिताजी ने सुसाइड क्यों किया। पता नहीं पिताजी किस बात से डिप्रेशन में चल रहे थे।'

इस मामले में दैनिक भास्कर ने बीएसएफ के पीआरओ कृष्णा

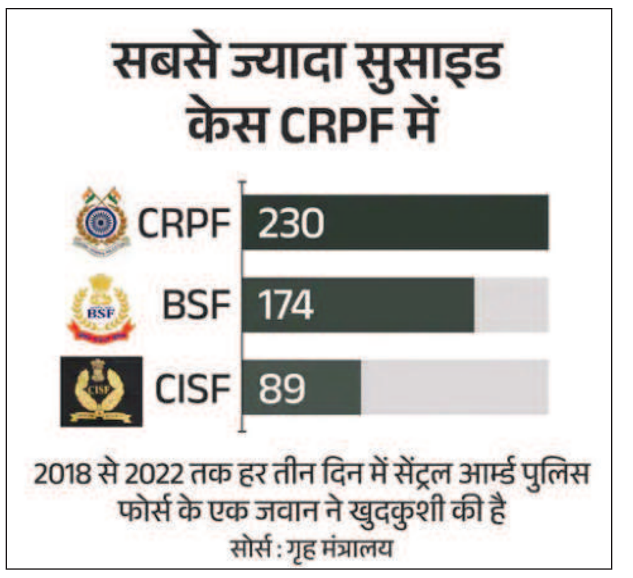

राव से बात करने की कोशिश की। वे छुट्टी पर थे। उनका काम देख रहे देवरूप सिंह संधु ने बताया, 'इन्क्वायरी चल रही है, मांगीलाल ने सुसाइड क्यों किया, जांच के बाद पता चल पाएगा। हालांकि, जो लेटर वायरल किया गया था, वो फेक पाया गया है।'

क्यों नौकरी छोड़ रहे बीएसएफ जवान

सीएपीएफ में जवानों की सुसाइड या अपने साथियों को मार देने की घटनाएं क्यों हो रही हैं, इसकी पड़ताल के लिए होम मिनिस्ट्री ने टास्क फोर्स बनाई थी। इसे इंटरनल सिक्योरिटी के स्पेशल सेक्रेटरी वीएसके कौमुदी ने लीड किया था। 24 दिसंबर, 2021 को टास्क फोर्स की पहली मीटिंग हुई थी। बाद में एमएचए ने ड्रॉफ्टिंग कमेटी बनाई थी। इसे सीआरपीएफ (ट्रेनिंग) के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ने हेड किया था। कमेटी में आईटीबीपी और बीपीआर&डी के दो आईजी मेंबर थे। पिछले साल जनवरी में टास्क फोर्स ने अपनी रिपोर्ट एमएचए में सब्मिट की थी। इसमें ऐसी घटनाओं के पीछे तीन बड़ी वजहें सामने आई थीं।

इसमें छुट्टियां न मिलना सबसे बड़ा फैक्टर है। इससे जवान ऐसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं। ये बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, असम राइफल्स सभी में कॉमन पाया गया। इसके अलावा गलती होने का डर, कमांडर और ट्रूप्स के बीच में कम्युनिकेशन गैप और वर्कप्लेस पर धमकी मिलने जैसी वजहें भी सामने आई थीं।

काम के ज्यादा घंटे, रेस्ट के लिए प्रॉपर टाइम न मिलना, अकेलेपन की फीलिंग होना, सोशल और फैमिली सपोर्ट न होना जैसी वजहें शामिल हैं। मेडिकल और फैमिली से जुड़ी फाइनेंशियल प्रॉब्लम और परिवार के साथ रिश्तों में तनाव शामिल है।

अपने साथियों को क्यों मार देते हैं जवान

कमेटी ने पाया था कि ऐसा कदम जवान तब उठाते हैं, जब उनकी दिक्कतों को सुलझाया नहीं जाता। यह भी पाया गया था कि परिवार में किसी के गंभीर बीमार होने या मौत हो जाने पर भी कई बार छुट्टी नहीं मिल पाती। इससे जवान ऐसे कदम उठा लेते हैं। बीते 23 जनवरी को मणिपुर के चंदेल जिले के साजिक टैम्पक में असम राइफल्स के एक जवान ने दूसरे जवानों पर फायरिंग कर दी थी।

इसमें 6 जवानों की मौत हो गई थी। फायरिंग के बाद आरोपी जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इन सभी जवानों की पोस्टिंग म्यांमार बॉर्डर के पास थी।

बीएसएफ से एडिशनल डीजी के पद से रिटायर हुए संजीव कृष्ण सूद कहते हैं, 'हमारी सर्विस कंडीशन बहुत टफ है। जवान हमेशा बॉर्डर पर रहता है। फैमिली के साथ रहने के कम मौके मिलते हैं। बीवी-बच्चों के साथ मां-बाप को भी देखना पड़ता है, इसलिए फाइनेंशियल बर्डन भी हो जाता है।' 'एक तिहाई या कई बार तो इससे ज्यादा जवान इलेक्शन और दूसरी जगह तैनात कर दिए जाते हैं। ड्यूटी के घंटे फिक्स नहीं हैं। कभी 12-16 से लेकर 22 घंटे तक की शिफ्ट हो जाती है। सर्दी, गर्मी, बारिश में ड्यूटी करनी पड़ती है।'

कम छुट्टियां, वे भी नहीं मिलतीं

बीएसएफ के एक सीनियर अफसर कहते हैं, 'हमें आर्मी की तरह सुविधाएं भी नहीं मिलतीं। वहां जवान कुछ साल बॉर्डर पर रहते हैं, कुछ साल पीस एरिया में रहते हैं। यह बदलता रहता है। हमारा जवान तो हमेशा बॉर्डर पर ही रहता है। हमारे जवानों के लिए सिर्फ पिलर बदलती हैं, परिस्थितियां नहीं।'

'साल में सब मिलाकर सिर्फ 75 छुट्टियों का नियम है, लेकिन इतनी कभी मिल नहीं पातीं। ऐसे में जवानों को मैक्सिमम टाइम अपनी फैमिली से दूर ही रहना पड़ता है। कैंपस में फैमिली एकॉमडेशन सिर्फ 14% जवानों के लिए होता है, बाकी लोगों को परिवार को दूर ही रखना पड़ता है। जवानों को पहला प्रमोशन मिलने में 20 साल लग जाते हैं। ऐसे तमाम इश्यू हैं, जिनसे स्थितियां बिगड़ रही हैं।'

वर्किंग कंडीशन पर संजीव कृष्ण सूद कहते हैं, 'जवानों को साल में कम से कम 100 दिनों की छुट्टियां मिलनी चाहिए। काम के घंटे फिक्स होना चाहिए। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होना चाहिए, जिससे जवानों का बोझ थोड़ा कम हो सके। अभी तो हालात ऐसे हैं कि जो राशन मनी मिलती है, उस पर भी इनकम टैक्स वसूला जाता है, जबकि सेना में ऐसा नहीं होता।'

'होम रेंट अलाउंस भी पुरानी लोकेशन के हिसाब से मिलता है, भले मौजूदा लोकेशन पर रहने का खर्च ज्यादा हो। इलेक्शन और दूसरे कामों में बीएसएफ जवानों को लगा दिया जाता है। एक साथ बॉर्डर और देश में चल रहे इलेक्शन मैनेज करना फोर्स के लिए मुश्किल होता है।'

मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स ने राज्यसभा में बताया है कि 2019 से 2023 के बीच 5 साल में सेंट्रल आर्म्ड फोर्सेस के 46 हजार से ज्यादा जवानों ने वॉलेंट्री रिटायरमेंट लिया है। मतलब जिस पीरियड तक नौकरी करनी थी, उसके पहले ही नौकरी छोड़ दी। नौकरी छोड़ने वालों में सबसे ज्यादा 21 हजार जवान बीएसएफ के हैं। बीएसएफ के बाद सीआरपीएफ के 12,893 जवानों ने वीआरएस लिया। असम राइफल्स के 5146, सीआईएसएफ के 3012, इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस के 2281, एसएसबी के 1738 जवानों ने वीआरएस लिया।

शिक्षक ने दो साथियों की गोली मारकर हत्या की

रांची, 30 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा जिले के एक सरकारी स्कूल में एक शिक्षक ने कथित तौर पर अपने दो सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली और गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि घटना रांची से करीब 300 किलोमीटर दूर पोरैयाहाट इलाके में अपग्रेडेड हाईस्कूल में सुबह करीब 11 बजे स्कूल समय के दौरान हुई। गोड्डा के पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने बताया कि स्कूल के एक कमरे में एक महिला समेत दो शिक्षकों के शव खून से लथपथ पाए गए, जबकि आरोपी शिक्षक भी गंभीर रूप से घायल पाया गया।

पुलिस ने नाबालिग समेत तीन को दबोचा

घर से जेवर और नगदी लेकर हुए थे फरार

सक्ती, 30 जनवरी (एजेंसियां)। सक्ती जिले के मोहदी कला में अज्ञात चोरों द्वारा एक घर के अंदर अलमारी में रखे जेवर और नगदी रकम की चोरी के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी किए गए नगदी रकम में 500 रुपये और चार नग मोबाइल बरामद हो गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, राम लाल पटेल अपने परिवार के साथ बीत 28 जनवरी की रात करीबन 11.30 बजे खाना खाकर सोए हुए थे। घर नया बना था। जिसके कारण दरवाजा नहीं लगा था। पुलिस को राम लाल पटेल ने बताया कि उसी रात करीबन 2.30 बजे मेरी पत्नी कुसुम बाई ने एक बाइक की आवाज सुनी। आवाज सुनकर उठा तो देखा कि बाइक पर कुछ लोग भाग रहे हैं। जब घर के अंदर देखा तो अलमारी में रखे 30 तोला चांदी का जेवर, 15 हजार रुपये और एक नाग मोबाइल चोरी हो गया है। थाना प्रभारी विवेक शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज होने के बाद चोरों की तलाश की जा रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली की विरकमल राठिया, दीपक बंजारे के साथ एक नाबालिग समेत तीनों संदेही हैं।

सूचना मिलने पर तीनों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया। चोरी के संबंध पूछताछ की गई। सभी ने अपना गुनाह कबूल किया। चोरों के कब्जे से चार नग मोबाइल और 500 रुपये जब्त किए गए हैं।

टाउन हॉल में संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

कर्नल धामी बोले– वर्दी एक मौका देती है

जगदलपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय सैन्य बलों में अग्निवीर भर्ती के लिए संभाग स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार (टाउन हॉल) में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कर्नल बीएस धामी और पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह मौजूद रहे। इस अवसर पर कर्नल धामी ने कहा कि वीरता, साहस, जज्बे को राष्ट्रभक्ति में परिवर्तन करने के लिए वर्दी एक मौका देती है। देशभक्ति और देश सेवा के लिए फौजी बनकर एक बेहतर लीडर, समय पर त्वरित निर्णय लेने और मैन पावर का अच्छा उपयोग किया जा सकता है।

कर्नल ने अपने सेना में आने के प्रेरणा का उल्लेख करते हुए बताया कि फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के वक्तव्य से प्रभावित होकर सेना में भर्ती हुआ था। 26

राजपूत बटालियन में देश सेवा की शुरुआत हुई। इस सेना ने मुझे बहुत कुछ दिया। पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह ने कहा कि हमारे देश में बलिदान की एक परंपरा है। देश के नौजवान को देश की रक्षा हेतु जब भी बुलाए तैयार रहना चाहिए। आगे कहा कि सशक्त भारत के निर्माण में युवा सामने आकर अग्निवीर के रूप में भर्ती होकर देश की सेवा करें। उन्होंने कविता के माध्यम से युवाओं को प्रेरित किया। युवा सामने आए जीवन के हर क्षेत्र में अपने शत-प्रतिशत योगदान दें। राष्ट्र निर्माण पर सहयोग करें। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा आर्मी करती है। आंतरिक रक्षा पुलिस करती है। देश की रक्षा-राष्ट्र भक्ति के लिए संकल्प लेकर कठिन परिस्थितियों में रहकर हमारे जवान देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ बलिदान देते हैं। मेजर प्रवीण तिवारी ने कहा कि बस्तर के माटी में वीरता का गुण है, अपने जोश को जगाकर फौज में भर्ती हों। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी जेपी पात्रों ने अग्निवीर के वायु और थल सेना की भर्ती गतिविधियों तथा सेना द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी दी। इसके आलावा मोटिवेशनल वीडियो के माध्यम से युवाओं और उपस्थितजनों को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सभी जिलों के रोजगार अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे। अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन 17 जनवरी 2024 से शुरू हो चुका है, जो आगामी छह फरवरी 2024 तक जारी रहेगी।

शिक्षक ने दो साथियों की गोली मारकर हत्या की

रांची, 30 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा जिले के एक सरकारी स्कूल में एक शिक्षक ने कथित तौर पर अपने दो सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली और गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि घटना रांची से करीब 300 किलोमीटर दूर पोरैयाहाट इलाके में अपग्रेडेड हाईस्कूल में सुबह करीब 11 बजे स्कूल समय के दौरान हुई। गोड्डा के पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने बताया कि स्कूल के एक कमरे में एक महिला समेत दो शिक्षकों के शव खून से लथपथ पाए गए, जबकि आरोपी शिक्षक भी गंभीर रूप से घायल पाया गया।

छत्तीसगढ़ मिलर्स एसोसिएशन और अफसर खा गए 140 करोड़

रायपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में ईडी ने कस्टम मिलिंग स्कैम में मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी सहित 5 पर एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप है कि 140 करोड़ रुपए की अवैध वसूली की गई। इसमें अफसरों से लेकर मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी तक शामिल हैं। जांच में पता चला है कि एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर लेवी वसूलते और अफसरों को जानकारी देते। जिनसे रुपए नहीं मिलते उनका भुगतान रोक दिया जाता। कारोबारियों के अनुसार, अफसरों को हर काम का पैसा देने पड़ता था। विधानसभा में भी बीजेपी विधायक शिवरतन शर्मा कहा था कि, कस्टम मिलिंग में प्रति टन 20 रुपए वसूली की जाती है। एसीबी अफसरों के मुताबिक, आरोपी अफसरों और मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों की जल्द गिरफ्तारी हो सकती है।

घायल को चार किमी पैदल चल खाट से वाहन तक पहुंचाया

डायल 112 ने की मदद, पेड़ से गिरकर हुआ था घायल

कोरबा, 30 जनवरी (एजेंसियां)। जंगल में दोना पत्तल तोड़ने गया ग्रामीण हादसे का शिकार हो गया। घर पर छठी कार्यक्रम होना था। जिसके लिए वह गांव से लगे जंगल में दोना पत्तल बनाने पत्ता लेने गया हुआ था। पत्तल तोड़ने पेड़ पर चढ़ा हुआ था। जहां ऊपर से नीचे गिरने के बाद घायल हालत में पेड़ के नीचे पड़ा हुआ था।

हादसे के दौरान उसका दाया पैर पूरी तरह से फैक्चर हो गया था। घंटों जंगल में पड़ा रहा। काफी देर बाद एक ग्रामीण की नजर पड़ी। इसके बाद इसकी सूचना उसने गांव जाकर परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने इसकी सूचना डायल 112 को दी। जहां 112 के कर्मी आरक्षक राम सिंह श्याम, चालक नीरज पांडे घायल के परिजनों के साथ काफी मशक्कत के बाद घायल को खाट से लेकर पैदल चार किलोमीटर तक जंगल से वहां तक लेकर पहुंचे।

ये घटना बांगो थाना अंतर्गत मोरगा के भुलसीभवना हाथीमरी जंगल की है। जहां घायल 55 वर्षीय रतनराम मंझवार के साथ हादसा हुआ। घायल के परिजन अमृत लाल ने बताया कि घर पर छठी कार्यक्रम है। जिसे लेकर खाना खाने के लिए दोना पत्तल बनाने पत्ता तोड़ने जंगल गया हुआ था। उन्हें लगा कि वापस आ जाएंगे।

इस बीच गांव में ही रहने वाले एक ग्रामीण ने घटना की जानकारी दी। चुकी गांव से जंगल दूर है और कोई साधन भी नहीं जाता है इसलिए डायल 112 को घटना की जानकारी दी गई। जहां पैदल चलकर खाट के जरिए वाहन तक पहुंचाया गया। जहां घायल को बांगो उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की देख रेख में इलाज किया जा रहा है।

सीएम साय बोले-जल्द बढ़ाएंगे धान खरीदी की तारीख

लोकसभा केंद्रीय चुनाव कार्यालय का किया उद्घाटन कहा– जनता ने विश्वास के साथ सौंपी सत्ता

रायपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को रायपुर में राजभवन के पास केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। सीएम साय ने कहा कि धान खरीदी की तारीख बढ़ाने का आग्रह हो रहा है। धान की बंपर खरीदी हो जाएगी। किसान भाइयों को कोई परेशानी नहीं होगी। आज शाम तक तारीख बढ़ाने का ऐलान कर देंगे।

दरअसल, भाजपा एक बार फिर मोदी सरकार की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच पहुंचेगी। मुख्यमंत्री साय ने कार्यालय के उद्घाटन के बाद मंत्रियों और नेताओं को शुभकामनाएं दीं। सीएम ने कहा कि मोदी की गारंटी पर विश्वास करते हुए लोगों ने

बीजेपी को वोट देकर सत्ता सौंपी है। सीएम साय ने कहा कि रायपुर लोकसभा भाजपा का अजेय किला है। इस बार बीजेपी 5 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत दर्ज करेगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार ने बेहतरीन काम किया है। इस दौरान उन्होंने उपलब्धियों के बारे में बताया। जिसमें राम मंदिर का निर्माण, धारा 370 को हटाना और तीन तलाक का फैसला शामिल है। उन्होंने कहा कि उत्तर पूर्व और ईसाई बहुल गोवा में भी भाजपा की सरकार बनी है और देश के हर वर्ग को मोदी सरकार पर भरोसा है। उन्होंने दावा किया कि इस बार 400 से ज्यादा सीटों के साथ यह सरकार बनेगी। भाजपा सरकार द्वारा कम समय में किए गए कार्यों को भी याद किया। जिसमें धान खरीदी, लंबित बोनस का वितरण, पीएससी में कथित अनियमितता की सीबीआई जांच समेत अन्य शामिल हैं। जल्द ही महतारी वंदन योजना और एलपीजी सिलेंडर जैसे वादे पूरे होंगे। भाजपा लोकसभा चुनाव में स्थानीय सरकार के काम-काज के साथ केंद्र की मोदी सरकार के कामों को जनता के बीच जाकर गिनाएगी।

नौसेना ने 11 समुद्री लुटेरों से बचाए 19 पाकिस्तानी नाविक

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में सोमालिया के पूर्वी तट के पास से सोमवार को 19 पाकिस्तानी नाविकों की जान बचाई। ईरान के झंडे वाले जहाज को 11 समुद्री लुटेरों ने किडनैप कर लिया था। इसके बाद नौसेना ने जहाज को रेस्क्यू करने के लिए अपना युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा भेजा था। नौसेना ने रेस्क्यू किए जहाज का नाम एफवी अल नाईमी बताया है।

बलोच आर्मी का पाकिस्तान के माच शहर पर हमला

सेंट्रल जेल और आर्मी कैंप पर दागे 15 रॉकेट, पुलिस के साथ घंटों मुठभेड़

इस्लामाबाद, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने सोमवार को माच शहर में 3 हमले किए। इसमें 1 पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि 1 ट्रक ड्राइवर घायल हुआ है। जियो न्यूज के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि सोमवार को रात करीब साढ़े 9 बजे बीएलए ने करीब 15 रॉकेट से यह हमला किया।

उन्होंने मिलिट्री कैंप और सेंट्रल जेल को निशाना बनाया। इस

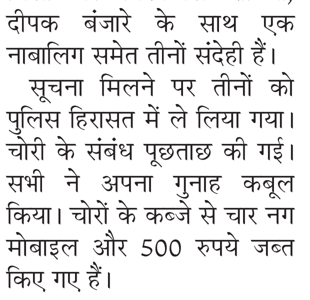

दौरान 2 रॉकेट माच जेल कॉलोनी में गिरे। वहीं एक लेवीज पुलिस स्टेशन पर गिरा। बीएलए के अलगाववादी माच रेलवे स्टेशन में भी घुस गए। इस दौरान पाकिस्तानी पुलिस और अलगाववादियों के बीच कई घंटों तक गोलीबारी भी हुई।

बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलोच ने हमले की जिम्मेदारी ली। बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक बीएलए ने दावा किया है कि हमले में करीब 10 सैनिकों की मौत हुई है। उन्होंने इस ऑपरेशन को दारा-ए-बोलन नाम दिया था।

जियो न्यूज के मुताबिक, सोमवार रात पूरे माच शहर में अंधेरा छा गया था। हर तरफ सिर्फ धमाकों की आवाज सुनाई दे रही थी। ये इतनी तेज थी कि कई घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। इसके बाद प्रशासन ने शहर के कोलपुर और धरार इलाके में लोगों की आवाजाही बंद कर दी।

बलूचिस्तान के सूचना मंत्री जन अचकजई ने कहा- सुरक्षाकर्मी तीनों हमलों को नाकाम करने में सफल रहे। जिन जगहों पर हमला किया गया, वहां ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। आतंकवादी फिलहाल पीछे हट चुके हैं और सुरक्षा बल उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

अवैध कब्जाधारियों की खैर नहीं

प्रशासन का चला बुलडोजर, गहमा गहमी का रहा माहौल

कोरबा, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पोंडी उपरोड़ा में नेशनल हाईवे पर सड़क किनारे अवैध कब्जाधारियों की नजर है। जहां कब्जे का खेल जोरों पर चल रहा है। ऐसे अवैध कब्जा दरिया पर जिला प्रशासन की कार्रवाई देखने को मिली। जहां बने बेजा कब्जा पर प्रशासन का बुलडोजर चलाया। इस कार्रवाई के दौरान पीड़ित कब्जा बुलडोजर चलने के पूर्व प्रशासन और पीड़ित परिवार से घंटों बहसबाजी चली। जिसकी वजह से गहमा गहमी का माहौल बन गया। तहसीलदार सुमन दास मानिकपुरी ने बताया कि कार्रवाई के पूर्व चुनाव के समय नोटिस दिया गया था। कब्जाधारी संतोष कुमार ने नेशनल हाइवे पर सड़क किनारे सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा था। बार-बार नोटिस जारी करने के बाद भी कब्जा खाली नहीं कर रहा था। आगामी चार दिनों तक अल्टीमेटम के बाद भी नहीं माना। जिसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई की। कब्जाधारियों के द्वारा मकान के आगे और पीछे हिस्से पर बाउंड्री वॉल करने की फिराक में था। लंबी चौड़ी सरकारी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास चल रहा था। शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के दौरान मौके पर राजस्व विभाग और बांगो पुलिस की टीम मौके पर मौजूद रही। नेशनल हाईवे पर कई और ऐसी जमीनें हैं। जहां अवैध कब्जाधारियों ने कब्जा कर रखा है। ऐसे लोगों पर भी बुलडोजर चलाने की जरूरत है।

फिलिस्तीनी समर्थकों पर भड़कीं पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर

नैंसी पेलोसी ने कहा- चीन लौट जाओ, वही तुम्हारा हेडक्वार्टर, जंग के खिलाफ चल रहा था प्रदर्शन

तेल अवीव/पेरिस, 30 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की पूर्व हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी के घर के बाहर कुछ फिलिस्तीनी समर्थकों ने प्रदर्शन किया। इस पर पेलोसी भड़क गईं। उन्होंने चिल्लाते हुए प्रदर्शनकारियों से चीन वापस जाने को कहा। पेलोसी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पूर्व स्पीकर कहती हैं- मेरे रास्ते से हटो। चीन लौट जाओ। तुम लोग वहीं से आए हो, वहीं तुम्हारा हेडक्वार्टर है।

वीडियो में प्रदर्शनकारियों को पेलोसी को घेरते हुए देखा गया। पेलोसी अपनी कार में बैठने की कोशिश कर रही थीं। प्रदर्शनकारियों ने उन पर जवाब देने के लिए दबाव बनाने की कोशिश की। वहां डेमोक्रेटिक पार्टी के भी कुछ कार्यकर्ता

इजराइल-हमास जंग में सीजफायर की अपील कर रहे थे। पेलोसी इससे पहले भी इन प्रदर्शनों को रूस और पुतिन से जोड़ चुकी हैं।

इजराइल और हमास के बीच फ्रांस की राजधानी पेरिस में चल रही बातचीत भी नाकाम होती नजर आ रही है। इसकी वजह कतर को बताया जा रहा है। कतर भी इस बातचीत का अहम हिस्सा है।

दरअसल, अमेरिका और इजराइल को लगता है कि कतर की सरकार का रुख हमास जैसे आतंकी संगठन को लेकर काफी नर्म है और वो इजराइल पर समझौते का दबाव डालना चाहती है। टाइम्स ऑफ इजराइल ने इसकी पुष्टि की है।

बढ़ते आर्थिक संकट के बीच नए करेंसी नोट जारी करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 30 जनवरी (एजेंसियां)। अपनी मुद्रा की गिरती कीमत और खराब सरकारी नीतियों के चलते पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रहा पाकिस्तान अब नए करेंसी नोट जारी करेगा। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने एलान किया है कि वह जल्द ही नए नोट जारी करेगा, जिनमें सुरक्षा के फीचर्स पहले से काफी बेहतर होंगे। बताया गया है कि पाकिस्तान इस वक्त नकदी संकट से जूझ रहा है। इसकी एक बड़ी वजह नकली नोट हैं, जिनका धड़ल्ले से उपयोग अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। पाकिस्तान के स्टेट बैंक के गवर्नर जमील अहमद ने कहा कि नए नोटों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के सुरक्षा फीचर्स होंगे। साथ ही इनके डिजाइन में भी बदलाव कर इन्हें आधुनिक बनाया जाएगा।

गवर्नर ने कहा कि यह सारे बदलाव धीरे-धीरे किए जाएंगे ताकि पाकिस्तान की जनता को कोई समस्या न आए। उन्होंने कहा कि कुछ देशों में नोट बदलने के दौरान परेशानी देखी गई है।

भारत के पड़ोसियों से करीबी बढ़ाने में जुटा चीन

मालदीव के बाद अब बांग्लादेश नया टार्गेट जिनपिंग ने शेख हसीना को किया आमंत्रित

ढाका, 30 जनवरी (एजेंसियां)। चीन ने बांग्लादेश के साथ सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश की आधिकारिक यात्रा पर आमंत्रित किया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने देश में चीन के राजदूत याओ वेन से रविवार को मुलाकात करने के बाद पत्रकारों से कहा, 'हम (ढाका) यात्रा के लिए उचित समय पर निर्णय लेंगे।' हसीना के नेतृत्व वाली आवामी लीग के लगातार चौथी बार आम चुनाव में जीत हासिल करने के बाद वेन ने महमूद से मुलाकात की। इससे पहले चीन ने मालदीव के राष्ट्रपति को आमंत्रित किया था।

मुख्य विपक्षी दल 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' (बीएनपी) ने सात जनवरी को हुए चुनाव का बहिष्कार किया था। महमूद ने कहा कि प्रधानमंत्री की बीजिंग यात्रा के लिए परस्पर रूप से सुविधाजनक तारीख चुनने के लिए बातचीत की गयी। प्रधानमंत्री हसीना ने 1-6 जुलाई, 2019 को

चीन की आधिकारिक यात्रा की थी। उन्होंने डालियान में 13वें समर दावोस फोरम में भी भाग लिया था। उन्होंने उस दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी।

चुनाव के बाद दी बधाई

इस बीच, विदेश मंत्रालय ने महमूद और वेन के बीच मुलाकात के बाद एक बयान में कहा, 'चीन ने बांग्लादेश में नयी सरकार के कार्यकाल के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की अपनी इच्छा दोहरायी है।' सात जनवरी को हुए चुनाव के तुरंत बाद चीन के राष्ट्रपति शी ने हसीना को बधाई दी और द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने का विश्वास जताया था। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि चीन चाहता था कि हसीना पिछले साल सितंबर में बीजिंग की यात्रा करें लेकिन उस समय चुनाव और अन्य कार्यक्रमों के कारण वह यात्रा नहीं कर पायीं।

बांग्लादेश बना रहा बैलेंस

चीन ने यह निमंत्रण तब दिया है जब सत्तारूढ़ पार्टी के महासचिव और सड़क परिवहन मंत्री उबैदुल कादिर ने कहा कि बीएनपी ने चुनाव को विफल करने की कोशिश की तो भारत, बांग्लादेश के साथ खड़ा था। कादिर ने ढाका में भारत के उच्चायुक्त प्रणय कुमार वर्मा से मुलाकात करने के बाद पत्रकारों से कहा, 'भारत के साथ हमारे संबंधों में तनाव आने की कोई वजह नहीं है।' विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि ढाका, भारत और चीन दोनों के साथ रिश्ते में संतुलन बनाए रखेगा क्योंकि 'हमें अपनी स्थिरता और विकास के लिए दोनों की आवश्यकता है।'

अमेरिका-चीन की अहम बैठक 12 घंटे चली

दोनों देशों की बढ़ती नजदीकी पर नाटो ने चेताया

वॉशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। व्हाइट हाउस ने सोमवार को बताया कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सचिव जैक सुलिवन और उनके चाइनीज समकक्ष वांग यी के बीच थाइलैंड के बैंकॉक में अहम बैठक हुई। यह बैठक 12 घंटे लंबी चली और इसमें कई अहम मुद्दों पर बात हुई। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि दोनों अधिकारियों के बीच साप्ताहांत में बैठक हुई और यह 12 घंटे लंबी चली।

जॉन किर्बी ने कहा सुलिवन और डायरेक्टर वांग यी ने नवंबर में राष्ट्रपति जो बाइडन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक में जिन मुद्दों पर बातचीत हुई, उनकी प्रगति पर चर्चा की। साथ ही सेना के सेना से कम्युनिकेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की सेफ्टी और खतरों और काउंटर नारकोटिक्स पर द्विपक्षीय सहयोग पर बातचीत की। अमेरिका और चीन के बीच नारकोटिक्स के मुद्दे पर वर्किंग ग्रुप का गठन हो भी गया है। साथ ही दोनों देशों के बीच कई वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी बात हुई, जिनमें रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया के बिगड़ते हालात, उत्तर कोरिया, दक्षिण चीन सागर और म्यांमार का मुद्दा प्रमुख है। अमेरिका और चीन की बढ़ती नजदीकी पर नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग ने चेताया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका और अन्य सहयोगी देश चीन के साथ बातचीत कर रहे हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन साथ ही हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि चीन तेजी से अपनी सैन्य ताकत को बढ़ा रहा है। इसके अलावा वह यूक्रेन युद्ध के बाद से रूस के ज्यादा करीब हुआ है और चीन, रूस को लगातार मदद भी कर रहा है।

संत प्रवृत्ति से ही मनुष्य जीवन का कल्याण संभव-सतगुरू माता सुदीक्षा जी

महाराष्ट्र के नागपूर शहर में 57 वां वार्षिक निरंकारी संत समागम का भव्य आयोजन जारी

नागपूर, 30 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के नागपूर शहर में जारी 57 वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के भव्य आयोजन पर अपने आद्यात्मिक संबोधन में सतगुरू माता सुदीक्षा जी ने कहा कि, संत प्रवृत्ति से ही जीवन कल्याण संभव है। इस संदर्भ में, संत निरंकारी मंडल के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, महाराष्ट्र के नागपूर शहर में 57 वां वार्षिक निरंकारी संत समागम का भव्य आयोजन हो रहा है। निरंकारी सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज ने 57 वें निरंकारी संत समागम में शुभाशीष व्यक्त किए। जिसमें तत्संबंधित जारी भव्य आयोजन पर निरंकारी सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज ने उपस्थित सभी असंख्य जन परिवार को अपने आद्यात्मिक प्रवचन से प्रसन्नचित्त किया। अपने प्रवचन में माता सुदीक्षा जी ने कहा कि, संत प्रवृत्ति से ही समस्त मानव जीवन का कल्याण संभव है एवं जीवन में सन्तों का संग करना अत्यावश्यक है। संत प्रवृत्ति से जीवन की वास्तविक सुंदरता है तथा उससे युक्त होकर ही सहज

रूप में ही कल्याण की ओर बढा जा सकता है। इस बारे में सतगुरू माता सुदीक्षा जी ने जीवन की सार्थकता को समझाते हुए कहा कि, इस संसार में दोनों सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रवृत्तियां विद्य़मान है, जिसका चयन हमें अपने विवेक से स्वयं ही करना होता है। साथ ही ब्रह्मज्ञान हमें विवेकशील दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिसको अपनाकर हम सकारात्मक भाव से भक्तिमय जीवन जीते आगे बढते हैं। इस दौरान सतगुरू माता सुदीक्षा जी ने अपने आद्यात्मिक प्रवचन में, महाराष्ट्र राज्य के पुरातन सन्तों का स्मरण कर बताया कि, सभी सन्तों ने जीवन में प्रभु परमेश्वर को प्राथमिकता देने की ही शिक्षा दी है। सन्तों की दिव्य वाणी से ही हमारे मन में व्याप्त अहंकार, क्रोध, लोभ का सहज रूप में नाश होता है। जिस प्रकार उबलते पानी में हम अपना चेहरा नहीं देख सकते, ठीक उसी प्रकार मन में क्रोध, अंहकार एवं स्वार्थ के भाव होने पर जीवन में कुछ भी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता। साथ ही उन्होंने कहा कि, परमात्मा ने हमें हर ढंग की क्षमता प्रदान की है। हम चाहे तो एक सही मनुष्य बनकर फरिश्ते या सन्त जैसा जीवन जी सकते हैं, जो मनुष्य का मूल स्वभाव है, अन्यथा इसके विपरीत दिशा में जाकर राक्षसी प्रवृत्ति से ग्रसित हो सकते हैं। इस मामले में चयन हमारा अपना है कि हम साधुमय जीवन जीना चाहते हैं या असाधुमय जीवन जीना चाहते हैं।

इस दौरान संत समागम में निरंकारी राजपिता रमित जी ने कहा कि, सतगुरू ने ब्रह्मज्ञान द्वारा नश्वर एवं शाश्वत की पहचान कराई है, सत्य व माया को पृथक कर दर्शाया है। जिसमें सत्य वही है जो सदैव कायम है एवं इस सत्य को पाने से ही जीवन में वास्तविक सुकून आ सकता है। सुकून की परम अवस्था परमेश्वर को पाना ही है। इसके अभाव में स्थायी रूप में सुकून पाना संभव नहीं। इस एक परमात्मा को जानकर, इससे एकमेव होकर ही हर पल में सुकून प्राप्त हो जाता है। अपनी इच्छा को प्रभु इच्छा में सम्मिलित करने से जीवन में आध्यात्मिक भाव आता है, जिससे सुकून का अनुभव होता है। इस संत समागम में पहुंचे सभी श्रद्धालुओं के लिए लंगर(भोजन) व्यवस्था की गयी। जिसे देखकर अनेकता में एकता तथा बंधुत्व भाव का सुंदर उदाहरण देखने को मिल रहा है। साथ ही इस समागम में कायरोप्रेक्टिक थेरपी का शिविर आयोजित किया गया।

अमेरिका में एक और भारतीय छात्र की गई जान

यूनिवर्सिटी से हुआ था गायब, अब मौत की पुष्टि

वॉशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में बीते दो दिन के अंदर दो भारतीय छात्रों की हत्या की खबर सामने आई है। हाल ही में अटलांटा में एक दुकान में भारतीय छात्र विवेक सैनी की एक नशेड़ी ने हथौड़े से मार-मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद अब शिकागो की पड्र्यू यूनिवर्सिटी के एक छात्र की भी हत्या का मामला सामने आ रहा है। पुलिस ने यूनिवर्सिटी के कैंपस से रविवार को लापता हुए छात्र नील आचार्य की मौत की पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें रविवार सुबह 11.30 बजे के करीब यह जानकारी मिली कि पश्चिमी लफायेट के 500 एलिसन रोड पर एक शव बरामद किया गया है। जांच करने पर यह एक कॉलेज जाने वाले छात्र का शव पाया गया। मृतक की पहचान भारतीय मूल के छात्र नील आचार्य के तौर पर की गई है। इससे पहले रविवार को

नील की मां गौरी आचार्य ने एक्स पर पोस्ट कर लोगों से अपने बेटे को ढूंढने की अपील की थी। उन्होंने कहा था- हमारा बेटा नील आचार्य 28 जनवरी से लापता है। वह अमेरिका की पड्र्यू यूनिवर्सिटी का छात्र है। उसे आखिरी बार एक उबर कैब के ड्राइवर ने पड्र्यू यूनिवर्सिटी में छोड़ा था। हम उसकी जानकारी चाहते हैं। अगर आपको कुछ पता हो तो हमारी मदद करें। उनके इस पोस्ट के बाद शिकागो में महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि वे पड्र्यू यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के साथ जुड़े हैं और मामले पर नील के परिवार से भी बात कर रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के टैक्स रिकॉर्ड किए थे लीक

अदालत ने दोषी को सुनाई पांच साल की सजा

वॉशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समेत कई लोगों के टैक्स रिकॉर्ड चोरी करने और उन्हें लीक करने के मामले में अमेरिका की अदालत ने एक शख्स को दोषी माना है। अदालत ने दोषी को पांच साल जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने 38 साल के चार्ल्स लिटिलजॉन को डोनाल्ड ट्रंप समेत अमेरिका के हजारों अरबपतियों के आयकर रिटर्न्स अवैध तरीके से सार्वजनिक करने का दोषी पाया गया है।

इन मामलों में दोषी ठहराया गया युवक

दोषी युवक एक कंसल्टिंग फर्म के साथ काम करता था। वह फर्म अमेरिका के आंतरिक राजस्व सेवा के साथ मिलकर काम करती है। इसी फर्म के काम के दौरान दोषी लिटिलजॉन ने ट्रंप समेत हजारों अमीर लोगों के टैक्स रिकॉड्र्स चोरी किए और उन्हें अपनी निजी वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिया था। हालांकि बाद में उसने इन

रिकॉड्र्स को वेबसाइट से हटा लिया था। लिटिलजॉन पर आरोप है कि उसने टैक्स रिकॉड्र्स चुराए और सिस्टम की खामियों का फायदा उठाया। साल 2020 में द न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख में दावा किया गया था कि साल 2016 में डोनाल्ड ट्रंप ने सिर्फ 750 डॉलर के आयकर का भुगतान किया था। माना जाता है कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने इन्हीं लीक दस्तावेजों के आधार पर यह लेख लिखा था। ये भी कहा था कि पिछले 15 सालों में से 10 सालों में ट्रंप ने बिल्कुल भी आयकर नहीं चुकाया था। सजा का एलान करते हुए जज एना रेयस ने कहा कि यह बेहद गंभीर अपराध है और उन्होंने इसे अमेरिका और इसके कानूनी आधार पर हमला करार दिया। जज ने दोषी को संबोधित करते हुए तुमने तत्कालीन राष्ट्रपति पर हमला किया, जो कि हमारे संवैधानिक लोकतंत्र पर हमला है। जज ने इसे अमेरिका के राजस्व इतिहास की सबसे बड़ी लूट में एक करार दिया। जज ने इस अपराध की तुलना 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद में हुई हिंसा से की।

अंटार्कटिका में बढ़ा बर्ड फ्लू वायरस का खतरा

साउथ जॉर्जिया, 30 जनवरी (एजेंसियां)। अंटार्कटिका क्षेत्र में स्थित साउथ जॉर्जिया द्वीप में एक किंग पेंग्विन की मौत हुई है। ऐसी आशंका है कि पेंग्विन की मौत बर्ड फ्लू वायरस से हुए संक्रमण से हुई है। अगर वायरस से मौत की पुष्टि होती है तो यह पहली बार होगा, जब किंग प्रजाति की पेंग्विन की बर्ड फ्लू से मौत हुई है। अंटार्कटिका के रिमोट इलाके में पेंग्विन की एच5एन1 (बर्ड फ्लू) वायरस से मौत की आशंका से वैज्ञानिकों ने गहरी चिंता जताई है। वैज्ञानिकों को डर है कि अभी पेंग्विंस का ब्रीडिंग का सीजन है। ऐसे में अगर पेंग्विन में बर्ड फ्लू फैला तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं और यह आधुनिक समय की सबसे बड़ी पारिस्थितिकीय आपदा भी बन सकती है। अंटार्कटिका दुनिया का एकमात्र ऐसा क्षेत्र था, जहां अब से पहले बर्ड फ्लू का एच5एन1 वायरस नहीं पाया गया था और किंग पेंग्विन में भी इससे पहले कभी बर्ड फ्लू वायरस का संक्रमण नहीं

देखा गया था। यही वजह है कि किंग पेंग्विन की बर्ड फ्लू से मौत की आशंका से वैज्ञानिक चिंतित हैं। जिस पेंग्विन की संभावित बर्ड फ्लू वायरस से मौत हुई है, वह किंग प्रजाति की है, जो कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रजाति है पेंग्विंस की।

3 फीट लंबी ये पेंग्विन 20 साल से ज्यादा समय तक जीवित रह सकती हैं। किंग पेंग्विन से पहले जेनटु प्रजाति की पेंग्विन की बर्ड फ्लू वायरस से मौत हो चुकी है। पूर्व में दक्षिण अफ्रीका, चिली और अर्जेंटीना में पांच लाख से ज्यादा समुद्री पक्षी, जिनमें पेंग्विंस भी शामिल हैं, उनकी बर्ड फ्लू से मौत हो चुकी है।

महात्मा गांधी महान शख्सियत थे 'बापू' के फैन हुए बिलावल भुट्टो

भारत के खिलाफ उगलते हैं जहर

इस्लामाबाद, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपीपी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने महात्मा गांधी की तारीफ की है। बिलावल ने कहा कि महात्मा गांधी इतिहास की एक बहुत बड़ी और प्रेरणा देने वाली शख्सियत रहे हैं। बिलावल ने जियो टीवी के साथ एक बातचीत में ये कहा है। बिलावल से पूछा गया था कि उनके परिवार से इतर वो कौन सी हस्तियां हैं, जो उनको पसंद हैं। इस पर उन्होंने कहा कि दुनिया की बात की जाए तो मार्टिन लूथर किंग और महात्मा गांधी बहुत बड़े व्यक्तित्व रहे हैं, जिन्होंने दुनियाभर में अपने विचारों से एक असर डाला। उन्होंने कहा कि इन दोनों नेताओं को पूरा विश्व जानता है। बिलावल विदेश मंत्री रहते हुए भारत पर काफी आक्रामक रहे थे लेकिन अब वह महात्मा गांधी की तारीफ करते दिखे हैं। बिलावल भुट्टो जरदारी ने पाकिस्तान की खराब आर्थिक

हालात और दूसरी समस्याओं पर बात करते हुए कहा कि देश की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के लिए कुछ शक्तिशाली लॉबी और नौकरशाही को जिम्मेदार हैं। इस्लामाबाद में जुल्फिकार अली भुट्टो इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के छात्रों के साथ बातचीत में बिलावल ने कहा कि वह सत्ता में आते हैं तो शक्तिशाली लॉबी के नियंत्रण को समाप्त करने के लिए सख्त कदम उठाएंगे। बिलावल ने कहा, महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और जलवायु परिवर्तन देश के सामने प्रमुख मुद्दे हैं। इन मुद्दों से प्राथमिकता के आधार पर निपटने की आवश्यकता है। खासतौर से आर्थिक संकट ने पाकिस्तान के लिए एक गंभीर खतरा पैदा किया है। ऐसे में हमने आर्थिक विशेषज्ञों से बात की है और सरकार में आने पर हम एक जन-समर्थक आर्थिक योजना लेकर आएंगे। जिससे पाकिस्तान के आम लोगों तक पैसा पहुंचे और देश की आर्थिक हालत में सुधार हो।

अमेरिकी सांसद बोले- चीन से पैदा खतरा भारत-अमेरिका संबंधों के लिए अवसर

एफटीए सहित मजबूत समझौतों की जरूरत

वॉशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। चीन से पैदा खतरा भारत और अमेरिका के लिए अवसर है कि वे एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) सहित मजबूत समझौते करें और दोनों देश एक-दूसरे पहले साझेदार के रूप में देखें। यह बात एक अमेरिकी सांसद डेरेल इस्सा ने कही। वह थिंक टैंक हडसन इंस्टीट्यूट में भारत और दक्षिण की रिसर्च फेलो अपर्णा पांडे के साथ बातचीत कर रहे थे।

कैलिफोर्निया से रिपब्लिकन सांसद इस्सा ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध आज चीन के खतरे पर आधारित नहीं लगते हैं। उन्होंने कहा, मैं चीन के खतरे को एक अवसर के रूप में देखता हूं। ईसा ने आगे कहा कि जिन वस्तुओं का उत्पादन चीन में किया जाता है, उसी लागत पर भारत में भी वस्तुओं का उत्पादन किया जा सकता है।

इस्सा ने आगे कहा, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि दोनों देश हकीकत में मजबूत समझौते करें। जिसमें, मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भी शामिल हो। ताकि, भारत और अमेरिका एक-दूसरे को पहले साझेदार के तौर पर देखें। मुझे लगता है कि हम यह करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय कर चुके हैं। अमेरिका-दक्षिण एशिया संबंधों पर इस्सा ने कहा, अमेरिका में हमारी सबसे बड़ी और सबसे सफल कंपनियों को चलाने वाले लोग कौन हैं? अमेरिका में प्रवर्तक (इनोवेटर्स) कौन हैं? हमारे विश्वविद्यालयों पर किसका दबदबा है? इसका स्पष्ट जवाब है- भारतीय छात्रों का। उन्होंने आगे कहा, भारतीय छात्र अमेरिका में रहना चाहते हैं। जबकि, चीन अपने अपने छात्रों को वापस अपने देश ले जाना चाहता है। उन्होंने कहा कि वह बीते बीस वर्षों आव्रजन (इमिग्रेशन) सुधार पर काम कर रहे हैं और उन्होंने देखा है कि उन भारतीय लोगों के लिए एच-1बी और अन्य अस्थायी वीजा कार्यक्रम सबसे बड़ी चुनौती है, जो (अमेरिका के) स्थायी निवासी और नागरिक बनना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, जो भारतीय निवेशक अपने एल-1 वीजा का विस्तार करना चाहते हैं, वे अधिक मात्रा में अमेरिका में निवेश करना चाहते हैं। ये वे लोग हैं, जो भारत और अमेरिका का मेल-जोल चाहते हैं। वे हकीकत में अमेरिका में अपने पैर जमाना चाहते हैं।

एलन मस्क की न्यूरालिंक ने इंसानी दिमाग में सफलतापूर्वक लगाई चिप

वॉशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। एलन मस्क ने एलान किया है कि इंसानी दिमाग में चिप लगाने का पहला परीक्षण सफल रहा है। एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ने यह सफलता हासिल की है। मस्क ने कहा है कि जिस व्यक्ति के दिमाग में चिप लगाई गई है, उसकी सेहत में सुधार हो रहा है। मस्क ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी। न्यूरालिंक को यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने बीते साल मई में ही इंसानी दिमाग में चिप लगाने की मंजूरी दी थी।

ब्रिटेन से कोकीन निर्यात के मामले में भारतीय मूल की दंपती दोषी करार

लंदन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में एक भारतीय मूल के दंपती पर आधा टन कोकीन ऑस्ट्रेलिया पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। दंपति की पहचान 59 वर्षीय आरती धीर और 35 वर्षीय कवलजीत सिंह रायजादा के तौर पर की गई है। मई 2021 में सिडनी एयरपोर्ट पर ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने उनके पास से 57 मिलियन पाउंड करीब 601 करोड़ की कोकीन बरामद की थी। हालांकि, दंपती ने ऑस्ट्रेलिया नें कोकीन निर्यात करने और मनी लॉनड्रिंग से इनकार कर

601 करोड़ के ड्रग्स पकड़े

दिया है। सोमवार को साउथवार्क क्राउन कोर्ट के जूरी ने निर्यात के 12 मामले और मनी लॉनड्रिंग के 18 मामलों में दोषी ठहराया है। दोनों को मंगलवार को इसी अदालत में सजा सुनाई जाएगी। ड्रग्स वाणिज्यिक उड़ानों के जरिए ब्रिटेन से ले जाया गया था, इसमें छह धातु टूलबॉक्स भी शामिल थे। इसे जब खोलागया, जब उसमें से 514 किलो कोकीन मिला। ऑस्ट्रेलिया में बेचे जाने पर इसकी कीमत 601 करोड़ से भी अधिक होती। ब्रिटेन में एक किलो कोकीन की कीमत 26,000 पाउंड है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में इसकी कीमत 110,000 पाउंड है। जांच के दौरान पाया गया कि दंपति ने एक फर्जी कंपनी वीफ्राई फ्रेट सर्विसेस नाम से एक फर्जी कंपनी बनाई थी, जिसका उद्देश्य नशीली दवाओं की तस्करी करना था।

हेमाराम चौधरी बोले-फैसले लेने दिल्ली पर निर्भर भजनलाल सरकार

कहा-न अधिकार, न क्षमता; विधायकों की भी कोई नहीं सुन रहा

बाड़मेर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी ने कहा है कि भजनलाल सरकार कुछ काम नहीं कर रही है। यह पर्ची की सरकार है। छोटा-मोटा फैसला भी दिल्ली से पूछकर किया जा रहा है। सीएम के पास फैसला लेने का न तो अधिकार है और न क्षमता। रात को पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी युवा कांग्रेस की ओर से बाड़मेर शहर में निकाली गई रोजगार दो-न्याय दो मशाल यात्रा में शामिल हुए थे। यह यात्रा राजीव गांधी मित्रों को हटाने और असम में राहुल गांधी की न्याय यात्रा को रोकने के विरोध में निकाली गई थी। इसी दौरान उन्होंने राजस्थान सरकार पर कटाक्ष किए।

पूर्व मंत्री ने कहा-राजस्थान सरकार अपने स्तर पर न तो कुछ कर रही है और न ही करने की हालत में है। ऊपर से जो निर्देश मिलेंगे, वही काम होगा। मेरे ख्याल से राजीव गांधी मित्रों को हटाने के निर्देश भी दिल्ली से ही मिले हैं। कहने को तो राजस्थान की सरकार है लेकिन यहां पर केंद्र की सरकार में बैठे दो व्यक्तियों के निर्णय लागू हो रहे हैं।

चौधरी बोले- विधायकों की सुनवाई नहीं

हेमाराम चौधरी ने कहा- विधानसनभा चुनाव में चुनकर आए विधायकों की भी कोई सुन नहीं रहा है। आम आदमी की सुनवाई तो सरकार में होनी ही नहीं है। विधायक भी ऐसे ही घूम रहे हैं। उनके कहने से भी कोई काम नहीं हो रहा। यह सरकार विधायकों की राय से नहीं बनी है। यह पर्ची और लॉटरी खोलकर बनी सरकार है। उन्होंने कहा- इतने विधायक थे, उनमें से एक की लॉटरी निकल गई। सभी देखा कि किस तरह से पर्ची खुली और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे चौंक गई। फिलहाल विधानसभा चल रही है, मंत्री जवाब नहीं दे पा रहे हैं, किसी तरीके से प्रश्नों के जवाब दे रहे हैं। यह मौजूदा सरकार कैसे काम कर रही है।

लोकसभा चुनाव पर बोले- पार्टी जाने

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस किसे प्रत्याशी बनाएगी, इस सवाल पर चौधरी ने कहा-लोकसभा चुनाव पार्टी लड़ाएगी, किसको लड़ाएगी यह तो पार्टी जाने। मैं विधानसभा चुनाव लड़ने को भी तैयार नहीं था, लोकसभा में कैसे तैयार होऊंगा। मेरी राय है कि नए लोगों को इस पर राय देनी चाहिए। युवा कांग्रेस की मशाल पदयात्रा में पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, राजस्थान युवा कांग्रेस प्रभारी मोहम्मद शाहिद, प्रदेश उपाध्यक्ष सतवीर चौधरी, जिलाध्यक्ष राजेंद्र कड़वासरा सहित कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल हुए थे। पदयात्रा बाड़मेर शहर में गांधी चौक से रवाना होकर अहिंसा सर्किल तक निकाली गई। पद यात्रा में युवा हाथों में मशाल जलाकर शामिल हुए। पदयात्रा में युवा बेरोजगार को रोजगार देने, शोषित को न्याय दिलाने के नारे लगा रहे थे।

भाजपा जिलाध्यक्ष बोले- आरोप बेबुनियाद

इस मामले पर बाड़मेर भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पालीवाल ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हेमाराम चौधरी के आरोपी झूठे और निराधार हैं। आरोप लगाने से बेहतर वे सरकार को अपने अनुभव से कोई अच्छा सुझाव दें। कई साल से ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट अटका पड़ा था। इस सरकार ने आते ही मध्यप्रदेश के बीच एमओयू किया। क्या यह काम नहीं है। ऐसा कौन सा विधायक है जिसका काम नहीं हो रहा है। हेमाराम चौधरी के आरोप झूठे हैं।

राजस्थान में कल से 6 जिलों में बारिश की संभावना

जयपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में अगले पांच दिन मौसम पलटने वाला है। 5 दिनों तक एक के बाद एक सक्रिय होने वाले पश्चिमी विक्षोभ की वजह से प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश की संभावना है। मंगलवार को पश्चिमी राजस्थान में हल्के बादल छाए हुए हैं। इस कारण तापमान में बढ़ोतरी हुई है और तेज ठंड से राहत मिली है।

मौसम विशेषज्ञों ने कल से राज्य के उत्तरी हिस्से में बादल छाने और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है। वहीं, मंगलवार सुबह जयपुर, अलवर, दौसा, भरतपुर समेत पूर्वी हिस्सों मौसम साफ रहा। जयपुर में धूप निकली। जयपुर में आज न्यूनतम तापमान भी एक डिग्री सेल्सियस बढ़कर 12.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य में 31 जनवरी से दो बैक टू बैक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है।

सीएस सुधांश पंत जयपुर कलेक्ट्रेट पहुंचे

अधिकारी गायब मिले : कर्मचारियों-अधिकारियों की उपस्थिति और उनके टेबल पर रखी फाइलों को देखा

जयपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्य सचिव सुधांश पंत मंगलवार सुबह औचक निरीक्षण करने जयपुर कलेक्ट्रेट ऑफिस पहुंचे। यहां उन्होंने एक-एक अधिकारियों के चैम्बर में जाकर स्थिति देखी। कुछ गायब मिले। कलेक्ट्रेट ऑफिस आने से पहले पंत संभागीय आयुक्त की बिल्डिंग में भी गए थे, जहां उन्होंने कर्मचारियों-अधिकारियों की उपस्थिति और उनके टेबल पर रखी फाइलों को देखा।

सीएस सुधांश पंत सुबह करीब 9.20 बजे सबसे पहले संभागीय आयुक्त के ऑफिस की बिल्डिंग में पहुंचे। यहां से करीब 15 मिनट विजिट करने के बाद वे 9.35 बजे जयपुर कलेक्ट्रेट के ऑफिस पहुंचे। जयपुर कलेक्ट्रेट ऑफिस में अचानक सीएस के पहुंचते ही कर्मचारियों-अधिकारियों में हड़कंप मच गया। दौरे के दौरान सीएस ने एक-एक एसडीएम और एडीएम के चैंबर को खुद जाकर देखा। जहां अधिकांश अधिकारी मौके पर मिले। जयपुर सिटी एसडीएम के चैंबर में फाइलों का अंबार देखा और कुछ फाइलों को देखा। उधर, कलेक्ट्रेट ऑफिस में ही आरएए (राजस्व अपील अधिकारी) रामावतार गुर्जर अपने चैंबर में मौके पर नहीं मिलने पर सीएस ने उनके स्टाफ से जानकारी ली। उनके यहां भी फाइलों की पेंडेंसी दिखी, जिसकी मुख्य सचिव ने फोटो ली। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही मुख्य सचिव ने जयपुर जेडीए का ऐसा ही औचक निरीक्षण किया था। उस दौरान जेडीए सचिव, जोन उपायुक्त और अतिरिक्त आयुक्त के चैंबर में न मिलने पर उनको एपीओ कर दिया था।

2002 में जयपुर कलेक्टर रह चुके है पंत

1991 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी सुधांश पंत जयपुर में कलेक्टर रह चुके है। सरकार ने उन्हें अगस्त 2002 में जयपुर कलेक्टर के पद पर लगाया था। इससे पहले वे ट्रेनिंग के दौरान 1994 में जयपुर उपखण्ड अधिकारी के तौर पर काम कर चुके है। 2010 में जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त रह चुके हैं। मुख्य सचिव सुधांश पंत तीन साल पहले जींस पहनने से नाराज हो गए थे। तब वह राजस्थान में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी थे।

जोधपुर संभाग में जलदाय विभाग के अधिकारियों की बैठक में पानी की सप्लाई की समीक्षा के दौरान कलेक्ट्रेट के डीआरडीओ सभागार में अधिशासी अभियंता को जींस में देख पंत नाराज हो गए। उनको लताड़ लगाते हुए घर जाकर पैंट पहनकर आने को कहा। इस पर अधिशासी अभियंता तुरंत वहां से रवाना हो गए और घर जाकर जींस की जगह पैंट पहन वापस बैठक में शामिल होने पहुंचे।

राजस्थान में स्कूल-कॉलेजों में हिजाब बैन करने की तैयारी

मंत्री किरोड़ी बोले-सभी स्कूलों-मदरसों में ड्रेस कोड लागू हो; दूसरे राज्यों से रिपोर्ट मांगी

जयपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2021 दिसंबर में कर्नाटक के एक कॉलेज में छात्राओं को हिजाब पहनने से रोका गया था। विवाद इतना बढ़ा कि तत्कालीन राज्य सरकार ने स्कूल-कॉलेजों में हिजाब पहनने पर रोक लगा दी थी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने भी सरकार के पक्ष में ही फैसला सुनाया। हालांकि, साल 2022 में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे इस मामले को लेकर जजों में इसे लेकर एकराय नहीं बन पाई थी।

अब राजस्थान में भी एजुकेशनल सोसाइटी में हिजाब पहनने को लेकर बहस छिड़ गई है। जयपुर के हवामहल से विधायक बालमुकंद आचार्य के एक सरकारी स्कूल में दिए बयान के बाद यह मुद्दा गरमाया है। सूत्रों का दावा है कि राजस्थान में सरकारी स्कूलों में हिजाब पर पाबंदी लगाने की तैयारी है। इसके लिए दूसरे राज्यों में हिजाब पाबंदी को लेकर स्टेटस रिपोर्ट मांगी गई है। वहीं, भजनलाल सरकार के वरिष्ठ मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने हिजाब बैन की वकालत की है। सोमवार 29 जनवरी को इस विवाद की गूंज विधानसभा में भी सुनाई दी।

किरोड़ी बोले-ड्रेस कोड का पालन हो, हिजाब पर पाबंदी लगे

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने प्रदेशभर में स्कूलों में हिजाब पर बैन लगाने की पैरवी की है। उन्होंने कहा- स्कूलों में ड्रेस कोड का पालन होना ही चाहिए। हिजाब सरकारी ही नहीं, प्राइवेट स्कूलों और मदरसों तक में प्रतिबंधित होना चाहिए। मैं इस पर मुख्यमंत्री से बात करूंगा। मीणा ने कहा- जब मुगल आक्रांता यहां आए तो उन्होंने यह प्रथा हमारे देश में चलाई। हिंदुस्तानी मुसलमानों का डीएनए भी तो हमारा ही है। बुर्का और हिजाब हमारे देश में किसी प्रकार स्वीकार्य नहीं है। जब मुसलमान देशों में ही हिजाब-बुर्का स्वीकार्य नहीं है तो हम क्यों अपनाएं? हमारे विधायक ने यह मामला उठाया है। ड्रेस कोड पुलिस में भी होता है, स्कूलों में भी होता है। ऐसे तो कोई थानेदार कल कुर्ता-पायजामा पहनकर थाने में बैठ जाएगा। हर चीज का एक नियम होता है।

शिक्षा मंत्री को भेजी जाएगी रिपोर्ट

सूत्रों के मुताबिक, शिक्षा विभाग में उच्च स्तर पर हिजाब बैन मामले में रिपोर्ट तैयार करके शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को भेजी जाएगी। बताया जा रहा है कि दिलावर ने ही इस मामले में विभाग से दूसरे राज्यों में हिजाब बैन के स्टेटस और राजस्थान में इसके प्रभावों को लेकर रिपोर्ट मांगी है। दूसरे राज्यों के पैटर्न का अध्ययन करने के बाद हिजाब बैन की संभावनाओं पर रिपोर्ट मंत्री को भेजी जाएगी। उच्च स्तर से हरी झंडी मिलने के बाद राजस्थान के स्कूलों में भी हिजाब पर पाबंदी लगाई जा सकती है।

कांग्रेस विधायक ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

कांग्रेस विधायक रफीक खान ने गंगापोल स्कूल में बीजेपी विधायक के हिजाब पर पाबंदी होने और बच्चों को हिजाब पहनकर नहीं आने की बात का जिक्र करते हुए सवाल उठाए थे। रफीक खान के स्थगन प्रस्ताव से अलावा मुद्दा उठाने पर बीजेपी विधायकों ने आपत्ति जताई थी।

एनआईए ने रोहित गोदारा पर रखा 5 लाख का इनाम

राजस्थान पुलिस ने भी घोषित कर रखा है 1 लाख का इनाम, विदेश भाग गया था आरोपी

जयपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने राजस्थान के मोस्ट वांटेड रोहित गोदारा पर 5 लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। रोहित गोदारा दिल्ली से फर्जी पासपोर्ट बनाकर विदेश भाग गया था, जिसके बाद उसकी लोकेशन आज तक किसी भी जांच एजेंसी को नहीं मिली। हालांकि बताया जा रहा हैं। इंटरपोल के पास कुछ महीने पहले उसके गल्फ में होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद वहां पर टीमें भी गई थी, लेकिन रोहित नहीं मिला। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के बाद रोहित गोदारा ने रोहित पवन के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनाया और विदेश भाग गया था।

गोगामेड़ी व ठेहठ की हत्या के बाद रोहित गोदारा राजस्थान पुलिस और एनआईए की हिट लिस्ट में हैं। रोहित को पकड़ने के लिए सभी जांच एजेंसी एक जुट होकर काम कर रही है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि अभी तक रोहित की लोकेशन तक किसी जांच एजेंसी के पास नहीं हैं। एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने बताया कि रोहित की गिरफ्तारी के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी को कई बार लेटर लिखा जा चुका है, क्योंकि रोहित मूसेवाला हत्याकांड के बाद से विदेश भाग गया। इसलिए केंद्रीय एजेंसियों को उसे लेकर लेटर लिखा गया। कई बार रोहित की लोकेशन मिलती भी है, लेकिन जब तक टीमें पहुंचती है, वह दूसरी जगह भाग जाता है। राजस्थान पुलिस ने भी रोहित पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया हुआ है। हमारी टीमें भी रोहित के गुर्गों पर निरंतर नजर बनाए हुए हैं।

जानकार सूत्रों की माने तो रोहित गोदारा अभी-भी राजस्थान में उसके गुर्गों के संपर्क में हैं। ये लोग उसे पुलिस, रेड, क्रिमिनल, गैंग के बारे में समय-समय पर जानकारी देते रहते हैं। जिससे रोहित निरंतर अपडेट होता रहता है। एनआईए के पास रोहित को लेकर कोई बड़ी लीड़ है। जानकार बताते हैं कि एनआईए ने पहली बार इतनी बड़ी राशि की बदमाश को पकड़ने के लिए निकाली है। एनआईए जल्द रोहित को पकड़ सकती है।

हिंदू छात्राओं ने कहा-हाथ फैलाकर करवाई जाती है प्रार्थना, स्कूल परिसर में है मस्जिद

जयपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी के हवा महल विधानसभा क्षेत्र स्थित गंगापोल में संचालित राजकीय बालिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल शिक्षा को छोड़ सांप्रदायिक कट्टरता का केंद्र बन गया है। दरअसल 26 जनवरी को स्थानीय विधायक बालमुकुंद आचार्य यहां मुख्य अतिथि बनकर गए थे।

समारोह के बाद सोमवार को स्कूल की मुस्लिम छात्राओं ने नारेबाजी करते हुए सुभाष चौक थाने का घेराव कर कहा कि समारोह में आए विधायक बालमुकुंद आचार्य ने स्कूल में जय श्रीराम के नारे लगवाए और हिजाब पहने आईं मुस्लिम छात्राओं को भला-बुरा कहा।

नदियों को जोड़ने की साज़िश अन्तर्राष्ट्रीय हो सकती हैं

पानी से जुड़ी कंपनियां देश को बांटने की साज़िश कर रही-हिम्मत सिंह

दौसा, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पीकेएस लिंक परियोजना पर मध्यप्रदेश और राजस्थान राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा एमओयू होने पर किसान नेता हिम्मत सिंह ने बयान जारी कर बताया कि नदियों को जोड़ने का सपना अंग्रेजों ने भी 161 साल पहले देखा था। उन्होंने बताया कि आज मोदी सरकार ब्रिटिश शासन का सपना साकार कर रही हैं। दरअसल नदियों को आपस में जोड़ने का विचार 161 साल पुराना है। 1858 में ब्रिटिश सैन्य इंजीनियर आर्थर थॉमस कॉटन ने बड़ी नदियों के बीच नहर जोड़ने का प्रस्ताव दिया था। ताकि ईस्ट इंडिया कंपनी को बंदरगाहों की सुविधा मिल सके। उन्होंने पीएम से सवाल किया कि क्या मोदी जी भी नदियों को जोड़ने वाली परियोजना के तहत अपने कॉरपोरेट मित्रों को नदियों के ज़रिए नए बंदरगाह तो नहीं देना चाह रहे हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि नदियों को जोड़ने की साज़िश अन्तर्राष्ट्रीय भी हो सकती हैं। पानी से जुड़ी कंपनियां देश को बांटने की साज़िश कर रही हैं। नदियों को जोड़ने की बहस तो अंग्रेजों से शुरू हुई और बाद में नेहरू के जमाने से चली आ रही है।

लेकिन यह अब तक कारगर इसलिए नहीं हुई क्योंकि यह उपयोगी नहीं हैं। सतलज-यमुना जल विवाद का उदाहरण हमारे सामने है। इससे न पानी राजस्थान को मिला और न ही पंजाब को। कावेरी जल विवाद भी आज तक नहीं निबटा। भारत में पानी पर तिहरा अधिकार है। इसमें नदियों में बहने वाले जल पर केंद्र सरकार का हक है। राज्य में बरसने वाले जल पर राज्य सरकार का हक है और तीसरा हक नगर निगम, पंचायतों का है। ऐसे में नदियों को आपस में जोड़ना लड़ाई कराने जैसा है। पानी से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियां देश को बांटने की साजिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नदियों को आपस में जोड़ने से एक बड़ा पर्यावरणीय संकट भी पैदा हो जाएगा। यदि हम नदी के प्राकृतिक प्रवाह के साथ छेड़छाड़ करेंगे तो यह पारिस्थितिकीय आपदा को बुलाने जैसा होगा।

सीएम भजनलाल शर्मा ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन किए अर्पित

जयपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) पर मंगलवार प्रातः शासन सचिवालय स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। शर्मा ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं ज्ञात-अज्ञात शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने प्रतिमा के समक्ष बैठकर गांधी जी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिये, रघुपति राघव राजा राम, राम रतन धन पायो, श्री राम जय राम, तू ही है तो सहारा' सुने। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव, सचिवालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने भी मौन रखकर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हत्या के मामले में 2 दिन से चल रहा धरना प्रदर्शन खत्म

करौली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। गौरतलब है कि टेम्पो चालक सुरेश शर्मा पुत्र भगवती निवासी खानपुरा को आरोपी गोलू मीणा निवासी जिला झालावाड़ ने ट्रैक्टर से टक्कर मार दी थी। घटना के बाद चालक ट्रैक्टर को भगाकर ले गया। इस दौरान सुरेश ने जब पीछा कर ट्रैक्टर को रुकवाना चाहा तो आरोपी ने टेम्पो चालक को कुचल दिया और ट्रैक्टर समेत भाग निकला। हादसे में टेम्पो चालक सुरेश शर्मा की मौत हो गई।

खूबसूरत लड़कियों की फोटो दिखाकर कइयों को फंसाया

खाकी की नजर पड़ी तो शिकारी खुद शिकार बन गए

उदयपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर के सविना थाना पुलिस ने बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है. पुलिस ने खूबसूरत लड़कियां उपलब्ध कराने के नाम पर ठगी करने वाले चार युवकों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उसने 30 सिम, 14 एटीएम और 9 मोबाइल जब्त किए हैं. ये सभी युवक उदयपुर शहर के एकलिंगपुरा क्षेत्र में किराए के मकान में रहते थे. ये युवक एक ऑनलाइन साइट के माध्यम से खूबसूरत लड़कियों की फोटो दिखाकर कइयों को अपना शिकार बना चुके हैं. पुलिस उनसे पूछताछ करने में जुटी है.

पुलिस के अनुसार पकड़े गए युवकों में संतोष पाटीदार, शंकर पाटीदार, मेघ पाटीदार और जितेंद्र पाटीदार शामिल हैं. ये चारों आरोपी डूंगरपुर जिले के आसपुर के रहने वाले हैं. वे यहां से ऑनलाइन साइट से लोगों को लड़कियों के फोटो भेजते थे. उसके बाद उनको उपलब्ध करवाने के नाम पर ऑनलाइन रुपये मंगवाते. रुपये मिलने के बाद उसके नंबर को ब्लॉक कर देते थे. राजस्थान पुलिस ने हाल ही में साइबर ठगी करने वाले ठगों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया था. उसी अभियान को अंजाम तक पहुंचाने के लिए जब पुलिस साइबर ठगों की जांच पड़ताल कर रही थी तब इनका सुराग लगा. उसके बाद पुलिस ने युवकों को धरदबोचा. पुलिस फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और पता लगाने की कोशिश कर रही हे कि इनके साथ और कौन कौन लोग हैं जो इस काम में जुड़े हुए हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले डूंगरपुर पुलिस ने भी ऐसा ही एक रैकेट पकड़ा था. हालांकि पुलिस को उस गैंग का एक ही शातिर हाथ लग पाया था. वह भी इसी तरह से खूबसूरत लड़कियों की फोटो दिखाकर ग्राहकों को फंसाता था और उनसे रुपये ऐंठ कर उनके नंबर को ब्लॉक कर देता था. डूंगरपुर की साबला पुलिस ने वहां पचलासा बड़ा निवासी नाथूलाल पाटीदार को पकड़ा था. पुलिस ने जब उसका मोबाइल चैक किया तो पूरे मामले का खुलासा हुआ था.

लग्जरी कार से अवैध अफीम व एमडीएम पाउडर की तस्करी, दो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 30 जनवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा एसपी श्याम सिंह के निर्देशन में सोमवार को पुलिस ने गुलाबपुरा में यह कार्रवाई की है। गुलाबपुरा थाना इंचार्ज सुगन सिंह बिजारणिया ने बताया कि गुलाबपुरा पुलिस चैकी 29 मिल नेशनल हाईवे पर नाकाबंदी की गई थी। इस दौरान सफेद रंग की लग्जरी कार का ड्राइवर पुलिस नाकाबंदी देख भागने लगा। जिसके बाद पुलिस ने पीछा किया और कार को रुकवाया। तलाशी ली तो उसके पास एक किलो अफीम और 91 ग्राम एमडीएम पाउडर मिला। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 5 करोड़ से ज्यादा की कीमत बताई है। इस मामले में पुलिस ने जहीर खान पुत्र फतेह मोहम्मद निवासी हनुमानगढ़ और अख्तर खान पुत्र युसूफ खान निवासी गंगानगर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार एमडीएम पाउडर ड्रग की अफीम से कीमत अधिक होती है और इसकी मात्रा काफी कम। एमडीएम की डिमांड युवाओं में ज्यादा है। पुलिस के मुताबिक इसकी कीमत करोड़ों में है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 91 ग्राम एमडीएम पाउडर और 1 किलोग्राम अवैध अफीम चित्तौड़गढ़ के पास से खरीदी थी और इसकी सप्लाई गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर की ओर करनी थी। बदमाशों ने बताया कि मादक पदार्थों के बारे में जानकारी के बाद हमने सूरतगढ़ में किराये की होटल ली और वहां मादक पदार्थो की तस्करी करना शुरू किया। तस्कर जहीर खान ने बताया कि वह हनुमानगढ़ से बीकानेर पढ़ाई करने गया था। गलत संगत के चलते नशे की आदत लगी और पढ़ाई के साथ-साथ मौज मस्ती और महंगे शौक के कारण उसने मादक पदार्थों की तस्करी करना शुरू किया। इस काम के लिए इन्होंने सूरतगढ़ में किराए की होटल में और यहीं से तस्करी की वारदात को अंजाम दिया जाता था।

गुजराती सोशल वेलफेयर सोसाइटी के प्रेरणा महिला विंग की शुरुआत

हैदराबाद, 30 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। दी गुजराती सोशल वेलफेयर सोसाइटी सिकंदराबाद द्वारा प्रेरणा महिला विंग का शुभारंभ हिम्मतनगर में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में दी गुजराती सोशल वेलफेयर सोसाइटी हैदराबाद के अध्यक्ष जिग्नेश दोशी एवं महिला विंग की सदस्याएं कोकिला बेन पारेख, कल्पना बेन दवे, पूनम बेन देडिया एवं भानुमति बेन दोशी ने दीप प्रज्वलन कर विंग का शुभारंभ किया। विज्ञप्ति में बताया गया कि महिला विंग में 250 सदस्यों का चयन लकी ड्रा प्रणाली द्वारा किया गया। एंजॉय द फर्स्ट इवेंट के अंतर्गत हल्दी-कुमकुम थीम, चूडी बाजार एवं अन्य मनोरंजक खेल आदि का आयोजन किया गया। जिसमें सभी सदस्याओं ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रेरणा लेडीज विंग समिति की सदस्याएं हेतल बेन सामानी, शांति बेन व्यास, आरती बेन पुरोहित, अल्पा बेन वोरा, पूजा जसानी, नैना बेन पटेल एवं मयूरी तन्ना के अतिरिक्त दी गुजराती वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारी एवं अन्य समाज के सदस्य उपस्थित थे।

छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता करने के प्रयास जारी : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि जिला केंद्र में बच्चों के पार्क में आने वाले आगंतुकों को भोजन, नाश्ता और नाश्ता बेचने के लिए छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को जिला केंद्र स्थित जिलाधिकारी कक्ष में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि 4 फरवरी से छोटे व्यापारियों को डिस्ट्रिक्ट सेंटर के चिल्ड्रेन पार्क में आगंतुकों को विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ बेचकर आर्थिक रूप से बढ़ने के अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

टीपीसीसी प्रदेश चुनाव समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन, हैदराबाद में मुख्यमंत्री और टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में तेलंगाना प्रदेश चुनाव समिति की बैठक हुई। मुख्य अतिथि के रूप में एआईसीसी प्रभारी दीपादास मुंशी, एआईसीसी सचिव रोहित चौधरी, मंसूर अली खान, विष्णु नाथ, कार्यकारी अध्यक्ष, एआईसीसी सचिव, मंत्री, सदस्य आदि शामिल हुए। इस अवसर पर सीएम व टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कहा कि संसदीय चुनाव 60 दिनों में होने की संभावना है। राज्यसभा चुनाव का शेड्यूल आ चुका है। तेलंगाना में भी राज्यसभा चुनाव हो रहे हैं। लोकसभा चुनाव के अच्छे परिणाम प्राप्त करने के प्रयास किये जाने चाहिए। राज्य सरकार जनता से किये गये वादों पर अमल कर रही है। हम लोगों तक पहुंचने के लिए बैठकें कर रहे हैं। हमने पहले ही संसद के निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं। संसद को निर्वाचन क्षेत्रवार बैठकें करनी चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि हर स्तर पर कार्यकर्ता, संसद प्रभारी, विधायक, विधानसभा प्रभारी, किसी भी स्तर पर उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी। राज्य में कांग्रेस के लिए अच्छे नतीजे आने के आसार हैं। आज की राजनीति में संसद चुनाव बहुत महत्वपूर्ण हैं।

परीक्षाओं में बेहतर परिणाम की दिशा में काम करें : तिवारी

आसिफाबाद 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर समाहर्ता दीपक तिवारी ने कहा कि 10वीं की वार्षिक परीक्षाओं में बेहतर परिणाम की दिशा में प्रयास किये जाने चाहिए। मंगलवार को जिला परिषद ने डिस्ट्रिक्ट सेंटर स्थित बॉयज हाई स्कूल का औचक निरीक्षण किया और शिक्षकों व अधिकारियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि 10वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा में बेहतर परिणाम प्राप्त करने का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को छात्रों को विषय के अनुसार तैयार करना चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए कि सभी छात्र 10 जीपीए हासिल करें। छात्रों की प्रगति के आधार पर, यह सुझाव दिया जाता है कि परीक्षणों को कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर विशेष ध्यान देने के साथ जोड़ा जाना चाहिए। इस कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक, संबंधित अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

तकनीकी युग में सहकारी बैंकिंग में उल्लेखनीय प्रगति : रमेश बंग

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंस्टीट्यूट को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट, राजेंद्रनगर, हैदराबाद ने आज आरबीआई के हालिया परिपत्रों और बैंकिंग विनियमन अधिनियम पर अध्यक्ष, निदेशक मंडल, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और तेलंगाना के सहकारी शहरी बैंकों के शीर्ष अधिकारियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रशिक्षण परिसर, हैदराबाद मे किया गया।

संकाय एवं कार्यशाला समन्वयक नीलू पांडे ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। वरिष्ठ संकाय प्रो.श्रीनिवास ने अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि लंबे अंतराल के बाद सहकारी शहरी बैंकों के लिए आरबीआई के हालिया परिपत्र और बीआर अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आईसीएम में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। एपी महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक, हैदराबाद के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग ने कार्यशाला का उद्घाटन किया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, बंग ने सीयूबी के शीर्ष प्रबंधन के लाभ के लिए इस महत्वपूर्ण विषय को चुनने के लिए आईसीएम के निदेशक और संकाय की सराहना की, जो सीयूबी के दिन-प्रतिदिन के कामकाज और इसके अनुपालन में एक आवश्यक पैरामीटर है। बंग ने कहा कि इस तकनीकी युग में सहकारी बैंकिंग में उल्लेखनीय प्रगति और परिवर्तनकारी विकास देखा गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इसे सहकारी बैंकों पर लागू करने के लिए बैंकिंग विनियमन अधिनियम में संशोधन किया और धारा 56 जोड़कर अन्य बदलाव पेश किए, जिसे सहकारी बैंकों को आरबीआई की देखरेख में लाने के लिए 2020 में फिर से संशोधित किया गया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर नियामकों द्वारा जारी परिपत्रों, दिशानिर्देशों का पालन करना और बीआर अधिनियम के नियमों की गहन समझ और जटिलताओं का पालन करना बहुत महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला में तेलंगाना के सहकारी शहरी बैंकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 29 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पूर्व एजीएम, बैंक ऑफ इंडिया और फैकल्टी एपीसीओबी पी टी एस मूर्ति, भद्राद्री बैंक के अध्यक्ष कृष्ण मूर्ति, काकतीय बैंक के अध्यक्ष एम नरसिम्हा रेड्डी, वाई एल एन एस बैंक के अध्यक्ष एम वेंकट रेड्डी, भावना ऋषि बैंक के उपाध्यक्ष वाई मोहन रेड्डी उपस्थित प्रतिभागियों में से थे। संसाधन कार्मिक ने प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए उत्तरों को स्पष्ट किया।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 167 वां स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 30 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच का 167 वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर शिवरामपल्ली के सरस्वती शिशु मंदिर में संपन्न हुआ।

मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुन्दर अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति में में जानकारी देते हुए बताया कि शिविर का शुभारंभ अग्रसेन महाराज जी की पूजा से किया गया। गोपाल अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, संयोजक उमेश अग्रवाल, विष्णु गुप्ता, श्याम सुन्दर अग्रवाल सहसंयोजक उमाशंकर गोयनका, रतन गुप्ता, जयप्रकाश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, पुष्पक अग्रवाल, सुरेश गोयल, अनुराग गुप्ता, अग्रवाल समाज के पूर्व कोषाध्यक्ष आर.के.जालान, मानंद मंत्री ललित अग्रवाल, सहमंत्री शुशील कुमार, कोषाध्यक्ष अनिल बंसल और सदस्य बजरंग लाल अग्रवाल, घांसीबजार शाखा के मुकेश केडिया और मनोज सिंह ने भाग लिया। शिविर में रैंडम ब्लड शुगर, रक्तचाप, हृदय रोग जांच हेतु ईसीजी और 2डी ईको, सामान्य रोग, स्त्री रोग और बच्चों के विशेषज्ञ, हड्डी रोग की जांच की गई। हैदराबाद के नेत्र विशेषज्ञों के द्वारा नेत्र जांच की गई। जांच के दौरान पाये गये 20 मोतियाबिंद के रोगियों का मोतियाबिंद निशुल्क आपरेशन स्वरूप आई सेंटर द्वारा किया जाएगा। क्राउन डेंटल क्लिनिक के डा. कपिल बलदेव द्वारा दंत जांच हेतु सेवा दी। एसएमएस इएनटी अस्पताल के निर्देशक डॉ स्मरण सिंह के नेतृत्व में पूरी टीम ने नाक,कान,गले की जांच की। डॉ पी. रवी की टीम ने फिजियोथेरेपी की सेवा प्रदान की। बाल गोविन्द राय हेल्थ केयर सेंटर के सरदार गोबिंद सिंह द्वारा प्राकृतिक विधि एकुप्रेशर से रोगियों को लाभ पहुंचाया। इस जांच शिविर में 365 स्थानीय लोगों ने जांच सेवा का लाभ उठाया। भवानी ग्रुप, इंद्रबाग हैदराबाद, के पुष्पक अग्रवाल के नेतृत्व में निशुल्क औषधि का वितरण किया गया।

पालतू कुत्तों का निशुल्क टीकाकरण

मदनूर, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के आदेशानुसार मदनूर में पशुपालन एवं चिकित्सा विभाग के अंतर्गत पालतू कुत्तों का टीकाकरण किया गया। मंगलवार के दिन मंडल केंद्र के पशु वैद्यकीय दवाखाना में स्थानिक पशु वैद्यकीय अधिकारी विजय बंदीवार के नेतृत्व में एंटी रेबीज टीकाकरण किया गया। इस अवसर पर डा बंदीवार ने कहा कि टीकाकरण करने से कुत्तों का स्वास्थ्य ठीक रहता है टीकाकरण के कुछ दिन बाद इन्हें बूस्टर डोज देने से कुत्तों में विविध वायरस से लड़ने की शक्ति निर्माण होती है। इस समय उप पशु वैद्यकीय अधिकारी एवं साथ पशु कर्मचारी उपस्थित थे।

नवमतदाताओं को ईवीएम, वीवी पैट मशीन का डेमो

मदनूर 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल के नायब तहसीलदार बी भरत ने मंगलवार को तहसील कार्यालय में ईवीएम और वीबी पैट मशीनों के माध्यम से मतदाता जागृती कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस में नव मताधिकार प्राप्त युवतियों, युवाओं और लोगों के लिए तहसीलदार कार्यालय में ईवीएम मशीनों पर जागरूकता डेमो का आयोजन किया और कहा कि लोगों को इस डेमो का उपयोग करना चाहिए। इस समय स्थानिक तहसील कार्यालय अधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने राज्य सरकार से गोसामहल निर्वाचन क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और सरकारी भूमि की रक्षा करने की अपील की। उप नगर आयुक्त बालय्या गारिनी ने एबिड्स में जीएचएमसी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराते हुए आनंद गौड व अन्य शिकायतकर्ता।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर इमलीबन बस स्टॅड में स्थापित महात्मा गांधीजी के प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर एएमसी बोवनपल्ली के सरकारी सलाहकार सदस्य ए गौतम जैन, पी राजेंद्र यादव, मनीलाल शाह, गजानन चौधरी, रघुनंदन गोपे, सुरेश यादव, नरसिंग राव, विष्णु यादव आदि उपस्थित रहे।

जिनिंग मिल में कर्मचारी घायल

मदनूर 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देगलूर तालुका कवलगाव निवाशी मारोती वाघमारे ने बताया कि कुछ माह से गोविंद जिनिंग मिल में प्रेस वर्कर के रुप में कार्यकर रहा है। दो दिन पहले काम करते वक्त मारोती को मार लगने से वह घायल हो गया। साथ में कार्य करने वालों ने मारोती को तुरंत देगलूर शहर के एक निजी अस्पताल भरती कराया। वहां डॉक्टर की जांच में मारोती के हाथ की छोटी उंगली में चोट पाया गया है।

उसके हाथ में एक स्टील राड डालकर आपरेशन किया गया। डाक्टर ने घायल मारोती को दो से लेकर तीन महीने तक आराम की सलाह दी। इस पर मारोती ने अपने परिवार के पालन पोषण के लिए जिनिंग मिल मालिक से विनती करते हुए मुआवजा राशि देने की मांग की है।

मुधोल के पूर्व विधायक ने की सिंचाई मंत्री से मुलाकात

निर्मल, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुधोल निर्वाचन क्षेत्र कांग्रेस पार्टी के प्रभारी पूर्व विधायक नारायण राव पटेल ने हैदराबाद में सिंचाई विभाग के मंत्री से मुलाकात की और निर्वाचन क्षेत्र की कई समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। साथ ही अपने इलाके की अलग अलग जल योजनाओं के लिए और नुकसान के लिए राशि आवंटित करने की मांग रखी। मंत्री को एक याचिका सौंपकर पूछा गया कि निर्वाचन क्षेत्र में प्राणहिता चावेल्ला परियोजना नहर के लिए कुल 500 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। पूर्व विधायक नारायण राव पटेल ने कहा कि मंत्री ने जवाब दिया और अगली बजट बैठक में ये धनराशि आवंटित करने का वादा किया।

चेन्नई से हैदराबाद पहुंचे कुमावत समाज के समाज सेवी सोहनलाल बाकरेचा का स्वागत व अभिनंदन करते हुए आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, भंवरलाल मेरोता, रामकिशोर भडलीवाल व बंशीलाल बाकरेचा।

निदेशक शांतिलाल डागा ने किया स्थानांतरित वर्धमान (महिला) को-आप. अर्बन बैंक की शाखा का किया उद्घाटन

महानगर हैदराबाद स्थित वर्धमान (महिला) को-आप. अर्बन बैंक की शाखा लोथकुन्टा से गोलनाका अलवाल सिकंदराबाद स्थानांतरित

हैदराबाद, 30 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। महानगर हैदराबाद स्थित वर्धमान (महिला) को-आप. अर्बन बैंक की शाखा लोथकुन्टा से गोलनाका अलवाल, सिकंदराबाद स्थानांतरित हुई है।

इस संदर्भ में, वर्धमान (महिला) को-आप. अर्बन बैंक के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, वर्धमान (महिला) को-आपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की शाखा लोथकुन्टा से अपने नये परिसर अलवाल मेन रोड, गोलनाका अलवाल, केआर आर्केड, सिकंदराबाद में स्थानांतरित हुई है।

इस बारे में बैंक के वरिष्ठ आधिकारिक सूत्रों ने आगे बताया कि, वर्धमान (महिला) को-आपरेटिव अर्बन बैंक, निदेशक शांतिलाल डागा ने निदेशक मंडल तथा अमूल्य गहकों की उपस्थिति में तत्संबंधित नये परिसर में स्थानांतरित वर्धमान (महिला) को-आप. अर्बन बैंक की शाखा का उद्घाटन किया। इस शुभावसर पर निदेशक शांतिलाल डागा ने बताया कि, उक्त नये परिसर में स्थानांतरित वर्धमान(महिला)बैंक में वातानुकूलित व्यवस्था सहित सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है।इसके चलते ग्राहकों ने बैंक की संचरना व सुविधाओं से लैस युक्त बैंक शाखा की व्यवस्थाओं पर संतुष्टि व्यक्त की।

इस अवसर पर उक्त बैंक के चेयरमैन रितेश कुमार डागा ने बताया कि, वर्धमान(महिला) को-आप. अर्बन बैंक लि. जो अपने असंख्य ग्राहकों की सेवाओं को प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है, साथ ही सभी ग्राहकों को सुविधाजनक बैंन्किन्ग सेवाएं देने के लिए कटिबद्ध है। अतः उन्होंने लोथकुन्टा के बिजनेस एस्टाब्लिशमेन्ट्स से अपील की कि वे सभी तत्संबंधित नये परिसर में स्थानान्तरित बैंक का समर्थन करें व सहयोग प्रदान करें।

आपदाओं और दुर्घनाओं में समय पर मदद मिलनी चाहीए : कमांडर इंस्पेक्टर नंदी

निर्मल, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 10वीं बटालियन एनडीआरएफ के कमांडर इंस्पेक्टर पिंटू नंदी ने कहा कि बाढ़, तूफान, भूकंप और सड़क दुर्घटनाओं जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान समय पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

राष्ट्रीय आपदा अधिकारियों और अग्निशमन कर्मियों ने मंगलवार को शहरी वाईएसआर कॉलोनी सरकारी प्राथमिक विद्यालय में एक प्रदर्शन आयोजित किया जिसमें बताया गया कि आपदाओं के दौरान खुद को बचाने के साथ-साथ दूसरों को भी कैसे सुरक्षित रखा जाए।

छात्रों को डूबे हुए व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा कैसे दी जाए और गैस रिसाव को कैसे रोका जाए, इस बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में तहसीलदार मल्लेश, नायब तहसीलदार शेखर, आरआई वेंकटरमण, फायरमैन और अन्य लोग शामिल हुए।

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

टेस्ट में खल रही कप्तान विराट की कमी :12 साल बाद घर में लगातार 3 टेस्ट बिना जीते गुजरे ; 10 महीने में दूसरी हार

नई दिल्ली, , 30 जनवरी (एजेंसियां)। कप्तान रोहित शर्मा के कार्यकाल में एक ऐसा वाकया हो गया है जो पिछले 12 साल से नहीं हुआ था। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला हार गई है। यह घरेलू जमीन पर लगातार तीसरा ऐसा टेस्ट मैच है जिसमें भारतीय टीम को जीत नसीब नहीं हुई है। ऐसा आखिरी बार 2012 में हुआ था।

क्या घरेलू परिस्थितियों में भारत के प्रभुत्व का लंबा दौर समाप्त हो रहा है? घरेलू टेस्ट मैचों में रोहित की कप्तानी विराट कोहली की तुलना में कमजोर साबित हो रही है? चलिए आगे जानते हैं।

44 टेस्ट मैच बाद आया ऐसा दौर

घरेलू जमीन पर करीब 12 साल और 44 टेस्ट मैच ऐसा दौर आया है जब भारतीय टीम लगातार तीन टेस्ट मैचों में से एक भी नहीं जीत सकी। पिछला मौका 2012 में आया था। तब भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ ही दो टेस्ट मैचों में हार मिली थी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा था। इस बार के तीन ऐसे टेस्ट मैचों में से दो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रहे थे। इंदौर टेस्ट में भारत हारा था, जबकि अहमदाबाद टेस्ट ड्रॉ रहा था। अब हैदराबाद में इंग्लैंड ने हमें हरा दिया है।

विराट कोहली की कप्तानी में घर में कभी नहीं हुआ ऐसा

विराट कोहली ने 2015 में टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली। 5 नवंबर, 2015 को उन्होंने भारतीय जमीन पर पहली बार टेस्ट में टीम की कप्तानी की। उनके कार्यकाल में भारत ने 31 टेस्ट मैच अपनी जमीन पर खेले। इन 31 मैचों में कभी ऐसा नहीं हुआ जब भारत को लगातार तीन मुकाबलों में जीत न मिली हो।

विराट की अगुआई में भारत का भारत में जीत हासिल न कर पाने का सबसे लंबा दौर 2 टेस्ट मैचों का रहा। मार्च 2017 में एक टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और इसके ठीक बार एक टेस्ट श्रीलंका के खिलाफ ड्रॉ रहा था। गौर करने लायक बात यह है कि उन मुकाबलों में भी भारत हारा नहीं था।

विराट की कप्तानी में घर में 6 साल में दो टेस्ट हारे

विराट कोहली ने 2015 से 2021 तक छह साल घरेलू मैदानों पर कप्तानी की। इस दौरान भारत ने घर में 31 टेस्ट मैच खेले। 24 में टीम को जीत मिली और सिर्फ 2 में हार का सामना करना पड़ा। 5 टेस्ट ड्रॉ रहे। विराट की कप्तानी में घर में इन 2 हार के बीच 4 साल का फासला था।

दूसरी ओर रोहित ने 2022 से टेस्ट में भारतीय जमीन पर भारतीय टीम की कमान संभाली है। उन्होंने यहां 7 टेस्ट में टीम की कमान संभाली। 4 में भारत को जीत मिली है। 2 में हार झेलनी पड़ी और 1 मैच ड्रॉ रहा है। रोहित की कप्तानी में भारत को घर में दो हार 10 महीने के अंदर मिली है।

ऊपर के तमाम फैक्ट से गुजरने के बाद यह तो साफ हो जाता है कि घरेलू जमीन पर रोहित की कप्तानी विराट जितनी सफल नहीं हो पा रही है। इसके पीछे की वजह तीन पॉइंट्स में समझते हैं...

1. ट्रांजिशन फेज से गुजर रही भारतीय टीम

टीम इंडिया में फिलहाल युवा खिलाड़ियों के जगह बनाने का दौर चल रहा है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज और श्रेयस अय्यर जैसे युवाओं ने चेतेश्वर पुजारा, ईशांत शर्मा और अजिंक्य रहाणे जैसे अनुभवी प्लेयर्स को रिप्लेस कर दिया है। कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि टीम मैनेजमेंट अब युवाओं पर भरोसा दिखाकर भविष्य के बारे में सोच रही है। इसी को ट्रांजिशन फेज कहते हैं। यानी खिलाड़ियों के एक सेट का विदा होना और नए सेट का फील्ड पर उतरना।

ट्रांजिशन फेज में होने के कारण टीम में एकजुटता की कमी नजर आई और युवा खिलाड़ियों की अनुभवहीनता से भारत को 10 महीने में 2 हार का सामना करना पड़ गया। टीम इंडिया का आखिरी ट्रांजिशन फेज 2011 वर्ल्ड कप के बाद आया था। तब कोहली, रहाणे और पुजारा ने राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सचिन तेंदुलकर को रिप्लेस किया था। रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा ने भी तब ही हरभजन सिंह और प्रज्ञान ओझा की जगह ली थी।

2012 के ट्रांजिशन फेज का असर ये हुआ कि टीम इंडिया ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में 4-0 से 2 टेस्ट सीरीज गंवाईं। यहां तक कि भारत में भी टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से सीरीज हार का सामना करना पड़ गया। कोहली की कप्तानी में भी केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे प्लेयर्स टीम में आए। लेकिन इस दौरान विराट, पुजारा, रहाणे, अश्विन और जडेजा ने अपने अनुभव से टीम को बिखरने नहीं दिया।

2. फील्ड प्लेसमेंट और बॉलिंग में आक्रामकता की कमी

विराट ने 2014-15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली बार टेस्ट कप्तानी की। उन्होंने 2 ही मैचों में कमान संभाली, एक में टीम को 48 रन से हार मिली और दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा। विराट ने इनमें 3 सेंचुरी लगाई और अपनी फील्ड प्लेसमेंट और एग्रेसिव कप्तानी से टीम को दोनों ही बार जीत के करीब पहुंचाया। वह आगे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत कर ही माने।

रोहित की कप्तानी में शुरुआत से ही अटैकिंग फील्ड और इंटेंट की कमी नजर आई। जब टीम इंडिया हावी रहती तो रोहित का फील्ड प्लेसमेंट सही चल रहा होता है लेकिन दबाव आते ही वह बिखरे-बिखरे नजर आते। इंग्लैंड के खिलाफ भी पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने आखिर तक डिफेंसिव फील्ड लगाई। जहां इंग्लिश प्लेयर्स ने बहुत आसानी से सिंगल चुराए, स्वीप से रन बनाए और लगातार स्ट्राइक रोटेट की।

वैसे तो धोनी टीम इंडिया के बेस्ट कप्तान कहे जाते हैं लेकिन टेस्ट में वह भी कोहली के आसपास नहीं। विराट ने बतौर कप्तान भारत में 11 सीरीज खेलीं और सभी जिताईं। टीम ने साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को 2-2 सीरीज हराईं। जबकि ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ एक-एक बार सीरीज जीतीं।

धोनी की कप्तानी में भारत को घरेलू मैदान पर इंग्लैंड ने 2-1 से हराया, जबकि साउथ अफ्रीका ने 2 सीरीज ड्रॉ करा लीं। रोहित की कप्तानी में भारत में टीम ने ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को सीरीज हराईं। लेकिन टोटल 7 टेस्ट में 4 बार ही भारत को जीत मिली।

3. कोचिंग स्टाफ में बदलाव

कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया के 2 कोच रहे। 2016 में अनिल कुंबले और बाकी समय रवि शास्त्री। शास्त्री और कोहली के कॉम्बिनेशन में टीम इंडिया ने विदेश में भी टेस्ट जीतना शुरू कर दिया। 2018 में जब भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती, तब शास्त्री ने कहा था- पिच से फर्क नहीं पड़ता, हमें बस 20 विकेट निकालने हैं।

इसी इंटेंट के दम पर 2021 में टीम ने कोहली के बगैर ही युवा खिलाड़ियों साथ ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर टेस्ट सीरीज जीत ली। शास्त्री और कोहली की अटैकिंग सोच ने भारत को ऑस्ट्रेलिया में 4 और साउथ अफ्रीका-इंग्लैंड में 2-2 टेस्ट जिताए। एशिया के किसी भी कप्तान और कोच की जोड़ी इन 3 देशों में इतने ज्यादा टेस्ट नहीं जीते हैं।

फिलहाल राहुल द्रविड़ टीम के हेड कोच हैं और रोहित के फुल टाइम कैप्टन बनने के बाद वह ही ज्यादातर समय टीम में रहे। द्रविड़ अपने क्रिकेट करियर में काफी डिफेंसिव बैटर रहे और उनकी यही सोच अब रोहित की कप्तानी वाली टेस्ट टीम में भी नजर आती है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 में टीम ने शुरुआती 3 टेस्ट जीतने के लिए स्पिनर्स के कुछ ज्यादा ही मददगार पिचें बनवाईं। जिस कारण टीम को एक टेस्ट गंवाना पड़ा और तीनों ही टेस्ट 3 दिन के अंदर खत्म हो गए।

एसीसी चेयरमैन पद छोड़ सकते हैं जय शाह

आईसीसी अध्यक्ष बनने के लिए चुनाव लड़ेंगे; इंडोनेशिया में एसीसी की मीटिंग आज से

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। जय शाह एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे सकते हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में सचिव के पद पर भी काम कर रहे शाह आईसीसी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे। इसीलिए वह एसीसी का पद छोड़ सकते हैं।

आज यानी मंगलवार से इंडोनेशिया के बाली में एसीसी की एनुअल जनरल मीटिंग शुरू हो रही है। मीटिंग 2 दिन की है और 31 जनवरी तक चलेगी। मीटिंग में एसीसी के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स को लेकर भी फैसला लिया जाना है।

नवंबर में होंगे आईसीसी चेयरमैन पद के चुनाव

एसीसी अध्यक्ष पद का चुनाव हर 2 साल में एक बार होता है, जय शाह फिलहाल अपने पद का एक साल पूरा कर चुके हैं। माना जा रहा है कि अगले चुनाव से पहले ही वह अपना पद छोड़ देंगे, क्योंकि उन्हें एसीसी चेयरमैन पद

का चुनाव लड़ना है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का चुनाव इसी साल नवंबर में होना है, उससे पहले एसीसी मीटिंग में ही तय हो सकता है कि शाह एसीसी चेयरमैन पद का चुनाव लड़ेंगे या नहीं।

एसीसी मीडिया राइट्स फिलहाल स्टार के पास

एनुअल मीटिंग में एशिया के सभी क्रिकेट बोर्ड के सदस्य हिस्सा लेंगे। इसमें एसीसी मीडिया राइट्स पर भी फैसला लिया जाएगा। जिसके तहत एशिया कप जैसा बड़ा टूर्नामेंट ब्रॉडकास्ट होता है। इसी में अंडर-23, अंडर-19 और विमेंस एशिया कप के मैच भी दिखाए जाते हैं।

फिलहाल डिजनी प्लस हॉटस्टार के पास डिजिटल और स्टार के पास ही टीवी राइट्स हैं। स्टार ने 8 साल पहले राइट्स खरीदे थे। एसीसी ने मीडिया राइट्स नीलामी के लिए सभी टॉप ब्रॉडकास्टर्स को डिनर पर इन्वाइट भी किया है।

एशिया कप के वेन्यू पर भी फैसला होगा

मीटिंग में एशिया कप के अगले वेन्यू पर भी फैसला लिया जाना है। अब एशिया कप 2025 में होगा, जो टी-20 फॉर्मेट में कराया जाना है। टूर्नामेंट होस्टिंग के लिए यूएई और ओमान रेस में हैं। 2023 का एशिया कप पाकिस्तान की मेजबानी में श्रीलंका और पाकिस्तान में हुआ था, जिसे भारत ने जीता था।

यूएई और ओमान को एशिया कप की होस्टिंग मिलने में एक समस्या और भी है। टूर्नामेंट की मेजबानी फुल मेंबर एशियन बोर्ड को ही मिलती है और दोनों ही देश एसोसिएट नेशन हैं। हालांकि 2018 और 2022 के दौरान टूर्नामेंट यूएई में खेला गया लेकिन तब भारत और श्रीलंका के पास होस्टिंग राइट्स थे। ऐसे में होस्टिंग राइट्स किसी फुल मेंबर बोर्ड के पास ही रहेंगे।

कौन हैं सौरभ कुमार ? जिन्हें टीम इंडिया में मिला मौका

गेंदबाजी का नहीं तोड़, साथी कहते थे शेनवॉर्न

मेरठ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार बड़ौत में अपने साथियों के बीच शेन वॉर्न नाम से प्रसिद्ध थे। जब वह रेलवे स्टेशन पार छक्के मारते थे तो लोग उन्हें धोनी कहते थे। फिलहाल सौरभ का परिवार गाजियाबाद के राजनगर में रह रहा है। सौरभ दो भाई और एक बहन हैं। बड़ा भाई गौरव एयरफोर्स में कार्यरत है। मां ऊषा गृहणी हैं।

सौरभ का परिवार 2004 में बुढ़ाना क्षेत्र के गांव बिटावदा को छोड़कर बड़ौत के आजाद नगर में रहने लगा। 2006 में परिवार मेरठ में शिफ्ट हो गया। काफी समय तक सौरभ ने बड़ौत, बागपत में ही क्रिकेट खेला है।

उनके चयन के बाद मेरठ, मुजफ्फरनगर के अलावा बागपत के बड़ौत में भी खुशी का माहौल है। वह बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी करते हैं और लेफ्ट हैंड बल्लेबाज हैं। बड़ौत के शहीद शाहमल क्रिकेट एकेडमी के कोच प्रतीक तोमर ने बताया कि जब सौरभ खेलता था, तो दूरदराज से क्रिकेट खिलाड़ी व दर्शक जुट जाते थे। सौरभ की बल्लेबाजी व गेंदबाजी का कोई तोड़ नहीं है।

30 साल के बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार पहले भी भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं, इस बार उनके डेब्यू की संभावना है। वह 68 फर्स्ट क्लास मैचों में 290 विकेट ले चुके हैं। 64 रन देकर आठ विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी रही है। इसके अलावा वह 27.11 की औसत से 2061 रन भी बना चुके हैं। 133 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो शतक और 12 अर्धशतक लगा चुके हैं।

बांग्लादेश ए के खिलाफ झटके थे छह विकेट

2022 में बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार ने अभी तीन दिन पहले ही भारत ए की ओर से बांग्लादेश ए के खिलाफ छह विकेट झटके थे। इस शानदार प्रदर्शन की मदद से भारत ए ने दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में बांग्लादेश ए को पारी और 123 रन से हरा दिया।

इस तरह पहुंचे यूपी की सीनियर टीम में

अंडर-16 और अंडर-17 के बाद सौरभ अंडर-19 टीम में भी शामिल हो गए, लेकिन सीनियर टीम का रास्ता कठिन था। उस समय यूपी की टीम में पीयूष चावला, अली मुर्तजा समेत कई स्पिनर थे। कुलदीप यादव और सौरभ कश्यप भी लाइन में थे। बाद में चयनकर्ताओं ने उन्हें अंडर-23 में शामिल किया। इसके बाद उन्हें सीनियर टीम में शामिल कर लिया गया। उन्होंने अपने घरेलू टीम के लिए पहले प्रथम श्रेणी मैच में गुजरात के खिलाफ 10 विकेट लिए।

सौरभ ने टिकवा दिए लॉयंस के घुटने

अहमदाबाद में 24 से 27 जनवरी तक इंडिया ए और इंग्लैंड लॉयंस के बीच अनऑफिशियल टेस्ट खेला गया। सौरभ ने बल्लेबाजी में 16 चौकों के साथ 77 रन बनाए। यही नहीं पहली पारी में इंग्लैंड के एक और दूसरी पारी में पांच विकेट चटकाए। यही वजह है कि पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बदलाव किए गए हैं। सौरभ कुमार को रविंद्र जड़ेजा की जगह शामिल किया गया है। आईपीएल में वह किंग्स इलेवन पंजाब के लिए दमखम दिखा चुका है।

मनदीप जांगड़ा ने अमेरिका में जीता सुपर फेदरवेट खिताब, इस खिलाड़ी को दी शिकस्त

वाशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया था। एसक्विवेल को हराने से पहले जांगड़ा ने अपने छह मुकाबलों में से चार में नॉकआउट जीत दर्ज की है। जांगड़ा ने एमेच्योर सर्किट में भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारतीय मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने वाशिंगटन के टॉप्पेनिश सिटी में गेरार्डो एसक्विवेल को हराकर अमेरिका स्थित 'नेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (एनबीए)' का 'इंटरकॉन्टिनेंटल सुपर फेदरवेट' खिताब जीता। अपने पेशेवर करियर में अब तक अपराजित रहने वाले 30 साल के जांगड़ा ओलंपिक के पूर्व रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर के मार्गदर्शन में अभ्यास करते हैं।

मनदीप को अमेरिका के मुक्केबाज के खिलाफ शुक्रवार को प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने पिछले 75 किलोग्राम भारवर्ग को छोड़ कर कम भारवर्ग में उतरना पड़ा। उन्होंने यहां जारी बयान में कहा, "यह जीत सिर्फ मेरी नहीं है, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जिसने इस पूरी यात्रा में मेरा साथ दिया। इसमें मेरे कोच, परिवार, प्रशंसक और मेरे साथ खड़े रहने वाले शामिल हैं। मैं यह खिताब अपने देश को समर्पित करता हूं। मैं देश के लिए भविष्य में भी इसी तरह का सम्मान और खिताब हासिल करने की कोशिश करूंगा।"

जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया था। एसक्विवेल को हराने से पहले जांगड़ा ने अपने छह मुकाबलों में से चार में नॉकआउट जीत दर्ज की है। जांगड़ा ने एमेच्योर सर्किट में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2014 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था। फ्लोरिडा स्थित 'नेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (एनबीए)' पेशेवर मुकाबलों के लिए मान्यता प्राप्त संस्था है।

गुकेश दूसरे स्थान पर रहे, मेडोंका ने जीता चैलेंजर वर्ग का खिताब

चार खिलाड़ियों को 8.5 अंक

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश दुर्भाग्यशाली रहते हुए टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज का खिताब नहीं जीत सके। 8.5 अंकों के साथ चार खिलाड़ियों के शीर्ष पर रहने के चलते टाईब्रेकर का सहारा लिया गया। पहले टाईब्रेकर में गुकेश ने अनीश गिरी को तीन गेमों में हरा फाइनल में चीन के वेई यी से भिड़ने का हक हासिल किया। फाइनल में गुकेश की वेई के खिलाफ पहली बाजी ड्रॉ रही, दूसरी में गुकेश को हार मिली।

गुकेश संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। इससे पहले 13वें और अंतिम दौर में उन्होंने काले मोहरों से ईरान के परहम मगशूदलू को हराया। विदित गुजराती (7.5) को वेई यी के हाथों हार मिली, जबकि प्रगनानंदा (7.5) ने अलीरेजा से ड्रॉ खेला। चैलेंजर वर्ग के 13वें और अंतिम दौर में भारतीय जीएम लियोन ल्यूक मेंडोंका (9.5) ने दिव्या देशमुख को हराकर खिताब जीता।

भारत ने जमैका को 13-0 से हराया

हॉकी-5 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

मस्कट, 30 जनवरी (एजेंसियां)। मनिंदर सिंह के चार गोल की मदद से भारत ने जमैका को तीसरे और आखिरी पूल मैच में 13-0 से हराकर एफआईएच हॉकी 5 पुरुष विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मनिंदर ने दूसरे मिनट में दो गोल करने के बाद 28वें और 29वें मिनट में गोल दागे। ये चारों मैदानी गोल थे।

इसके अलावा मनजीत (पांचवां और 24वां), राहिल मोहम्मद (16वां और 27वां) और मनदीप मोर (23वां और 27वां) ने दो-दो गोल किए जबकि उत्तम सिंह (पांचवां), पवन राजभर (नौवां) और गुरजोत सिंह (14वां) ने एक-एक गोल किया।

भारत ने पहले ही मिनट से आक्रामक हॉकी दिखाई और मनिंदर सिंह ने लगातार दो गोल

दाग दिए। इसके बाद उत्तम और मनजीत के एक-एक गोल से पहले छह मिनट में स्कोर 4-0 हो गया। अच्छी बढ़त बनाने के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने हमले बोलना बंद नहीं किया। पवन ओर गुरजोत ने गोल करके हाफटाइम तक स्कोर 6-0 कर दिया।

दूसरे हाफ में भी यही कहानी रही और गेंद पर नियंत्रण के मामले में भारत काफी आगे रहा। राहिल, मनदीप, मनजीत और मनिंदर ने गोल करके भारत को बड़ी जीत दिलाई। भारत ने पूल बी में स्विटजरलैंड के हराया था लेकिन मिस्र से हार गया था। इस जीत के साथ भारत ने अंतिम आठ में जगह बना ली।

अर्शदीप, सूरज और स्टीवन ने ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई किया

नेशनल रेसवॉकिंग चैंपियनशिप में टॉप-3 पोजिशन पर रहे

चंडीगढ़, 30 जनवरी (एजेंसियां)। अर्शदीप सिंह, सूरज पवार और स्टीवन ने ओलिंपिक के रेसवॉकिंग इवेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। चंडीगढ़ में आयोजित रेस वॉकिंग चैंपियनशिप के इंडिविजुअल इवेंट में अर्शदीप पहले, सूरज दूसरे और स्टीवन तीसरे नंबर पर रहे। तीनों ने क्वालिफाइंग टाइम 1 घंटे 20 मिनट 11 सेकेंड से कम समय लेकर रेस पूरी की।

विमेंस में मंजू रानी चैंपियन रहीं, लेकिन क्वालिफाइंग टाइम पूरा नहीं कर पाने के कारण वह ओलिंपिक में जगह नहीं बना सकीं। मिक्स्ड वॉक रेस ओलिंपिक में पहली बार होने जा रही है। गेम्स इसी साल जुलाई में फ्रांस के पेरिस में होंगे।

पंजाब के अर्शदीप सिंह ने 20 किमी रेस वॉक एक घंटे 19 मिनट और 37 सेकेंड का समय लेकर जीती। उत्तराखंड के सूरज पवार 1 घंटे 19 मिनट और 43 सेकेंड का समय लेकर दूसरे नंबर पर रहे।

वहीं तमिलनाडु के स्टीवन ने एक घंटे 20 मिनट और 3 सेकेंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। तीनों ने ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई किया। क्वालिफिकेशन के लिए एक घंटे

20 मिनट और 11 सेकेंड के अंदर रेस पूरी करनी थी।

अंडर-20 की मेंस और विमेंस कैटेगरी में 10 किमी की रेसवॉक हुई। विमेंस में आरती भड़ाना पहले नंबर पर रहीं। वहीं वैष्णवी नेगी दूसरे और चकप्रमनोकिया चानू तीसरे नंबर पर रहीं। मेंस रेसवॉक में हिमांश कुमार ने रेस जीती। वहीं आदित्य नेगी दूसरे और रोशन कुमार तीसरे नंबर पर रहे।

मेंस इवेंट में भारत से अब 5 वॉकर ने ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। अर्शदीप, सूरज और स्टीवन से पहले विकास सिंह और परमजीत बिष्ट ओलिंपिक खेलने के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं।

दोनों ने पिछले साल जापान में एशियन चैंपियनशिप के दौरान क्वालिफाई किया था। तब विकास ने 1 घंटा 20 मिनट और 8 सेकेंड, जबकि परमजीत ने एक घंटा 20 मिनट और 11 सेकेंड का समय लिया था।

अर्शदीप ने पिछले साल नेशनल चैंपियनशिप एक घंटे 20 मिनट 5 सेकेंड का समय लेकर ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया था, उन्होंने इस बार सिर्फ अपना प्रदर्शन सुधारा।

नेशनल विमेंस चैंपियनशिप में कोई भी महिला ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकीं। चंडीगढ़ की मंजू रानी एक घंटे 34 मिनट 16 सेकेंड का समय लेकर पहले नंबर पर रहीं। लेकिन ओलिंपिक क्वालिफिकेशन के लिए रेस एक घंटे 29 मिनट और 20 सेकेंड के अंदर पूरी करनी थी। दूसरे और तीसरे नंबर पर की वॉकर भी क्वालिफिकेशन के आसपास नहीं पहुंच सकीं।

शमार जोसेफ आईएलटी 20 से बाहर

इंजरी का इलाज कराने वेस्टइंडीज जाएंगे; स्टार्क की यॉर्कर से हुए थे चोटिल

खेल डेस्क, 30 जनवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ यूएई में आईएलटी 20 नहीं खेल पाएंगे। ब्रिसबेन टेस्ट में उनके पैर पर लगी चोट बेहद गंभीर है, जिसका इलाज कराने के लिए वह वेस्टइंडीज जाएंगे। इस कारण वह दुबई कैपिटल्स से फ्रेंचाइजी क्रिकेट नहीं खेल सकेंगे।

शमार ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट की दूसरी पारी में 7 विकेट लिए थे। उनके प्रदर्शन के दम पर टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उन्हीं के घर में 27 साल बाद टेस्ट मैच हराया।

पहले टेस्ट में बैटिंग के दौरान इंजर्ड होने के बाद शमार जोसेफ को साथी खिलाड़ी कंधे के सहारे ग्राउंड के बाहर ले गए।

पहले टेस्ट में बैटिंग के दौरान इंजर्ड होने के बाद शमार जोसेफ को साथी खिलाड़ी कंधे के सहारे ग्राउंड के बाहर ले गए।

रेरा सचिव शिव बालकृष्ण आठ दिन की हिरासत में

हैदराबाद, 30 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के सचिव, हैदराबाद मेट्रो रेल योजना विभाग के अधिकारी शिव बालकृष्ण को एसीबी कोर्ट ने 8 दिन की हिरासत में भेज दिया है। उन्हें आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार किया गया है और एसीबी अधिकारी उनसे पूछताछ करेंगे। वह वर्तमान में चंचलगुडा जेल में रिमांड कैदी है। हाल ही में, एसीबी अधिकारियों ने आदित्य के पोर्टव्यू विला और उनके करीबी दोस्तों और रिश्तेदारों सहित मणिकोंडा पुप्पलगुडा सचिवालय कॉलोनी के 16 इलाकों में तलाशी ली और 8.26 करोड़ रुपये नकद मिले। कुल रियल एस्टेट बाजार मूल्य लगभग 100 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

एसीबी ने पाया कि शिवबालाकृष्ण ने अवैध रूप से कमाए गए पैसे से ज्यादातर जमीनें खरीदीं। ऐसा लगता है कि लगभग 100 एकड़ जमीन हो सकती है। ये सभी हैदराबाद के उपनगरों के साथ-साथ कोडकंदला, कलवाकुर्ती, यदाद्री और जनगाम में पाए गये हैं। खबर है कि कई कंपनियों में निवेश किया गया है। एसीबी को संदेह है कि उन्होंने न केवल एचएमडीए के निदेशक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान बल्कि रेरा के सचिव के रूप में कार्यभार संभालने के बाद भी रियल एस्टेट कंपनियों को लाभ पहुंचाकर बेहिसाब पैसा कमाया है।

रडार स्टेशन को लेकर बीआरएस- कांग्रेस आमने सामने

हैदराबाद 30 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले में भारतीय नौसेना द्वारा स्थापित किए जाने वाले वेरी लो फ्रीक्वेंसी (वीएलएफ) संचार ट्रांसमिशन रडार स्टेशन को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) आमने-सामने हैं। राज्य सरकार ने राडार स्टेशन स्थापित करने के लिए विकाराबाद जिले के पुदुरू के पास दम्मुगुडेम गांव में 1,174 हेक्टेयर (2901 एकड़) वन भूमि नौसेना को हस्तांतरित कर दी। 25 जनवरी को सचिवालय में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में पूर्वी नौसेना कमान के अधिकारियों और राज्य सरकार के वन अधिकारियों के बीच केंद्र के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह परियोजना 2027 तक तैयार होने का लक्ष्य है। 29 जनवरी को विकाराबाद के परिगी में एक बीआरएस बैठक को संबोधित करते हुए, पूर्व मंत्री केटीआर ने कहा कि पार्टी रडार स्टेशन परियोजना का विरोध करती है। हमने पिछले 10 वर्षों में रडार स्टेशन नहीं बनने दिया क्योंकि इससे विकिरण के कारण वन्यजीव प्रभावित होंगे। इस मंजूरी से पुदुरू, पारिगी और विकाराबाद जिले प्रभावित होंगे। सत्ता में आते ही कांग्रेस सरकार ने जल्दबाजी में फाइल पर हस्ताक्षर कर दिये.। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राडार स्टेशन तक रास्ता बनाने के लिए 12 लाख पेड़ काटे जाएंगे। अगर लाखों पेड़ काट दिए जाएं तो क्या बारिश होगी? उन्होंने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर विकाराबाद जिले की आबादी की राय समझने के लिए एक सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। परियोजना के कारण पर्यावरणीय संकट के केटीआर के दावों को खारिज करते हुए, वन राज्य मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि सरकार द्वारा उचित परिश्रम के बाद आधिकारिक जीओ जारी किया गया था। पिछली बीआरएस सरकार ने परियोजना के लिए अनुमति दी थी। हमने अभी वह फ़ाइल आगे बढ़ाई है जो अनुमोदन के लिए तैयार थी। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि इस परियोजना के लिए लाखों पेड़ काटे जाएंगे। सुरेखा ने एक याचिका पर उच्च न्यायालय के आदेशों का हवाला दिया जिसमें यही आरोप लगाया गया था। उन्होंने कहा, उच्च न्यायालय ने उस याचिका में किए गए पेड़ काटने के दावों को खारिज कर दिया। दम्मुगुगेम वन संरक्षण संयुक्त कार्रवाई समिति ने इस परियोजना को रद्द करने की मांग करते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी और राज्य सरकार से तय शर्तों के मुताबिक सभी सावधानियां बरतने को कहा।

शब्बीर अली ने अल्पसंख्यकों को धोखा देने के लिए केटीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक विभागों के सलाहकार शब्बीर अली ने तेलंगाना में अल्पसंख्यकों के प्रति प्रेम दिखाकर नाटक करने के लिए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव की आलोचना की है। मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता निज़ामुद्दीन के साथ शब्बीर अली ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने पिछले वर्षों के दौरान अल्पसंख्यकों के कल्याण और विकास के लिए कुछ नहीं किया था और केटी रामाराव को अल्पसंख्यकों के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं था। तेलंगाना में "जब बीआरएस अध्यक्ष के.चंद्रशेखर राव तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब अल्पसंख्यकों को कोई लाभ नहीं मिला। केसीआर ने कामारेड्डी विधानसभा क्षेत्र में मेरे जैसे निर्दोष अल्पसंख्यक नेता को हराने के लिए कई प्रयास किए। केटी रामा राव को जवाब देना चाहिए कि ऐसा क्यों किया गया केसीआर कामारेड्डी आते हैं और वहां से चुनाव लड़ते हैं? केसीआर की मंशा स्पष्ट है कि अल्पसंख्यक नेता को विधानसभा में नहीं आना चाहिए,'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है जो अल्पसंख्यकों को अवसर देती है, पूर्व मंत्री शब्बीर अली ने कहा कि वह एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक विभागों के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है और इस बात को दोहराया है।

कांग्रेस पार्टी आने वाले दिनों में अल्पसंख्यकों को और अधिक मौके देगी. "कांग्रेस ने बीआरएस नेता महमूद अली को भी एमएलसी बनाया और एमएलसी चुनावों के दौरान उन्हें अपना पूरा समर्थन दिया क्योंकि वह अल्पसंख्यक थे। यह अल्पसंख्यकों के प्रति कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता थी, लेकिन जब बीआरएस पार्टी की बात आती है, तो ऐसा होता है।

राज्यपाल कोटा एमएलसी के शपथ ग्रहण पर हाई कोर्ट की रोक

हैदराबाद 30जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में राज्यपाल कोटे से चुने गए एमएलसी के शपथ ग्रहण पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने अगले आदेश तक शपथ नहीं दिलाने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि प्रोफेसर कोदंडराम और मीर अमीर अली खान को राज्यपाल कोटे से एमएलसी नियुक्त किया गया है। कोर्ट ने दोनों को शपथ न दिलाने का आदेश दिया।

दासोजू श्रवण और सत्यनारायण ने राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन द्वारा एमएलसी के रूप में उनके नामों को अस्वीकार करने को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं ने अदालत का ध्यान इस ओर दिलाया कि उसने मंत्रिपरिषद द्वारा भेजे गए नामों को खारिज कर दिया है। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि कोदंडराम और मीर अमीर अली खान मामला स्पष्ट होने तक शपथ लिए बिना अंतरिम आदेश दिया जाए। राज्यपाल के सचिव के वकील ने अदालत को बताया कि नयी सरकार ने पिछली सरकार के शासनकाल में मंत्रिपरिषद द्वारा पारित प्रस्ताव को रद्द कर दिया है। दलीलें सुनने के बाद पीठ ने यथास्थिति लागू करते हुए आगे की सुनवाई 8 फरवरी के लिए स्थगित कर दी है।

तीगलकुंटा और चारमीनार के बीच टीएसआरटीसी बस सेवा जल्द शुरू होगी

हैदराबाद, 30 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर के लोगों के लिए यात्रा में आसानी सुनिश्चित करने के लिए, कांग्रेस सरकार तीगलकुंटा और चारमीनार के बीच निलंबित टीएसआरटीसी बस सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए कदम उठा रही है। सुचारू सेवा संचालन सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार, 30 जनवरी को विभिन्न क्षेत्रों में ट्रायल रन आयोजित किए गए। टीएसआरटीसी द्वारा एक सर्वेक्षण के बाद तीगलकुंटा और चारमीनार के बीच चलने वाली बसों को निलंबित कर दिया गया था, जिसमें कम यात्री सवारी करते दिखाया गया था। इसलिए सेवाओं को जारी रखना राज्य सरकार के लिए आर्थिक रूप से घाटे का सौदा माना गया था। बाग-ए-ज़हरा, एसआरटी कॉलोनी, याकूतपुरा, तलाबकट्टा, वट्टेपल्ली, बीबी-का-चस्मा, नवाब साहिब कुंटा, तीगलकुंटा, कालापत्थर, घोसनगर, वादी-ए-ओमर, वादी-ए-मुस्तफा, बिस्मिल्लाह जैसे इलाकों को जोड़ने वाली टीएसआरटीसी बस सेवाएं चारमीनार, कोठी और अफजलगंज जैसे शहर के मुख्य क्षेत्रों वाली कॉलोनी और शाहीननगर को 2019 में कोविड लॉकडाउन के दौरान बंद कर दी गई थी। अधिकारी सेवाओं को फिर से शुरू करने में विफल रहे। टीएसआरटीसी अधिकारियों ने यह भी कहा था कि इलाकों में सड़कें संकरी हैं और बसें अक्सर ट्रैफिक जाम का कारण बनती हैं। उन्होंने कहा कि मिनी बसों को शहर के अन्य मार्गों पर मोड़ दिया गया था और कुछ को टूट-फूट के कारण रद्द कर दिया गया था। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि अगर सरकार नई बसें उपलब्ध करा सकती है, तो तीगलकुंटा और चारमीनार के लिए सेवाएं फिर से शुरू कर दी जाएंगी। निजी परिवहन, विशेष रूप से शेयरिंग ऑटो रिक्शा, जो मार्गों को कवर करते हैं, उच्च किराया वसूल रहे हैं, जिसे निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार मुश्किल से वहन कर सकते हैं। वट्टेपल्ली और चारमीनार के बीच यात्रा करने वाले एक स्थानीय निवासी ने कहा कि उन्होंने ऑटो रिक्शा में एक तरफ की यात्रा के लिए कम से कम 25 रुपये का भुगतान करना पड रहा है।

ड्रग्स कारोबार कर रही म्यूजिक टीचर गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। आरोपी लावण्या (34) उच्च शिक्षा के लिए विजयवाड़ा से हैदराबाद आई थी। रिमांड रिपोर्ट में कहा गया है कि वह संगीत शिक्षक के रूप में काम करती थी और लघु फिल्मों में अभिनय करती थी। लघु फिल्मों में अभिनय करते-करते उन्हें नशे की लत लग गई। कोकापेट की रहने वाली लावण्या को रविवार शाम को शंकरपल्ली-नरसिंगी रोड पर तब गिरफ्तार कर लिया गया, जब माधापुर स्वॉट पुलिस को सूचना मिली कि वह कई सालों से ड्रग्स का कारोबार कर रही है। जांच की गई तो 4 ग्राम एमडीएमए पाया गया। शुरुआत में पता चला कि वह कुछ दिनों से नशीली दवाओं का सेवन कर रही थी। उसने कहा कि एक परिचित यूनित रेड्डी ने उसके बैग में एमडीएमए डाला था। उसे पिछले दिनों मोकिला पुलिस ने नशीली दवाओं का सेवन करते हुए पकड़ा था। इसके बाद पता चला कि वह सेलर बनकर सप्लाई कर रहा था। यूनिटेथ रेड्डी के साथ इंदु नाम की एक और महिला फरार है।

सीपी ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू आईपीएस ने अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों की याद में 30 जनवरी को राचकोंडा आयुक्त कार्यालय में दो मिनट का मौन रखा।

इस कार्यक्रम में डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू, डीसीपी एडमिन इंदिरा, एसबी डीवीपी करुणाकर, एडिशनल डीसीपी एडमिन श्रीनिवास रेड्डी और कमिश्नरेट कार्यालय के अन्य अधिकारी और मंत्रालयिक कर्मचारी शामिल हुए।

मंगलवार शाम को वन, पर्यावरण और धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने हैदराबाद के जुबली हिल्स में केबीआर पार्क में शाम की सैर कर रहे पैदल यात्रियों से बातचीत की। पदयात्रियों के अनुरोध पर उन्होंने अपने फोन पर उनके साथ सेल्फी ली। इस मौके पर उन्होंने मंत्री से वॉकर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित बैठक में आने को कहा और उन्होंने कहा कि वह जरूर आएंगी।

चंद्रबाबू ने जन सेना के साथ सीटों के समायोजन पर ध्यान केंद्रित किया

अमरावती, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी-जनसेना गठबंधन दलों के नेता चुनावी तैयारियां तेज करने की तैयारी में हैं। गठबंधन की पृष्ठभूमि में ऐसा लग रहा है कि दोनों पार्टियां फरवरी में सीटों के तालमेल पर संयुक्त बयान दे सकती हैं। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू और जेएसपी प्रमुख पवन कल्याण पहले ही कई बार मिल कर इस पर चर्चा कर चुके हैं। खबर है कि ये दोनों जल्द ही दोबारा मिलेंगे। मालूम हो कि चंद्रबाबू अगले दो और तीन दिनों तक मुख्य रूप से सीटों के समायोजन और संयुक्त पार्टी के उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। नायुडू ने सीट समायोजन प्रक्रिया पूरी करने के लिए बैठकों के लिए अस्थायी ब्रेक की घोषणा की।

एचएमडीए ने तेल्लापुर में दिवंगत गद्दर की प्रतिमा को मंजूरी दी

हैदराबाद, 30जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नगर विकास प्राधिकरण ने मंगलवार, 30 जनवरी को दिवंगत क्रांतिकारी गायक और गीतकार गुम्मति विट्ठल राव, जिन्हें गद्दर के नाम से जाना जाता है, को तेल्लापुर में प्रतिमा स्थापित करने की मंजूरी देने के आदेश जारी किए। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि राज्य सरकार ने प्रतिमा के लिए आवश्यक भूमि देने के आदेश जारी किए। तेलंगाना राज्य सरकार ने पीपुल्स वॉरशिप 'गद्दर' की मूर्ति स्थापित करने की अनुमति दे दी है। राज्य सरकार ने आवश्यक स्थान आवंटित करने के आदेश जारी किये। गद्दर का 6 अगस्त, 2023 को 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका जन्म 1949 में हुआ था और वह नक्सली आंदोलन में सक्रिय थे। गद्दर ने बाद में खुद को अंबेडकरवादी के रूप में पहचाना और स्वतंत्रता-पूर्व गदर पार्टी को श्रद्धांजलि के रूप में गद्दर नाम अपनाया, जिसने पंजाब में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का विरोध किया था। गद्दर को अलग तेलंगाना राज्य के समर्थन के लिए जाना जाता था, जिसका उद्देश्य निचली जातियों, विशेषकर दलितों और पिछड़ी जातियों का उत्थान करना था। उन्होंने अपनी कला का उपयोग समाज में हाशिये पर पड़े और उत्पीड़ित लोगों के संघर्षों की ओर ध्यान दिलाने के लिए किया। वह तेलंगाना के सांस्कृतिक और राजनीतिक परिदृश्य में एक प्रमुख व्यक्ति थे और राज्य के लोक संगीत में उनके योगदान के लिए जाने जाते थे।

बीजेपी ने सोमेश कुमार के खिलाफ कारवाई की मांग की

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक रघुनंदन राव ने आज शहर में भाजपा राज्य कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में मीडियाकर्मियों से बात की। उन्होंने कहा कि राज्य में सत्ता में आई कांग्रेस सरकार कई मुद्दों पर सही निर्णय लेने में असमर्थ रही है। यह कहते हुए कि हालाँकि सरकार ने बहुत सारी गलतियाँ पहचानी हैं, उन्होंने कहा कि वह उन्हें हल करने के लिए कदम उठाने में विफल रही। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में मुख्य सचिव रहे सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सोमेश कुमार पर अपनी पत्नी के नाम पर 25 एकड़ जमीन दर्ज करने का आरोप लगाया गया था और आश्चर्य हुआ कि राज्य सरकार उनके खिलाफ कोई मामला क्यों नहीं दर्ज कर रही है?वह पिछली बीआरएस सरकार के मुख्य सचिव और विशेष सलाहकार के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं। कांग्रेस सरकार ने कार्रवाई क्यों नहीं की, जबकि ऐसा प्रतीत होता है कि सोमेश कुमार ने पिछली राज्य सरकार से लाभ उठाया और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर संपत्तियां पंजीकृत कीं? अगर धरणी के नाम पर अवैध संपत्ति अर्जित करने के आरोप हैं, तो कोई जांच क्यों नहीं की जा रही है, उन्होंने पूछा। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा, जिसने धरणी पोर्टल को भूमाता पोर्टल से बदलने का वादा किया था, वह सभी गलत काम करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू करने में विफल रही? उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा था कि हेटेरो फर्म को दी गई जमीन की समीक्षा की जानी चाहिए। वर्तमान कांग्रेस सरकार संघर्ष क्यों कर रही है, भले ही पिछली बीआरएस सरकार ने झूठे जीओ के साथ सार्वजनिक भूमि लूट ली हो? हजारों करोड़ रुपए की जमीन हेटेरो को दे दी गई. यह जानते हुए भी कि यह अनियमितताएं अवैध हैं, इसकी जांच क्यों नहीं की जाती? जब राज्य में आईएएस अधिकारियों की बात आती है, तो रजत कुमार, सोमेश कुमार, अरविंद कुमार, वेंकट रामी रेड्डी और कई अन्य लोगों पर आरोप हैं, तो कांग्रेस नेता उनके आने पर जांच कराने और कार्रवाई करने के वादे पर चुप क्यों हैं?। उन्होंने आश्चर्य जताया कि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों को एमएलसी और सरकार के विशेष सलाहकार के रूप में कैसे नियुक्त किया जा सकता है? विपक्ष में रहते हुए, कांग्रेस पार्टी ने बीआरएस पार्टी के नेताओं की अनियमितताओं की सीबीआई जांच के लिए अभियान चलाया था। जब यह सत्ता में आई तो इसे भूल गई। 2014 के बाद से, क्या आप सीएम बनने तक धरणी भूमि मामलों की जांच कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस आगामी संसदीय चुनावों में लाभ उठाने के लिए सत्ता में आई है और कहा कि सरकार को जनता के पैसे के प्रति वफादार रहना होगा। उन्होंने मांग की कि बीआरएस सरकार में बेची और आवंटित की गई जमीन की जांच कर श्वेत पत्र जारी किया जाए। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या बीआरएस शासन के दौरान वक्फ भूमि और लैंको हिल्स कब्रिस्तानों की बिक्री में अनियमितताओं की जांच करना संभव है। उन्होंने कहा कि प्रतिद्वंद्वी बीआरएस नेताओं ने जब सत्ता में थे तो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में मनमानी टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, ''वे झूठा प्रचार कर रहे हैं कि कांग्रेस और भाजपा एक ही हैं। क्या कांग्रेस और बीजेपी ने कभी साथ मिलकर चुनाव लड़ा है? लोग जानते हैं कि कांग्रेस और बीजेपी अलग-अलग पार्टियां हैं, भले ही केटीआर हमारी पार्टी के खिलाफ कितने भी आरोप लगाएं और गलत प्रचार करें। केटीआर ऐसे बोलते हैं जैसे वह कोई पागल व्यक्ति हों। उन्हें कम से कम अब अपना मुंह नियंत्रण में रखना चाहिए। उन्होंने भविष्यवाणी की कि बीआरएस अगले संसदीय चुनावों में एक भी सीट नहीं जीतेगी। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी को तेलंगाना आंदोलन का नेतृत्व करने वाले श्रीकांत चारी की मां को फरवरी में खाली होने वाली राज्यसभा सीट देकर अपनी ईमानदारी दिखानी चाहिए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश प्रवक्ता सुनीता रेड्डी, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शिल्पा रेड्डी, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गोली मधुसूदन रेड्डी और भाजपा नेता लिंगम ने भाग लिया।

सर्वश्रेष्ठ कौशल इकाई के रूप में टेक्नोवेशन अवार्ड मिला

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज़ इन इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस एंड टेक्नोलॉजी को इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स सेमीकंडक्टर एसोसिएशन द्वारा "सर्वश्रेष्ठ कौशल इकाई" के रूप में टेक्नोवेशन अवार्ड 2024 प्राप्त हुआ। इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स सेमीकंडक्टर एसोसिएशन इलेक्ट्रॉनिक्स सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण के लिए भारत का प्रमुख उद्योग निकाय ने हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फिजिक्स के सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस एंड टेक्नोलॉजी को टेक्नोवेशन अवार्ड से सम्मानित किया। 24-25 जनवरी 2024 को आयोजित विज़न समिट 2024 में अपने एम.टेक कार्यक्रमों की मान्यता में सर्वश्रेष्ठ कौशल इकाई का पुरस्कार प्राप्त किया है।यह पुरस्कार विशेष रूप से एमटेक (एकीकृत सर्किट प्रौद्योगिकी) और एम.टेक (माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई) कार्यक्रमों के 150 से अधिक छात्रों को दिए गए व्यावहारिक प्रशिक्षण की मान्यता में था। विशिष्ट रूप से, पाठ्यक्रम के भाग के रूप में एकीकृत सर्किट डिजाइन और सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्रक्रिया में प्रशिक्षण, एक निर्माण सुविधा में प्रदान किया जाता है।

विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर नैनोटेक्नोलॉजी में स्थित फैब में कक्षा 1000 और कक्षा 100 के क्लीनरूम क्षेत्र हैं और यह माइक्रो/नैनो इलेक्ट्रॉनिक/सेमीकंडक्टर डिवाइस निर्माण के लिए परिष्कृत सुविधाओं से सुसज्जित है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 2023 में सईएएसई एसटी को चिप2 स्टार्टअप प्रोजेक्ट से सम्मानित किया, जिसमें शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन के लिए आवश्यक बड़ी संख्या में कुशल मानव संसाधन तैयार करने के लिए केंद्रीकृत ईडीए टूल और विकास बोर्डों तक मुफ्त पहुंच प्रदान की गई। अपने बधाई संदेश में, हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.जे. राव ने कहा, हाल ही में टेक्नोवेशन अवार्ड के रूप में सईएएसई एसटी को कौशल प्रदान करने का पुरस्कार में दशकों से प्रदान की जाने वाली उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण और शिक्षा की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और वितरण का प्रतीक है।

मैं इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए शिक्षकों (वर्तमान और पूर्व) को बधाई देता हूं। इस पुरस्कार से हितधारकों को बड़े पैमाने पर गुणवत्ता प्रदान करने और देश के तेजी से बदलते गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र में और अधिक प्रतिस्पर्धी होने के लिए प्रेरित होना चाहिए।

साइबराबाद सीपी ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 30 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, साइबराबाद, अविनाश मोहंती ने अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ आज महात्मा गांधी को उनकी 76वीं पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखा।

सीपी ने कहा कि राष्ट्र राष्ट्रपिता का आभारी है और सभी को शांति, अहिंसा, सादगी, साधनों की पवित्रता और विनम्रता के गांधीजी के आदर्शों को अपनाना चाहिए। सीपी के साथ, डीसीपी एडमिन रविचंदन रेड्डी, एडीसीपी एसबी रवि कुमार, एडीसीपी क्राइम जी नरसिम्हा रेड्डी, सीएओ अकाउंट्स चंद्रकला, सीएओ एडमिन गीता, इंस्पेक्टर, मिनिस्ट्रियल स्टाफ और अन्य ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.